# Manual for DFT+GW+BSE and the related matters

Jinyuan Wu

October 30, 2023

# Contents

| 1        | $\mathbf{Pre}$ | liminaries  |
|----------|----------------|---|
|          | 1.1            | Second quantization   |
|          |                | 1.1.1 For electrons   |
|          | 1.2            | Details in diagrammatics  |
|          |                | 1.2.1 Infinitesimals  |
|          |                | 1.2.2 The expression of $\Sigma$ and $W$                            |
|          |                | 1.2.3 About "antiparticles"   |
|          |                | 1.2.4 The direction of momentum on the interaction line             |
|          | 1.3            | "Quantitative" Feynman rules  |
|          |                | 1.3.1 In the free space   |
|          |                | 1.3.2 In a crystal  |
|          |                | 1.3.3 Diagrammatic components as tensors                            |
|          | 1.4            | Quasiparticles  |
|          |                | 1.4.1 Overview  |
|          |                | 1.4.2 The single-electron Green function                            |
|          |                | 1.4.3 Spectral density  |
|          | 1.5            | System of units   |
| <b>2</b> | Exr            | perimental characterization methods                                 |
| _        | 2.1            | Light-matter interaction  |
|          |                | 2.1.1 Interaction Hamiltonian                                       |
|          |                | 2.1.2 Dipole approximation  |
|          | 2.2            | The dielectric constant   |
|          |                | 2.2.1 Local field correction  |
|          | 2.3            | Absorption  |
|          |                | 2.3.1 Absorption rate and $\operatorname{Im} \epsilon_{\mathbf{r}}$ |
|          |                |   |
| 3        | $\mathbf{DF}'$ |   |
|          | 3.1            | The discontinuity problem   |
| 4        | GW             | and BSE   |
|          | 4.1            | What is $GW$  |
|          |                | 4.1.1 $GW$ is screened Hartree-Fock approximation                   |
|          |                | 4.1.2 Infinitesimal displacement of time in $GW$                    |
|          |                | 4.1.3 $GW$ compared with the Hartree-Fock approximation             |
|          |                | 4.1.4 From $GW$ to BSE  |
|          | 4.2            | The dielectric matrix $\epsilon$                                    |
|          |                | 4.2.1 Frequency-dependent form                                      |

|   |      | 4.2.2 The static limit and the generalized plasmon-pole model . | 43       |
|---|------|---|----------|
|   |      | 4.2.3 The static subspace approach                              | 44       |
|   |      | 4.2.4 Truncation  | 44       |
|   | 4.3  | The self-energy matrix $\Sigma$                                 | 44       |
|   |      | 4.3.1 COHSEX approximation                                      | 44       |
|   |      | 4.3.2 The COHSEX decomposition of $\Sigma$                      | 45       |
|   |      | 4.3.2.1 Going back to static COHSEX                             | 48       |
|   |      | 4.3.3 From dielectric matrix to self-energy                     | 49       |
|   | 4.4  | Self-consistency modes  | 50       |
|   |      | 4.4.1 Diagonal $G_0W_0$   | 51       |
|   |      | 4.4.2 Self-consistent or not                                    | 51       |
|   | 4.5  | The exciton kernel  | 52       |
|   |      | 4.5.1 The Tamm-Damcoff approximation                            | 52       |
|   | 4.6  | Accuracy of GW  | 52       |
|   | 4.7  | On so-called failure of $GW$ and convergence issues             | 52       |
|   | 4.8  |   | 52       |
|   |      |   |          |
| 5 |      |   | 54       |
|   | 5.1  | 1 1   | 54       |
|   | 5.2  |   | 54       |
|   | 5.3  | 1 1   | 55       |
|   | 5.4  | 1   | 55       |
|   |      | 1   | 55       |
|   |      |   | 56       |
|   |      | 1 1   | 56       |
|   |      | *   | 56       |
|   |      | ±   | 57       |
|   | 5.5  | 1   | 57       |
|   |      |   | 57       |
|   | 5.6  | Systems of units  | 57       |
| c | T: a | ht hinding models   | 58       |
| 6 | 6.1  | <u> </u>  | 58       |
|   | 6.1  |   | 59       |
|   | 6.2  | 11  | 59<br>59 |
|   | 0.0  | Interaction channels  | 99       |
| 7 | Car  | rying out calculations  | 61       |
| • | 7.1  |   | 61       |
|   |      |   | 61       |
|   | 7.2  |   | 61       |
|   | 1.2  | 1   | 61       |
|   |      | 1   | 62       |
|   |      | 0   | 62       |
|   |      | 1   | 62       |
|   |      |   | 62       |
|   |      |   | 62       |
|   |      | 0   | 64       |
|   |      |   | 65       |
|   |      |   | 66       |
|   |      |   |          |

|   |     | 7.2.4   | $Metal DFT+GW+BSE \dots \dots \dots \dots \dots \dots$    | 66          |
|---|-----|---------|---|-------------|
|   |     | 7.2.5   | Hartree-Fock calculation                                  | 66          |
|   |     | 7.2.6   | Band plot   | 67          |
|   |     |         | 7.2.6.1 DFT level: <b>k</b> -path                         | 67          |
|   |     |         | 7.2.6.2 <i>GW</i> level: inteqp                           | 67          |
|   |     |         | 7.2.6.3 <i>GW</i> level: using WFN_outer                  | 68          |
|   |     |         | 7.2.6.4 BSE level   | 68          |
|   |     | 7.2.7   | Wannier functions and tight-binding models                | 68          |
|   |     |         | 7.2.7.1 wannier90 for DFT                                 | 68          |
|   |     |         | 7.2.7.2 <i>GW</i> level: sig2wan                          | 69          |
|   |     | 7.2.8   | Self-consistent $GW$                                      | 69          |
|   |     |         | 7.2.8.1 Energy self-consistent calculation in $GW$        | 69          |
|   |     |         | 7.2.8.2 Eigenstate self-consistent calculation in $GW$    | 69          |
|   |     | 7.2.9   | Topological invariants with z2pack                        | 70          |
|   |     | 7.2.10  |   | 70          |
|   |     | 7.2.11  | Finite momentum BSE                                       | 70          |
|   | 7.3 | Perfor  | mance tricks  | 70          |
|   |     | 7.3.1   | Parallelization   | 70          |
|   |     | 7.3.2   | Choosing cutoff energies wisely                           | 71          |
|   |     | 7.3.3   | pseudobands   | 71          |
|   |     | 7.3.4   | "Manual parallelization"                                  | 71          |
|   |     |         | 7.3.4.1 2.1-wfn   | 72          |
|   | 7.4 | Conve   | rgence tests  | 72          |
|   | 7.5 | Third-  | -party tools  | 73          |
|   |     | 7.5.1   | Running Python 2 scripts                                  | 73          |
| 8 | Tro | uble sł | nooting   | <b>74</b>   |
|   | 8.1 |         | pected units  | 74          |
|   |     | 8.1.1   |   | 74          |
|   | 8.2 | Troub   | le shooting in MPI  | 74          |
|   |     | 8.2.1   | srun: fatal: Can not execute                              | 74          |
|   |     | 8.2.2   | error parsing parameters                                  | 74          |
|   |     | 8.2.3   | Each process is run serially and doesn't communicate with |             |
|   |     |         | others  | 74          |
|   |     | 8.2.4   | Insufficient virtual memor                                | 74          |
|   | 8.3 | Troub   | le shooting in Python                                     | 75          |
|   |     | 8.3.1   | AttributeError: 'Dataset' object has no attribute         |             |
|   |     |         | 'value'   | 75          |
|   | 8.4 |         | le shooting in QuantumEspresso                            | 75          |
|   |     | 8.4.1   | Fatal error in PMPI_Comm_free: Invalid communicato        | <b>r</b> 75 |
|   |     | 8.4.2   | Intel MKL FATAL ERROR: Cannot load symbol MKLMPI          |             |
|   |     |         | Get_wrappers  | 75          |
|   |     | 8.4.3   | Program frozen  | 75          |
|   |     | 8.4.4   | Electron convergence not achieved                         | 75          |
|   |     | 8.4.5   | Error in routine allocate_fft (1): wrong ngms             | 75          |
|   |     | 8.4.6   | Error reading attribute index : expected integer ,        |             |
|   |     | 0 1 -   | found *   | 75          |
|   |     | 8.4.7   | cdiaghg (159): eigenvectors failed to converge .          | 75          |

|     | 8.4.8  | Error in routine cdiaghg (1052): problems computing    |          |
|-----|--------|--|----------|
|     |        | cholesky   | 76       |
|     | 8.4.9  | Error in routine set_occupations (1): smearing requi   | ires     |
|     |        | <u>-</u>   | 76       |
|     | 8.4.10 | Error in routine splitwf (36197): wrong size for pw    | t 76     |
|     |        |  | 76       |
|     |        |  | 76       |
|     |        | stress for hybrid functionals not available with pool  |          |
|     |        | Error in routine projwave (1): Cannot project on zer   |          |
|     | 0.1.11 |  | 76       |
|     | 8 / 15 |  | 76       |
|     |        | •  | 77       |
|     |        | Error in routine c_bands (1): too many bands are no    |          |
|     | 0.4.11 | •  | 77       |
|     | 0 1 10 | 8.4  |          |
| 0 = |        | Error in routine checkallsym (2): not orthogonal ope   |          |
| 8.5 |        | 0 1  | 77       |
| 0.6 | 8.5.1  | 1  | 77       |
| 8.6 |        | 0 1  | 77       |
|     | 8.6.1  | 0 1  | 77       |
|     | 8.6.2  | WARNING: checkbz: unfolded BZ from epsilon.inp has     |          |
|     |        | 8 11 1   | 77       |
|     | 8.6.3  | 0  |          |
|     | 8.6.4  | ·  | 78       |
|     | 8.6.5  | Segmentation fault: address not mapped to object at    |          |
|     |        |  | 79       |
|     | 8.6.6  | eqpcor mean-field energy mismatch                      | 79       |
|     | 8.6.7  | ERROR: occupations (ifmax field) inconsistent between  | n        |
|     |        | WFN and WFNq files                                     | 79       |
|     | 8.6.8  | ERROR: Unexpected characters were found while reading  | g        |
|     |        | the value for the keyword                              | 79       |
|     | 8.6.9  | forrtl: severe (24): end-of-file during read, unit     |          |
|     |        | -5, file Internal List-Directed Read                   | 80       |
|     | 8.6.10 | ERROR: Inconsistent screening, trunction, or q0 vector | or       |
|     |        |  | 80       |
|     | 8.6.11 | cannot use metallic screening with q=0                 | 80       |
|     | 8.6.12 | ERROR: genwf mpi: No match for rkq point               | 80       |
|     |        |  | 80       |
|     | 8.6.14 | forrtl: severe (71): integer divide by zero            | 81       |
|     | 8.6.15 | ERROR: screened Coulomb cutoff is bigger than epsilon  | n        |
|     |        | cutoff   | 81       |
|     | 8.6.16 |  | 81       |
|     |        |  | 81       |
|     |        | _int_malloc: Assertion '(unsigned long) (size) >=      |          |
|     |        |  | 81       |
|     | 8.6.19 |  | 81       |
| 8.7 |        |  | 82       |
| ٥., | 8.7.1  | <u>.</u>   | 82       |
|     |        | <u> </u>   | 82<br>82 |

|     | 8.7.3  | forrtl: severe (174): SIGSEGV, segmentation fault               |    |
|-----|--------|---|----|
|     |        | occurred  | 82 |
|     | 8.7.4  | too many projections to be used without selecting a             |    |
|     |        | <pre>subset</pre>   | 82 |
|     | 8.7.5  | Direct lattice mismatch   | 82 |
| 8.8 | Troubl | e shooting in kernel and absorption                             | 83 |
|     | 8.8.1  | ERROR: Inconsistent symmetry treatment of the fine              |    |
|     |        | and shifted grids with the momentum operator                    | 83 |
|     | 8.8.2  | Fatal error in PMPI_Waitall: Request pending due to             | )  |
|     |        | failure   | 83 |
|     | 8.8.3  | <pre>could not get a validated dataspace from file_space_</pre> | _  |
|     |        | id  | 83 |
|     | 8.8.4  | <pre>ERROR: Momentum and Finite_q are incompatible</pre>        | 83 |
|     | 8.8.5  | epscopy: read illegal ng from epsmat                            | 83 |
| 8.9 | Checkl | list for unexpected results                                     | 83 |
|     | 8.9.1  | Band symmetry higher than the space group shown at the          |    |
|     |        | beginning of bands.out  | 84 |
|     | 8.9.2  | Band structure looks very far from the literature               | 84 |
|     | 8.9.3  | Band plot is empty  | 84 |
|     | 8.9.4  | Band plot is not continuous                                     | 84 |
|     | 8.9.5  | Band plot is flat   | 85 |
|     | 8.9.6  | The size of band gap  | 85 |
|     | 8.9.7  | SOC effects are too strong                                      | 85 |
|     | 8.9.8  | When we get a semimetal in the DFT step but it should be        |    |
|     |        | an insulator  | 85 |
|     | 8.9.9  | The band plot seems reasonable but the band gap is strange      | 86 |
|     | 8.9.10 | The DOS curve is too smooth                                     | 86 |
|     | 8.9.11 | The Wannier-interpolated band structure looks weird             | 86 |
|     | 8.9.12 | The exciton wave function looks strange                         | 86 |

# Chapter 1

# **Preliminaries**

# 1.1 Second quantization

Here are some handy formulae for building second-quantized Hamiltonian from wave functions or stuff like that that are generated by first-principle softwares.

### 1.1.1 For electrons

In second quantization, for fermions we have

$$\{c_i, c_i^{\dagger}\} = \delta_{ij}, \tag{1.1}$$

and Fock states are given by

$$|n_1, n_2, \ldots\rangle = (c_1^{\dagger})^{n_1} (c_2^{\dagger})^{n_2} \cdots |0\rangle.$$
 (1.2)

This gives us the expected (-1) sign change when two fermions are switched. A single particle Hamiltonian

$$H_0 = \sum_{i=1}^{N} h_i \tag{1.3}$$

is to be rewritten as

$$H_0 = \sum_{\alpha,\beta} \langle \alpha | h | \beta \rangle c_{\alpha}^{\dagger} c_{\beta}, \tag{1.4}$$

and a two-particle Hamiltonian

$$H_{\rm I} = \frac{1}{2} \sum_{i \neq j=1}^{N} V_{ij} = \sum_{\text{pair } i, j} V_{ij}$$
 (1.5)

is to be rewritten as

$$H_{\rm I} = \frac{1}{2} \sum_{\alpha,\beta,\delta,\gamma} \langle \alpha\beta | V | \delta\gamma \rangle \, c_{\alpha}^{\dagger} c_{\beta}^{\dagger} c_{\delta} c_{\gamma}. \tag{1.6}$$

Note that in the first-quantized Hamiltonian, i and j label particles, while in the second-quantized Hamiltonian,  $\alpha, \beta, \delta, \gamma$  label single-particle wave functions. The 1/2 factor is there to counter the double counting of ij and ji.

The representation switching formulae are

$$c_{\alpha}^{\dagger} = \sum_{\tilde{\alpha}} \langle \tilde{\alpha} | \alpha \rangle c_{\tilde{\alpha}}^{\dagger} \tag{1.7}$$

and

$$c_{\alpha} = \sum_{\tilde{\alpha}} \langle \alpha | \tilde{\alpha} \rangle c_{\tilde{\alpha}}. \tag{1.8}$$

Specifically, suppose  $\{\alpha\}$  is a single-particle basis, we say

$$\psi^{\dagger}(\boldsymbol{x}) = \sum_{\alpha} \langle \boldsymbol{x} | \alpha \rangle c_{\alpha}^{\dagger} \tag{1.9}$$

and  $\psi(\boldsymbol{x})$  are field operators. Most frequently,  $\alpha$  is the momentum (in the Bloch representation) or the index of primitive unit cells or atoms (in the Wannier representation). When  $\alpha$  is the momentum, the relation between the field operator and the creation operator is just Fourier transform. Usually we just choose the normalization of the field operators to satisfy

$$\{\psi(\boldsymbol{x}), \psi^{\dagger}(\boldsymbol{x}')\} = \delta(\boldsymbol{x} - \boldsymbol{x}'). \tag{1.10}$$

Under this convention, if we define

$$\psi_{\mathbf{k}} = \frac{1}{\sqrt{V}} e^{i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}},\tag{1.11}$$

we find

$$\{c_{\mathbf{k}_1}, c_{\mathbf{k}_2}^{\dagger}\} = \delta_{\mathbf{k}_1 \mathbf{k}_2}. \tag{1.12}$$

This convention should be kept in mind in the rest of this note. A large benefit of this convention is it lifts the burden to worry about normalization concerning  $\delta$ -functions: no  $\delta$ -function appears in the rules now! To carry out Feynman diagrammatic calculations in an actual computer, a cutoff on the density of k points is needed (essentially, a cutoff on the size of the system V). This means we should replace  $\int d^3k/2\pi$  with properly normalized  $\sum_{k}$ , where k goes over the discretely infinite k-grid. Also, this convention means the inner product is to be defined as

$$\langle \psi | \varphi \rangle = \int d^3 \mathbf{r} \, \psi^*(\mathbf{r}) \varphi(\mathbf{r}),$$
 (1.13)

where r goes over every point in the sample, and

$$\int d^3 \mathbf{r} \cdot 1 = V. \tag{1.14}$$

# 1.2 Details in diagrammatics

This section briefly goes through some tricky aspects of Feynman diagram techniques that may seem puzzling when we do concrete calculations.

### 1.2.1 Infinitesimals

There are some infinitesimals in Feynman rules that are often ignored. The first is about the illdefinedness of  $\mathcal{T}\langle c(t)c^{\dagger}(0)\rangle$  when t=0. We want to make the propagator to be the particle number (so that if we evaluate the tadpole diagram, we get the Hartree term). Therefore, the contribution of an electron line is

$$\frac{}{k} := \mathcal{T} \langle c_{\mathbf{k}}(t - 0^{+}) c_{\mathbf{k}}^{\dagger}(0) \rangle 
= \int \frac{d\omega}{2\pi} e^{-i\omega(t - 0^{+})} \underbrace{\frac{i}{\omega - \xi_{\mathbf{k}} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{\mathbf{k}})}}_{iG_{0}(\omega, \mathbf{k})} = \int \frac{d\omega}{2\pi} e^{-i\omega t} e^{i\omega 0^{+}} iG_{0}(\omega, \mathbf{k}). \tag{1.15}$$

In the notation used here, G(t,0) is proportional to  $\mathcal{T}\langle c(t)c^{\dagger}(0)\rangle$  and therefore is not well-defined when t=0; the infinitesimal therefore is introduced explicitly by adding the  $e^{i\omega 0^+}$  factor; some may define that iG is the correct propagator, and the  $e^{i\omega 0^+}$  factor or the small time displacement is embedded into the definition of G.

The necessity of this  $e^{i\omega 0^+}$  factor can also be seen by explicitly doing the integration: when t=0, if we ignore the  $e^{i\omega 0^+}$  factor, we get

$$\int \frac{\mathrm{d}\omega}{2\pi} \frac{\mathrm{i}}{\omega - \xi_{\mathbf{k}} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{\mathbf{k}})}.$$

This integral is not zero, but we want it to be zero when  $\xi_k > 0$ , so we have to add a  $e^{i\omega 0^+}$  factor to make the integrand approaches zero quickly enough in the upper plane, so we can construct an integration contour in the upper plane, in which there is no pole, and

$$\int_{|\omega|=R\gg 1} e^{\mathrm{i}\omega 0^{+}} \frac{\mathrm{d}\omega}{2\pi} \frac{\mathrm{i}}{\omega - \xi_{\mathbf{k}} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{\mathbf{k}})} = 0.$$

Note that an interaction line should also receive the same mini-regularization outlined for Green functions, because it's obtained by integrating out some intermediate states. For bare Coulomb interaction this is not needed, because we don't have  $\omega$  dependence in the potential, and it makes no sense to discuss the poles when we change  $\omega$ . It does make sense to talk about retardation in the relativistic origin of Coulomb interaction: the Coulomb interaction is mediated by virtual photons, and is therefore proportional to the off-shell (i.e.  $\omega \to 0$ ) limit of the photon propagator, which has  $\omega^2 - q^2 + \mathrm{i}0^+$  as the denominator, and we get

$$V(q) = \frac{4\pi e^2}{q^2 - \omega^2 - i0^+}.$$
 (1.16)

Also, for screened Coulomb interaction, the correct retardation is important, because now something looking like (1.16) appears again.

The 1<sup>+</sup> in  $\Sigma(1,2) = iW(1^+,2)G(1,2)$  seems to be from the infinitesimal in the electronic Green function instead of the infinitesimal in the Coulomb interaction line (§ 4.1.2).

## 1.2.2 The expression of $\Sigma$ and W

In this section I only consider how many imaginary units there are in front of Green functions, self energies, etc. Normalization factors like  $2\pi$  or V involved in summation of  $\mathbf{r}$  or  $\mathbf{k}$  are not considered.

The self-energy correction is visualized as the follows:

and from it we have

$$iG = iG_0 + iG_0iG \times$$

It's then a good idea to define

$$-i\Sigma = \qquad , \qquad (1.18)$$

because in this case, we have

$$G = G_0 + GG_0\Sigma, \tag{1.19}$$

and therefore

$$\underbrace{\omega - \xi_{\mathbf{k}}^{0}}_{1/G_0} = \underbrace{\omega - \xi_{\mathbf{k}}}_{1/G} + \Sigma, \tag{1.20}$$

which agrees with the definition of the self energy as the shift of single-particle energy from the free dispersion.

It should be noted that the derivations above are mainly about how to set the position of i correctly: I left the  $e^{i\omega 0^+}$  factor (which can be found in (1.15)) out. After taking these factors into account, we find (1.19) becomes

$$e^{i\omega 0^{+}}iG = e^{i\omega 0^{+}}iG_{0} + e^{i\omega 0^{+}}iG_{0} \times$$

$$\times e^{i\omega 0^{+}}iG.$$
(1.21)

We can eliminate the common  $ie^{i\omega 0^+}$  factor (note that the magnitude of  $0^+$  doesn't matter, so a finite product of  $e^{i\omega 0^+}$  collapses into a single  $e^{i\omega 0^+}$ ), and thus we get (1.18) again; but note that for the same "collapse of finite product of  $e^{i\omega 0^+}$ " reason outlined above, the  $e^{i\omega 0^+}$  factor in the RHS of (1.18), if any, can also be removed.

Similarly, we define the corrected interaction line as

$$-iW = \begin{cases} & & \\ & \\ & \end{cases} , \qquad (1.22)$$

because in this way, when there is no interaction corrections, we have

$$W = \frac{e^2}{r} =: v. \tag{1.23}$$

## 1.2.3 About "antiparticles"

The directions of momentum lines indicate whether the particles are created or annihilated. When the momentum arrow goes against the arrow on a line, we say this line is an antiparticle line. But here is a puzzle: we know there is no such thing as positrons in condensed matter physics, so what does "antiparticle" mean?

Here the problem lies on what it means to be the antiparticle of a kind of particle. In particle physics, when we do the particle-antiparticle transformation to an electron state whose polarization is one of the Dirac basis, a  $\psi^+$  particle is flipped into a  $\psi^-$  particle and vice versa. In condensed matter physics, the label of  $\psi^+$  and  $\psi^-$  (or  $\phi$  and  $\chi$  as people often call them:  $\psi = (\phi, \chi)$ ) is no longer there: the  $\chi$  modes in the Dirac field have already been integrated out. So electrons in condensed matter physics don't really have antiparticles in the context of high energy physics.

Indeed, if we are still dealing with scattering problems in the non-relativistic limit, the antiparticle lines don't appear at all! And similar to the case in QED (which can be checked in Peskin (A.6)), no separate momentum arrows parallel to the internal lines are needed: When calculating the propagator, the processes of both "an electron traveling forward" and "a hole traveling backward" are automatically covered together.

The antiparticle lines only appear when there are electrons in the ground state, which usually indicates there is a  $-\mu N$  term in the Hamiltonian so having some preexisting electrons lower the energy further, and this differs with the scattering case only in the rules pertaining to the external lines. For external lines, we now have diagrams like the following:



because now it's possible to annihilate a preexisting electron in the ground state, but for internal lines, momentum labels can still be directly attached to the internal lines. This can be also seen by reckoning how Feynman rules are derived: the series we obtain by expanding  $e^{-iHt}$  contains field operators, not single creation or annihilation operators, and after Wick expansion, the correlation functions we get are all like  $\langle \bar{\psi}\psi \rangle$ , and of course an annihilation operator appearing in the expression of the out state in terms of the ground state can be contracted with a creative

operator in  $e^{-iHt}$ , and this is visualized as an "antiparticle" external line with an outward momentum line. So here, the "particle-antiparticle transformation" is just swapping  $c_{\mathbf{k}}$  and  $c_{\mathbf{k}}^{\dagger}$  – this operation is still legit in condensed matter physics, because it doesn't involve the  $\chi$  field; of course, the operation doesn't create that kind of antiparticle in high energy physics.

No real modification happens to the propagator when there are electrons in the ground state. We have

$$\int_{-\infty}^{\infty} e^{i\omega t} dt \, \mathcal{T} \, \langle c_{\mathbf{k}}(t)c^{\dagger}(0)\rangle = \frac{i}{\omega - \epsilon_{\mathbf{k}} + \mu}, \qquad (1.24)$$

which can be straightforwardly obtained by looking at

$$H = \sum_{\mathbf{k}} \epsilon_{\mathbf{k}} c_{\mathbf{k}}^{\dagger} c_{\mathbf{k}} - \mu N \tag{1.25}$$

without doing any calculation.

Now we have to face the tough question: if antiparticle lines are there when there is a Fermi ball in the ground state, then why poles corresponding to antiparticles (whatever they are) are absent in the propagator? The answer is, for a k on an antiparticle line appearing in diagrams, the corresponding pole can indeed be understood as a pole of an antiparticle: for an antiparticle line with momentum k, k has to be under the Fermi surface in the ground state, so  $\omega_k = \epsilon_k - \mu < 0$ , and the point  $\omega = \omega_k$  thus may be understood as an antiparticle pole. But here is a rather strong antisymmetry between particles and antiparticles: in external lines, when particles appear (k over Fermi surface), antiparticles never appear; when antiparticles appear (k below Fermi surface), particles never appear. The spectrum of electrons is split into two halves: for the part over the Fermi surface, only particles are visible, while for the part below the Fermi surface, only antiparticles are visible.

This means we can do away with antiparticle lines. By defining

$$b_{\mathbf{k}} = \begin{cases} c_{\mathbf{k}}, & \epsilon_{\mathbf{k}} > \mu, \\ c_{\mathbf{k}}^{\dagger}, & \epsilon_{\mathbf{k}} < \mu, \end{cases}$$
 (1.26)

for  $\epsilon_{\mathbf{k}} < \mu$ , we have

$$\int_{-\infty}^{\infty} e^{i\omega t} dt \, \mathcal{T} \, \langle b_{\mathbf{k}}(t)b^{\dagger}(0)\rangle = \frac{i}{\omega - \mu + \epsilon_{\mathbf{k}}}, \tag{1.27}$$

and now all poles have positive energies. It's also easy to replace c operators in all interaction vertices with b operators, so now, in the theory in terms of b operators, there is no antiparticle poles or Feynman diagrammatic antiparticle lines. Indeed, b operators give the true free excitation spectrum in a system with a non-zero chemical potential.

For  $\epsilon_{k} < \mu$ ,  $b_{k}^{\dagger}$  is said to *create* a **hole**. The energy of a hole is still positive: the energy of a state with a hole with momentum k is

$$\sum_{\mathbf{k}' \neq \mathbf{k}, \epsilon_{\mathbf{k}'} < \mu} \epsilon_{\mathbf{k}'} - \mu(N-1),$$

and compared with the ground state, the energy of the hole is

$$E = \sum_{\mathbf{k'} \neq \mathbf{k}, \epsilon_{\mathbf{k'}} < \mu} \epsilon_{\mathbf{k'}} - \mu(N - 1) - \left(\sum_{\epsilon_{\mathbf{k'}} < \mu} \epsilon_{\mathbf{k'}} - \mu N\right)$$
$$= \mu - \epsilon_{\mathbf{k}} > 0.$$
 (1.28)

So, we may say a hole is the antiparticle of an electron, but when we talk about the former, the latter is just a part of the background. Unlike the case in particle physics, where the electron and the positron are definitely two things, the hole and the electron are basically two representations of the same thing. (But this doesn't make talking about "annihilation between an electron and a hole" nonsense, because in an annihilation-between-electron-and-hole process, the n and k numbers of the electron and the hole are different, so there is no problem of double counting the same mode in two representations, etc.) Once we choose the picture in which there are holes, the electron modes corresponding to the holes should be be considered.

### 1.2.4 The direction of momentum on the interaction line

#### Box 1.1: Convention when defining Fourier transformation

In this note, when we define the Fourier transformation for a function, we always do the integral over the *variable name*. That's to say, since we have

$$W(\omega) = \int \mathrm{d}t \,\mathrm{e}^{\mathrm{i}\omega t} W(t),$$

the Fourier integral of W(-t) is

$$\int dt \, e^{i\omega t} W(-t).$$

Thus, we can say "changing t to -t means changing  $\omega$  to  $-\omega$ ". This convention makes doing actual calculation easier.

What is demonstrated in the last section, essentially, is "changing the direction of momentum line attached to a propagator in a diagram doesn't create a new diagram". The same works for the bare interaction line: changing the 4-momentum from p to -p doesn't create a new diagram. Thus, the two diagrams below are actually *one* diagram, and only one of them should be calculated, or otherwise we have double counting:



If we write down the expressions of these diagrams, we get

$$\int \frac{\mathrm{d}^4 p'}{(2\pi)^4} G(p+p') W(p'),$$

and

$$\int \frac{\mathrm{d}^4 p'}{(2\pi)^4} G(p - p') W(p') = \int \frac{\mathrm{d}^4 p'}{(2\pi)^4} G(p + p') W(-p').$$

To make the two diagrams equal to each other, what we need is W(p) = W(-p)...or do we? It should be noted that if we replace  $W(\mathbf{p}, \omega)$  with  $W(-\mathbf{p}, -\omega)$ , the physical rules of the system always remains the same, as long as we have translational symmetries for time and space (if  $\mathbf{p}$  is a lattice momentum, then we only need translational symmetry for the lattice). This is not due to the time reversal symmetry! Instead, this is due to the fact that  $W(\mathbf{p}, \omega)$  only makes sense in

$$S_{\text{int}} = \sum_{p_1, p_2, q} c_{p_1+q}^{\dagger} c_{p_2-q}^{\dagger} W(q) c_{p_2} c_{p_1}.$$

By manipulating the variables, we easily find

$$S_{\text{int}} = \sum_{p_1, p_2, q} c^{\dagger}_{p_1 - q} c^{\dagger}_{p_2 + q} W(-q) c_{p_2} c_{p_1}$$

$$= \sum_{p_1, p_2, q} c^{\dagger}_{p_2 + q} c^{\dagger}_{p_1 - q} W(-q) c_{p_1} c_{p_2}$$

$$= \sum_{p_1, p_2, q} c^{\dagger}_{p_1 + q} c^{\dagger}_{p_2 - q} W(-q) c_{p_2} c_{p_1},$$

where in the first line, we change q into -q, and in the second line, we swap the order of the operators, and get a  $(-1)^2 = 1$  factor, and in the third line, we swap the dummy variables  $p_1$  and  $p_2$ . Thus we can see W(q), although not necessarily equal to W(-q), is always equivalent to W(-q). W(q) = W(-q) is of course true for the unscreened Coulomb interaction, and this directionless feature eventually originates from the directionless feature of the photon propagator; but it doesn't have to be true if we want to replace W(q) with W(-q): indeed, this means if  $W(q) \neq W(-q)$ , maybe it's a good idea to symmetrize W(q).

Some additional comments are needed when we put the time variable in the frequency space but keep the spatial coordinates in the real space. The W(q)-equivalent-to-W(-q) conclusion now is that  $W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  equals to  $W(\mathbf{r}', \mathbf{r}, -\omega)$ . We don't need to add a minus sign to  $\mathbf{r}$  or  $\mathbf{r}'$ , but we need to swap them, so that

$$\int d^3 \boldsymbol{r} e^{-i\boldsymbol{p}\cdot(\boldsymbol{r}-\boldsymbol{r}')} W(\boldsymbol{r}',\boldsymbol{r},-\omega) = W(-\boldsymbol{p},-\omega),$$

while

$$\int d^3 \mathbf{r} e^{-i\mathbf{p}\cdot(\mathbf{r}-\mathbf{r}')} W(\mathbf{r},\mathbf{r}',\omega) = W(\mathbf{p},\omega).$$

The question, then, is what corresponds to the time reversal symmetric. Although the time reversal operation doesn't change  $\mathbf{r}$  and t, it changes the *order* of the coordinates: thus,  $W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  equals  $W(\mathbf{r}', \mathbf{r}, \omega)$ . Note that time reversal

symmetry doesn't change  $\omega$ , if we swaps  $\boldsymbol{r}$  and  $\boldsymbol{r}'$ : this can be explicitly verified for the Green function. We have

$$\psi(\boldsymbol{x},t) \xrightarrow{T} i\psi^{\dagger}(\boldsymbol{x},-t),$$
 (1.29)

and therefore

$$\mathcal{T} \langle \psi(\boldsymbol{x}, t) \psi^{\dagger}(\boldsymbol{x}', 0) \rangle \xrightarrow{T} \mathcal{T} \langle i \psi^{\dagger}(\boldsymbol{x}, -t) i \psi(\boldsymbol{x}', 0) \rangle$$

$$= -\mathcal{T} \langle \psi^{\dagger}(\boldsymbol{x}, -t) \psi(\boldsymbol{x}', 0) \rangle$$

$$= \mathcal{T} \langle \psi(\boldsymbol{x}', 0) \psi^{\dagger}(\boldsymbol{x}, -t) \rangle.$$
(1.30)

When the time translational symmetry is present, the last line becomes  $\mathcal{T} \langle \psi(\boldsymbol{x}',t)\psi^{\dagger}(\boldsymbol{x},0)\rangle$ . This can be explained quite intuitively: after time reversal operation, a process in which the electron moves from  $\boldsymbol{x}'$  to  $\boldsymbol{x}$  becomes a process in which the electron from  $\boldsymbol{x}$  to  $\boldsymbol{x}'$ , costing exactly the same amount of time. Thus after time reversal operation, we need to replace  $G(\boldsymbol{x},t;\boldsymbol{x}',0)$  with  $G(\boldsymbol{x}',t;\boldsymbol{x},0)$ , and therefore we need to replace  $G(\boldsymbol{r},\boldsymbol{r}',\omega)$  with  $G(\boldsymbol{r}',\boldsymbol{r},\omega)$ .

You may ask: so why can't we just replace t with -t? We can, actually: but now we *shouldn't* change the order of  $\mathbf{r}$  and  $\mathbf{r}'$ ! Let's have a look at what it means to change t to -t:

$$W(\mathbf{r}, t; \mathbf{r}', 0) \xrightarrow{t \to -t} W(\mathbf{r}, -t; \mathbf{r}', 0)$$

$$\simeq W(\mathbf{r}', 0; \mathbf{r}, -t)$$

$$= W(\mathbf{r}', t; \mathbf{r}, 0).$$

The second line comes from the aforementioned fact that the initial and end labels in W can be swapped, which may change the value but doesn't influence the final result; the third line comes from time translational symmetry. So we see keeping  $\mathbf{r}$  and  $\mathbf{r}'$  untouched and changing t to -t is equivalent to keeping t untouched and swap  $\mathbf{r}$  and  $\mathbf{r}'$ . Both representations of the time reversal operation are good: but remember only to do one of them – don't do both of them!

In the  $(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  representation, if we take the first representation of the time reversal operation, we have

$$W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) \xrightarrow{T} W(\mathbf{r}', \mathbf{r}, \omega),$$
 (1.31)

while if we take the second representation, we get

$$W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) \xrightarrow{T} W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', -\omega).$$
 (1.32)

Note that  $W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  is always equivalent to  $W(\mathbf{r}', \mathbf{r}, -\omega)$ , but the former is only equivalent to  $W(\mathbf{r}', \mathbf{r}, \omega)$  when we have time reversal symmetry.

The above discussion is about a time reversal symmetry in a single term in the interaction Hamiltonian. It's possible to have a term that doesn't have time reversal symmetry in  $H_{\text{int}}$ , but then the complex conjugate of the aforementioned complex term appears in another diagram, and changing the direction of the momentum line merely swaps two diagrams.

# 1.3 "Quantitative" Feynman rules

The above discussions are all pretty loose; in this section I will deal with Feynman diagrams more "quantitatively" and rigorously.

## 1.3.1 In the free space

The Coulomb interaction Hamiltonian, in the momentum space, is

$$H_{\text{e-e}} = \frac{1}{2} \sum_{\{\boldsymbol{k}_i\}, \{\sigma_i\}} \int d^3 \boldsymbol{r} \int d^3 \boldsymbol{r}' \left\langle \boldsymbol{k}_1 \sigma_1, \boldsymbol{k}_2 \sigma_2 \middle| \frac{e^2}{|\boldsymbol{r} - \boldsymbol{r}'|} \middle| \boldsymbol{k}_3 \sigma_2, \boldsymbol{k}_4 \sigma_4 \right\rangle c_{\boldsymbol{k}_1 \sigma_1}^{\dagger} c_{\boldsymbol{k}_2 \sigma_2}^{\dagger} c_{\boldsymbol{k}_3 \sigma_3} c_{\boldsymbol{k}_4 \sigma_4}.$$
(1.33)

By definition (if you are unsure about how  $k_i$ 's correspond to r and r', rewrite everything in terms of creation and annihilation operators) we have

$$\left\langle \mathbf{k}_{1}\sigma_{1}, \mathbf{k}_{2}\sigma_{2} \middle| \frac{e^{2}}{|\mathbf{r} - \mathbf{r}'|} \middle| \mathbf{k}_{3}\sigma_{3}, \mathbf{k}_{4}\sigma_{4} \right\rangle$$

$$= \frac{e^{-i\mathbf{k}_{1}\cdot\mathbf{r}}}{\sqrt{V}} \frac{e^{-i\mathbf{k}_{2}\cdot\mathbf{r}'}}{|\mathbf{r} - \mathbf{r}'|} \frac{e^{2}}{|\mathbf{r} - \mathbf{r}'|} \frac{e^{i\mathbf{k}_{3}\cdot\mathbf{r}'}}{\sqrt{V}} \frac{e^{i\mathbf{k}_{4}\cdot\mathbf{r}}}{\sqrt{V}} \delta_{\sigma_{2}\sigma_{3}}\delta_{\sigma_{1}\sigma_{4}},$$

and then we need to integrate over r and r'. By redefining the variables, we have

$$\int d^{3}\boldsymbol{r} \int d^{3}\boldsymbol{r}' \left\langle \boldsymbol{k}_{1}\sigma_{1}, \boldsymbol{k}_{2}\sigma_{2} \middle| \frac{e^{2}}{|\boldsymbol{r} - \boldsymbol{r}'|} \middle| \boldsymbol{k}_{3}\sigma_{2}, \boldsymbol{k}_{4}\sigma_{4} \right\rangle$$

$$= \frac{1}{V^{2}} \delta_{\sigma_{2}\sigma_{3}} \delta_{\sigma_{1}\sigma_{4}} \int d^{3}\boldsymbol{r} \int d^{3}\boldsymbol{r}' e^{-i(\boldsymbol{k}_{1} + \boldsymbol{k}_{2} - \boldsymbol{k}_{3} - \boldsymbol{k}_{4}) \cdot \boldsymbol{r}'} e^{-i(\boldsymbol{k}_{1} - \boldsymbol{k}_{4}) \cdot (\boldsymbol{r} - \boldsymbol{r}')} \frac{e^{2}}{|\boldsymbol{r} - \boldsymbol{r}'|}$$

$$= \frac{1}{V} \delta_{\sigma_{2}\sigma_{3}} \delta_{\sigma_{1}\sigma_{4}} \cdot \delta_{\boldsymbol{k}_{1} + \boldsymbol{k}_{2}, \boldsymbol{k}_{3} + \boldsymbol{k}_{4}} \int d^{3}\boldsymbol{r} e^{-i(\boldsymbol{k}_{1} - \boldsymbol{k}_{4}) \cdot \boldsymbol{r}} \frac{e^{2}}{|\boldsymbol{r}|}.$$

We can define

$$q = k_1 - k_4 = k_3 - k_2, (1.34)$$

and we find

$$H = \frac{1}{2V} \sum_{\mathbf{k}, \mathbf{k}', \mathbf{q}, \sigma, \sigma'} c_{\mathbf{k}+\mathbf{q}, \sigma}^{\dagger} c_{\mathbf{k}'-\mathbf{q}, \sigma'}^{\dagger} V(\mathbf{q}) c_{\mathbf{k}'\sigma'} c_{\mathbf{k}\sigma}, \tag{1.35}$$

where

$$V(\boldsymbol{q}) = \int d^3 \boldsymbol{r} \, e^{-i\boldsymbol{q}\cdot\boldsymbol{r}} \underbrace{\frac{e^2}{|\boldsymbol{r}|}}_{V(\boldsymbol{r})} = \frac{4\pi e^2}{\boldsymbol{q}^2}.$$
 (1.36)

Note that the above formula can be generalized: we can change  $V(\mathbf{r})$ , and still get the momentum space Hamiltonian with the same shape of (1.35).

What's the Feynman rules corresponding to the TODO: n interaction line  $\Rightarrow$  n independent momenta, not all of which are on Coulomb interaction lines

TODO: the  $V \to \infty$  limit.

# 1.3.2 In a crystal

There are several things that need attention concerning Feynman rules in condensed physics:

- The propagator is no longer  $1/(\omega \mathbf{k}^2/2m)$ , but  $\propto \sum_{\mathbf{k}} \psi_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r}) \psi_{n\mathbf{k}}^*(\mathbf{r}')/(\omega \xi_{n\mathbf{k}})$ ;
- Usually we limit all momenta to the first Brillouin zone (1BZ), and therefore a sum over an unbounded momentum variable k or q has to be recast into  $\sum_{G} \sum_{k} f(k+G)$ .

Below I describe a set of Feynman rules that are compatible with the notation in [18]. Note that there is no controversy over normalization in the real space Feynman diagrams: although the inner structure of G(1,2) has changed in the presence of the crystal potential, its relation with other diagrammatic components as abstract entities is never changed. Thus, starting from the space-in-real-space-and-time-in-frequency-space formalism may be a good idea: the free-space momentum formalism however is an important reference for normalization constants. In the space-in-real-space-and-time-in-frequency-space formalism, in a diagram containing n Coulomb interaction lines, the variables summed over are n frequency variables, and 2n space variables, and we just need to do

$$\int \frac{d\omega_1}{2\pi} \cdots \int \frac{d\omega_n}{2\pi} \int d^3 \boldsymbol{r}_1 \cdots \int d^3 \boldsymbol{r}_{2n}.$$
 (1.37)

We choose a normalization scheme for  $\psi_{n\mathbf{k}}$  such that

$$c_{n\mathbf{k}}^{\dagger} = \int d^{3}\mathbf{r} \underbrace{e^{i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}}u_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r})}_{\psi_{n\mathbf{k}}} \psi^{\dagger}(\mathbf{r}), \quad \{c_{n\mathbf{k}}, c_{n'\mathbf{k}'}^{\dagger}\} = \delta_{nn'}\delta_{\mathbf{k}\mathbf{k}'}, \quad (1.38)$$

where  $\psi^{\dagger}(\mathbf{r})$  is the complex conjugate of the non-relativistic electron field operator. This leads to the normalization condition

$$\int d^3 \boldsymbol{r} \, \psi_{n\boldsymbol{k}}^*(\boldsymbol{r}) \psi_{n'\boldsymbol{k}'}(\boldsymbol{r}) = \delta_{nn'} \delta_{\boldsymbol{k}\boldsymbol{k}'}, \qquad (1.39)$$

and

$$G^{0}(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) = \sum_{n,\mathbf{k}} \frac{\psi_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r})\psi_{n\mathbf{k}}^{*}(\mathbf{r}')}{\omega - \xi_{n\mathbf{k}} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\omega)}.$$
 (1.40)

In the free-electron case, we expect

$$\psi_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r}) = \frac{1}{\sqrt{V}} e^{i(\mathbf{k} + \mathbf{G}_n) \cdot \mathbf{r}}.$$
 (1.41)

This normalization scheme is used in this note, because it makes the anti-commutation algebra of creation and annihilation operators the simplest. Therefore (note that the only possibility for  $G_n + k$  to be equal to  $G_{n'} + k'$  is for  $G_n$  to be  $G_{n'}$  and K to be K')

LHS of (1.39) = 
$$\frac{1}{V} \int d^3 \boldsymbol{r} e^{i \boldsymbol{r} (-\boldsymbol{G}_n - \boldsymbol{k} + \boldsymbol{G}_{n'} + \boldsymbol{k'})} = \frac{1}{V} V \delta_{\boldsymbol{G}_n + \boldsymbol{k}, \boldsymbol{G}_{n'} + \boldsymbol{k'}} = \delta_{nn'} \delta_{\boldsymbol{k}\boldsymbol{k'}},$$

and

RHS of (1.40) = 
$$\frac{1}{V} \sum_{n,k} e^{i(\mathbf{k} + \mathbf{G}_n) \cdot (\mathbf{r} - \mathbf{r}')} = \frac{1}{V} \sum_{\text{unbounded } \mathbf{k}} e^{i\mathbf{k} \cdot (\mathbf{r} - \mathbf{r}')}$$
  
=  $\int \frac{d^3 \mathbf{k}}{(2\pi)^3} e^{i\mathbf{k} \cdot (\mathbf{r} - \mathbf{r}')} =: \text{LHS of } (1.40),$ 

so (1.39) and (1.40) go back to the free-space case.

Now we consider what happens when we encounter a Coulomb interaction line. The structure in which a Coulomb interaction line is connected to four electron lines gives rise to the following factor in the interpretation of the diagram:

$$M = \int d^3 \mathbf{r} \int d^3 \mathbf{r}' i G(\mathbf{r}_4, \mathbf{r}, \omega_1) i G(\mathbf{r}_3, \mathbf{r}', \omega_2) i G(\mathbf{r}', \mathbf{r}_2, \omega_3) i G(\mathbf{r}, \mathbf{r}_1, \omega_4) (-i) v(\mathbf{r} - \mathbf{r}').$$
(1.42)

Note that here  $\omega_4$  is just a shorthand of  $\omega_1 + \omega_2 - \omega_3$  and this condition is *not* imposed by a  $\delta$ -function factor according to the rules listed above for the free-space case (if we want to make this expression really symmetric, we should add a  $2\pi\delta(\sum\omega)$  factor, and let, say,  $\int d\omega_4/2\pi$  explicitly impose the energy conservation condition for us). Inserting (1.40) into the above expression, and using the definition

$$v(\mathbf{r} - \mathbf{r}') = \int \frac{\mathrm{d}^3 \mathbf{p}}{(2\pi)^3} \mathrm{e}^{\mathrm{i}\mathbf{p}\cdot(\mathbf{r} - \mathbf{r}')} v(\mathbf{p}), \tag{1.43}$$

we have

$$M = \psi_{4}(\boldsymbol{r}_{4})\psi_{3}(\boldsymbol{r}_{3})\psi_{2}^{*}(\boldsymbol{r}_{2})\psi_{1}^{*}(\boldsymbol{r}_{1})$$

$$\times \int \frac{\mathrm{d}^{3}\boldsymbol{q}}{(2\pi)^{3}} \sum_{1,2,3,4} \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{4} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{1})} \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{3} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{2})}$$

$$\times \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{2} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{3})} \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{1} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{4})}$$

$$\times \int \mathrm{d}^{3}\boldsymbol{r} \, \psi_{4}^{*}(\boldsymbol{r})\psi_{1}(\boldsymbol{r}) \mathrm{e}^{\mathrm{i}\boldsymbol{q}\cdot\boldsymbol{r}} \int \mathrm{d}^{3}\boldsymbol{r}' \, \psi_{3}^{*}(\boldsymbol{r}')\psi_{2}(\boldsymbol{r}') \mathrm{e}^{-\mathrm{i}\boldsymbol{q}\cdot\boldsymbol{r}'} v(\boldsymbol{q}),$$

$$(1.44)$$

where the label 1, 2, etc. mean  $(n_1, \mathbf{k}_1), (n_2, \mathbf{k}_2)$ , etc., which doesn't contain  $\omega$  variables. Since V is always large enough, we have

$$\int \frac{\mathrm{d}^3 \mathbf{q}}{(2\pi)^3} = \frac{1}{V} \sum_{\mathbf{G}} \sum_{\mathbf{q}},$$

and eventually we get

$$M = \psi_{4}(\mathbf{r}_{4})\psi_{3}(\mathbf{r}_{3})\psi_{2}^{*}(\mathbf{r}_{2})\psi_{1}^{*}(\mathbf{r}_{1})$$

$$\times \frac{1}{V} \sum_{\mathbf{G}} \sum_{\mathbf{q}} \sum_{1,2,3,4} \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{4} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{1})} \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{3} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{2})}$$

$$\times \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{2} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{3})} \frac{\mathrm{i}}{\omega_{1} - \xi_{1} + \mathrm{i}0^{+} \operatorname{sgn}(\omega_{4})}$$

$$\times \langle 4|\mathrm{e}^{\mathrm{i}(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}}|1\rangle \langle 3|\mathrm{e}^{-\mathrm{i}(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}}|2\rangle v(\mathbf{q}+\mathbf{G}).$$
(1.45)

The structure of this expression reveals the Feynman rules for a crystal:

- For each external electron line, according to its direction, write down  $\psi(\mathbf{r})$  (outgoing) or  $\psi^*(\mathbf{r})$  (incoming).
- For each inner electron line, i.e. propagator, write down

$$\xrightarrow{n,k} = \frac{i}{\omega - \xi_{n\mathbf{k}} + i0^+ \operatorname{sgn}(\omega)} =: iG_{n\mathbf{k}}^0(\omega), \qquad (1.46)$$

where  $k = (\omega, \mathbf{k})$ .

• For each Coulomb interaction line, write

$$q, \mathbf{G} = -i\frac{1}{V}v(\mathbf{q} + \mathbf{G})$$
 (1.47)

When an interaction line appears, enforce the momentum and energy conservation laws by hand. That's so say, when you see



we need to replace  $k_4$  by  $k_1 + k_2 - k_3$  manually: we just do a find-and-replace operation in the interpretation of this diagram. We *don't* integrate over  $k_4$ :  $k_4$  has already been replaced in every part of the interpretation of this diagram and is not an integration variable.

• For each vertex – here I mean the two-electron-line-one-dotted-line structure, not the four-electron-line structure (i.e. not the diagrammatic component corresponding to  $H_{\text{int}}$ ), we write  $\langle \text{out} | e^{\pm i \mathbf{r} \cdot (\mathbf{q} + \mathbf{G})} | \text{in} \rangle$ :

$$n', k \xrightarrow{q, \mathbf{G}} = \langle n, \mathbf{k} - \mathbf{q} | e^{-i(\mathbf{q} + \mathbf{G}) \cdot \mathbf{r}} | n' \mathbf{k} \rangle =: M_{n'n} (\mathbf{k} - \mathbf{q}, \mathbf{q}, \mathbf{G})^*, (1.48)$$

$$n, k - q$$

and

$$n', k$$

$$q, G$$

$$= \langle n, k + q | e^{i(q+G)\cdot r} | n'k \rangle =: M_{nn'}(k, q, G). \quad (1.49)$$

$$n, k + q$$

The sign is decided by the direction of  $\mathbf{q}$ . The direction of  $\mathbf{q}$  only matters when deciding the signs of momenta in momentum conservation: we don't sum over the two directions; thus, the above two Feynman rules are actually one rule, and this fact can be easily checked explicitly: (1.48), for example, can also be written as  $M_{nn'}(\mathbf{k}, -\mathbf{q}, -\mathbf{G})$ . The value of  $\mathbf{q}$  is determined by the values of free momentum variables; if  $\mathbf{q}$  is not selected as a free momentum variable, it shouldn't be integrated over. Here the normalization of the wave functions should be (1.39).

We can go further and rewrite  $M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G})$  in the  $\mathbf{G}$ -space, instead of the real space. It can be verified that under the following normalization

$$\psi_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r},\sigma) = e^{i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}} \cdot \underbrace{\frac{1}{\sqrt{V}} \sum_{\mathbf{G}} c_{n\mathbf{k}}(\mathbf{G},\sigma) e^{i\mathbf{G}\cdot\mathbf{r}}}_{u_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r},\sigma)},$$
(1.50)

we have

$$M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) = \sum_{\mathbf{G}', \sigma} c_{n, \mathbf{k} + \mathbf{q}}^*(\mathbf{G}', \sigma) c_{n'\mathbf{k}}(\mathbf{G}' - \mathbf{G}, \sigma).$$
(1.51)

The  $\langle \text{out} | e^{\pm i(q+G) \cdot r} | \text{in} \rangle$  are there to replace the real space integral

$$\int d^3 \boldsymbol{r} \int d^3 \boldsymbol{r}' \, \psi_m^*(\boldsymbol{r}) \psi_n^*(\boldsymbol{r}') \frac{e^2}{|\boldsymbol{r} - \boldsymbol{r}'|} \psi_r(\boldsymbol{r}') \psi_s(\boldsymbol{r}),$$

which incorporates the influence of the crystal potential field.

Now we compare the above Feynman rules with the momentum space Feynman rules in § 1.3.1. Note that here we distribute the space and time parts of  $(2\pi)^4$  differently: the space part,  $(2\pi)^3$ , becomes 1/V, because we replace  $\int d^3 \boldsymbol{q}$  by  $\sum_{\boldsymbol{G}} \sum_{\boldsymbol{q}}$ . Since there are n free momentum variables and n Coulomb interaction lines,

Since there are n free momentum variables and n Coulomb interaction lines, we can attribute the 1/V factor to the interaction line, and we can also attribute it to the sum over  $\mathbf{q}$ . In [18], the 1/V factor comes together with  $v(\mathbf{q} + \mathbf{G})$ . Indeed, they define

$$v(\mathbf{q} + \mathbf{G}) = \frac{4\pi e^2}{V|\mathbf{q} + \mathbf{G}|^2}.$$
 (1.52)

The time part,  $2\pi$ , now comes with integrations of  $\omega$ 's. Thus, a ring diagram should be interpreted as

$$\begin{array}{ccc}
n, k \\
& \cdots \\
m, q - k
\end{array} = \int \frac{d\omega}{2\pi} \sum_{m,n} iG_n^0(\mathbf{k}, \omega) iG_m^0(\mathbf{q} - \mathbf{k}, \omega_0 - \omega), \qquad (1.53)$$

where  $q = (\omega_0, \boldsymbol{q})$ .

Another way to make sense of the Feynman rules in this section is to write down the Coulomb interaction Hamiltonian in the crystal momentum representation before deriving Feynman rules. The interaction Hamiltonian – the Coulomb repulsion Hamiltonian – is

$$H = \sum_{1,2,3,4} c_4^{\dagger} c_3^{\dagger} H_{4321} c_2 c_1, \tag{1.54}$$

$$H_{4321} = \frac{1}{2} \int d^3 \mathbf{r} \int d^3 \mathbf{r}' \langle 4|\mathbf{r}\rangle \langle 3|\mathbf{r}'\rangle \langle \mathbf{r}'|2\rangle \langle \mathbf{r}|1\rangle v(\mathbf{r} - \mathbf{r}'), \qquad (1.55)$$

Now again invoking the Fourier transformation from  $v(\mathbf{r} - \mathbf{r}')$  to  $v(\mathbf{q})$ , and discretize the integration over  $\mathbf{q}$ , the 1/V factor appears again. The 1/2 prefactor is canceled in the same way it's canceled in the free-space case.

# 1.3.3 Diagrammatic components as tensors

Both the Coulomb interaction line and the band electron propagator line contains one discrete index. And there are actually two indices: for an interaction-corrected Coulomb line, the two edges of a W line can have different G vectors, as is clearly shown below:

$$q, G_1 \cdots q, G_2 \cdots q, G_3$$

For the renormalized electron Green function, the same applies.

Note that for a free-space electron, the band index label n is essentially  $G_n$ , but once the crystal potential and the self-energy is added, electrons can be scattered from one G to another. One may want to diagonalize the effective Hamiltonian, but now the band index after diagonalization no longer corresponds to the index of G vectors.

Thus, the G- and n-summations mentioned in § 1.3.2 can be recast into matrix forms:

$$\stackrel{k}{\longrightarrow} = iG_{\mathbf{k}}^{0}(\omega) := i[\delta_{nn'}G_{n\mathbf{k}}^{0}(\omega)]_{nn'}, \qquad (1.56)$$

$$q = -iv(q) := -i[\delta_{\mathbf{G}\mathbf{G}'}v(\mathbf{q} + \mathbf{G})]_{\mathbf{G}\mathbf{G}'}, \qquad (1.57)$$

and

$$k \longrightarrow q = M := [\langle n, \mathbf{k} + \mathbf{q} | e^{i(\mathbf{q} + \mathbf{G}) \cdot \mathbf{r}} | n' \mathbf{k} \rangle]_{nn'\mathbf{G}}, \qquad (1.58)$$

$$k \longrightarrow q$$

$$= M^* = [\langle n' \mathbf{k} | e^{-i(\mathbf{q} + \mathbf{G}) \cdot \mathbf{r}} | n, \mathbf{k} + \mathbf{q} \rangle]_{nn'\mathbf{G}}.$$

$$(1.59)$$

How to contract the indices can be done by following the standard quantum mechanic convention: the index of what happens later appears on the left side.

# 1.4 Quasiparticles

### 1.4.1 Overview

In the context of *ab initio* calculations, the term quasiparticle usually means renormalized band electrons and holes (which may also include things like polarons). Bosonic modes are just called "excitations". Non-electron-like fermionic modes like spinons are simply absent here because up to now, most *ab initio* techniques only work for weakly correlated systems, so this terminology creates no confusion.

In most *ab initio* tasks, we expect the single-electron Green function to look like a "broadened" version of the free electron Green function. In this case, since  $G \sim 1/E - H$ , we say H is the single quasiparticle Hamiltonian, and the poles of the single-electron Green function are said to reflect the dispersion curve  $\varepsilon_{nk}$  of quasiparticles. The correction to the  $\varepsilon_{nk}$  is the most salient influence of Coulomb repulsion.

This however doesn't mean the spectrum of the system *only* contains quasiparticles: for example, as is demonstrated in RPA of the empty-lattice model, we always have the plasmon mode besides quasiparticles; in insulators, the bound state of an electron and a hole is called an **exciton**, again something not a quasiparticle but a legit component of the system's spectrum.

Even for quasiparticles, the effective single-electron energy is still dependent to the particle number distribution, and quasiparticle states have finite lifetime – they are not eigenstates of the system, after all. It should be noted in the full quantum treatment of the system, even when T=0, we can still talk about damping: many-body wave functions containing a single quasiparticle are not strictly eigenstates of the system, so if we start with a single quasiparticle state, we will find that because of unitarity, probabilistic weight is "dissipated" into states we are not interested in or even can't describe. A physical picture is that quantum fluctuation makes scattering possible when T=0.

### Box 1.2: Quantum fluctuation

A more rigorous formulation of the idea is the follows: "quantum fluctuation" is a fancy word for "non-commuting terms in Hamiltonian". Each term has to be, of course, meaningful in a basis that has direct physical meaning: in the basis of the eigenstates of the total Hamiltonian, nothing is non-commutative; but in the basis of, say, Fock states, we have two terms in the total Hamiltonian, the single electron term and the Coulomb repulsion term, each of which has direct meaning but doesn't commute with the other. This non-commutation means an eigenstate of the system can never be a Fock state, but a mix of Fock states. Thus  $\langle \text{quasiparticle } n, \mathbf{k} | \text{ground state} \rangle \neq 1$ , and an initial state containing one quasiparticle always evolves away, and we say "quantum fluctuation enables scattering".

The **Fermi liquid theory** describes the behavior of these (semi-)well-defined, bare electron or hole-like quasiparticles, if any. TODO: derive the follows

$$E = \varepsilon_{n\mathbf{k}} n_{n\mathbf{k}} + f n n. \tag{1.60}$$

The relation between diagrammatic components and the  $\varepsilon$ , f functions are given in [16].

## 1.4.2 The single-electron Green function

When Coulomb interaction is turned off, the single-electron Green function

$$G(\mathbf{r}, t, \mathbf{r}', t') = \langle 0 | \psi(\mathbf{r}, t) \psi^{\dagger}(\mathbf{r}', t') | 0 \rangle \tag{1.61}$$

is just the Green function of the single-electron Schrodinger equation (i.e. the EOM of the electron field operator), and because of the equation (1.61), we can use the Green function as a time-evolution operator:

$$\psi(\mathbf{r},t) = \int d^3 \mathbf{r}' G(\mathbf{r}, \mathbf{r}', t, t') \psi(\mathbf{r}', t'). \tag{1.62}$$

(1.61) – commonly referred to as  $iG^>$  – is not the usual Green function used in § 1.2 and § 1.3, however, because it allows "evolution to the past". What is usually used is the time-ordered Green function

$$G_{\alpha\beta}(\mathbf{r}, t, \mathbf{r}', t') = -\mathrm{i} \langle \mathcal{T} \psi_{\alpha}(\mathbf{r}, t) \psi_{\beta}^{\dagger}(\mathbf{r}', t') \rangle.$$
 (1.63)

The presence of the time-ordering operator makes the Wick theorem true and thus the time ordered Green function appears in Feynman diagrams as propagators. This Green function makes it easy to manipulate the relative order of the two field operators by adding an infinitesimal part to t and t'. For example we are able to find the electron density expectation

$$\langle n(\boldsymbol{x})\rangle = -\mathrm{i}G(\boldsymbol{x}, t; \boldsymbol{x}, t^{+}). \tag{1.64}$$

Note that since the time-order operator is defined differently for bosons and fermions, when using infinitesimal part to control the relative order of the two field operators, we need to occasionally add a minus sign. For example, for bosons we have

$$\langle n(\boldsymbol{x}) \rangle = iG(\boldsymbol{x}, t; \boldsymbol{x}, t^{+}).$$
 (1.65)

We consider the operator version of the Wick theorem:

$$A_1 A_2 \cdots A_n =: A_1 A_2 \cdots A_n : + \sum_{i,j} \overrightarrow{A_i} \overrightarrow{A_j} : A_1 \cdots A_{i-1} A_{i+1} \cdots A_{j-1} A_{j+1} \cdots A_n : + \cdots,$$
(1.66)

where

$$\overrightarrow{A_i A_j} = A_i A_j - : A_i A_j : .$$
(1.67)

If all the  $A_i$  operators are creation and annihilation operators, and we are working with a non-interactive system, then at the ground state, the expectation values of normal ordered operators all vanish, and contraction (1.67) is a number and not an operator, and thus we find

$$\langle A_1 A_2 \cdots A_n \rangle = \begin{cases} 0, & \text{with odd } n, \\ \sum_{P} (-1)^P \overline{A_{i_1}} A_{i_2} \cdots \overline{A_{i_{n-1}}} A_{i_n}, & \text{with even } n, \end{cases}$$
 (1.68)

where P is the permutation used to map 1, 2, ..., n to  $i_1, ..., i_n$ . We can now apply the Wick theorem to a time ordered operator, and

The free electron Green function can be derived as follows: The ground state is the vacuum state and we have

$$G_{\mathbf{k}\sigma}^{(0)}(t-t') = -\mathrm{i} \langle 0 | \mathcal{T} c_{\mathbf{k}\sigma}(t) c_{\mathbf{k}\sigma}^{\dagger}(t') | 0 \rangle$$
  
=  $-\mathrm{i}\theta(t-t') \mathrm{e}^{-\mathrm{i}\varepsilon_{\mathbf{k}}(t-t')}.$  (1.69)

because when t < t', the time ordered operator in the bracket is  $c^{\dagger}c$ , and therefore vanishes after we take the expectation. Now we can do Fourier transform and get

$$G_{\mathbf{k}\sigma}^{(0)}(\omega) = \int_{-\infty}^{\infty} e^{\mathrm{i}(\omega + \mathrm{i}\eta)(t - t')} \cdot G_{\mathbf{k}\sigma}^{(0)}(t - t') \, \mathrm{d}t = \frac{1}{\omega - \varepsilon_{\mathbf{k}} + \mathrm{i}\eta},\tag{1.70}$$

where  $\eta$  is an infinitesimal quantity used to make the integral converge – here it should be  $0^+$ .

We can also work with a ground state containing a Fermi sea: in this case we have

$$G_{\sigma}^{(0)}(\boldsymbol{k}, t - t') = -\mathrm{i}\theta(t - t')\theta(k - k_{\mathrm{F}})\mathrm{e}^{-\mathrm{i}\varepsilon_{\boldsymbol{k}}(t - t')} + \mathrm{i}\theta(t' - t)\theta(k_{\mathrm{F}} - k)\mathrm{e}^{-\mathrm{i}\varepsilon_{\boldsymbol{k}}(t - t')}. \tag{1.71}$$

The second term, when applied Fourier transform, also requires a convergence factor but not it should be  $0^-$  because we are evolving backwards to  $-\infty$ . So in the end we get (note that the notation is changed for a form comparable to the notation in particle physics)

$$G_{\sigma}^{(0)}(\mathbf{k},\omega) = \frac{\theta(k-k_{\rm F})}{\omega - \varepsilon_{\mathbf{k}} + i0^{+}} + \frac{\theta(k_{\rm F} - k)}{\omega - \varepsilon_{\mathbf{k}} - i0^{+}}.$$
(1.72)

## 1.4.3 Spectral density

When the interaction is turned off, the electron spectrum can be obtained by

$$\rho(\mathbf{k}, \omega) = -\frac{1}{\pi} \operatorname{sgn}(k - k_{\mathrm{F}}) \operatorname{Im} G_{\sigma}(\mathbf{k}, \omega) = \delta(\omega - \xi_{\mathbf{k}}). \tag{1.73}$$

This means we can define

$$A_{\sigma}(\mathbf{k}, \omega) = -\frac{1}{\pi} \operatorname{sgn}(k - k_{\mathrm{F}}) \operatorname{Im} G_{\sigma}(\mathbf{k}, \omega)$$
(1.74)

even when the interaction is turned on; if what Coulomb interaction does is merely self-energy correction, we can capture the self-energy corrected dispersion relation; if we end up in a strongly corrected system, the fact that no clear peak can be identified in  $A_{\sigma}(\mathbf{k}, \sigma)$  gives us numerical evidence for that.

# 1.5 System of units

In the T=0 case, dimensionless quantities in condensed matter physics systems are

$$\frac{\hbar^2 \nabla^2}{2m_e} \frac{t}{\hbar}, \quad \frac{\hbar^2 \nabla^2}{2m_{\rm ion}} \frac{t}{\hbar}, \quad \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \frac{e^2}{r} \frac{t}{\hbar}, \quad \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \frac{eQ}{r} \frac{t}{\hbar}, \quad \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \frac{Q_1 Q_2}{r} \frac{t}{\hbar}. \tag{1.75}$$

Some factors in the above quantities may be assigned fixed values to define a unit system. The following quantities, if assigned with fixed values, define a system of units without creating conflicts:

- $\hbar$ , which appears in  $e^{-iHt/\hbar}$ . It decides the proportion between H and time evolution.
- $m_e$ , which is equivalent to the unit of mass and
- $e^2/4\pi\epsilon_0$ , which is the interactive coupling constant.
- e, which is used to report the charge density once the calculation is finished.

After defining these quantities, we find the rest of the quantities mentioned in (1.75) – time,  $m_{\rm ion}$ , nucleus charges – can all be determined. Thus choosing a set of the above quantities gives us a system of units.

The **Hartree atomic units** takes the following:  $\hbar = m_e = e = 4\pi\epsilon_0 = 1$ . The length unit under the atomic units is based on Bohr radius (which can be seen as obtained by comparing the first and the third quantities in (1.75)).

# Chapter 2

# Experimental characterization methods

# 2.1 Light-matter interaction

### 2.1.1 Interaction Hamiltonian

The non-relativistic minimal coupling is given by replacing  $\boldsymbol{p}$  with  $\boldsymbol{p}-q\boldsymbol{A}$ . For electrons in a local potential field  $V(\boldsymbol{r})$ , the Hamiltonian

$$H = \frac{(\boldsymbol{p} - q\boldsymbol{A})^2}{2m} + V(\boldsymbol{r}) = \frac{(\boldsymbol{p} + e\boldsymbol{A})^2}{2m} + V(\boldsymbol{r}), \tag{2.1}$$

and therefore the full light-matter interaction Hamiltonian is

$$H_{\text{light-matter}} = \frac{e\boldsymbol{p} \cdot \boldsymbol{A}}{m} + \frac{e^2 \boldsymbol{A}^2}{2m}.$$
 (2.2)

Usually, the double-photon process is ignored, and we get

$$H_{\text{light-matter}} = \frac{e\boldsymbol{p} \cdot \boldsymbol{A}}{m}.$$
 (2.3)

Note that here p is the original momentum operator, i.e.  $-i\nabla$ , and not the lattice momentum.

For pseudopotential calculations, as well as some self-energy methods, however, the potential field is no longer local. That's to say  $V(\mathbf{r}, \mathbf{r}')$  is not diagonal in the coordinate representation. If we stick to writing the Hamiltonian in  $(\mathbf{x}, \mathbf{p})$ , then essentially this means we have  $\mathbf{p}$  in V: the minimal coupling therefore changes V (and this is quite reasonable, since V includes the influence of inner electronic orbitals, which of course are also influenced by the external field), and now the light-matter interaction Hamiltonian contains infinite  $\mathbf{A}^n$  terms, and even the lowest term is not as simple as (2.3).

# 2.1.2 Dipole approximation

Fortunately, usually we only work with light fields that are weak enough, and even when we talk about nonlinear response, usually it comes from *multiple appearance* of the external field line in one Feynman diagram, instead of *multiple-photon* 

vertices. Moreover, usually the external field is smooth enough compared with the characteristic length of the system, i.e. lattice constants. This leads to the **dipole approximation**. The Hamiltonian is

$$H_{\text{light-matter}} = -\mathbf{d} \cdot \mathbf{E}. \tag{2.4}$$

It can be derived when the effect of the outside electromagnetic field is predominantly electrostatic, and the system in question is restricted to a relatively small region. With the above two approximations, we can attribute the light-matter interaction to

$$H_{\text{light-matter}} = q\varphi \approx \text{const} + q\mathbf{r} \cdot \nabla \varphi \simeq -\underbrace{q\mathbf{r}}_{\mathbf{d}} \cdot \mathbf{E} = e\mathbf{r} \cdot \mathbf{E}.$$
 (2.5)

Of course, when magnetic response of the system is important, we also need to add a magnetic dipole interaction term, etc.

The dipole approximation has another form

$$H_{\text{light-matter}} = e \boldsymbol{v} \cdot \boldsymbol{A}, \quad \boldsymbol{v} = \frac{1}{i\hbar} [\boldsymbol{r}, H]$$
 (2.6)

in radiation gauge  $\nabla \cdot \mathbf{A} = 0$ . This can be derived as follows. In (2.5), we attribute the electric field to  $\varphi$ , and assume  $\mathbf{A}$  is small (and thus the magnetic coupling can be ignored). But of course we can take the *radiational gauge* 

$$\varphi = 0, \quad \nabla \cdot \mathbf{A} = 0, \tag{2.7}$$

and this means

$$\boldsymbol{E} = -\frac{\partial \boldsymbol{A}}{\partial t}.\tag{2.8}$$

Note that this is valid only when the charges creating the electromagnetic field is not in the spatial region we are dealing with, or otherwise the two conditions conflict with each other: the  $\varphi = 0$  condition leads to (2.8), but (2.8) immediately leads to  $\frac{\partial}{\partial t} \nabla \cdot \boldsymbol{E} = 0$ , which generally doesn't hold if the source of the electric field is within the system in question; in condensed matter physics however this is definitely true, because the light source is always outside the sample. When the potential term is non-local, we can always rewrite  $V(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}')$  into  $V(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{p})$ , and with appropriate normal ordering, we have

$$\frac{\partial}{\partial \boldsymbol{p}}V(\boldsymbol{r},\boldsymbol{p}) = \frac{1}{\mathrm{i}\hbar}[\boldsymbol{r},V].$$

Therefore the single-body Hamiltonian after electromagnetic coupling is

$$H = \frac{(\mathbf{p} + e\mathbf{A})^2}{2m} + V(\mathbf{r}, \mathbf{p} + e\mathbf{A})$$

$$\approx H|_{\mathbf{A}=0} + e\mathbf{A} \cdot \frac{\partial H}{\partial \mathbf{p}}$$

$$= \frac{\mathbf{p}^2}{2m} + V(\mathbf{r}, \mathbf{p}) + e\mathbf{A} \cdot \dot{\mathbf{r}},$$

where

$$\dot{\boldsymbol{r}} = \boldsymbol{v} = \frac{1}{\mathrm{i}\hbar} [\boldsymbol{r}, H] = \frac{\boldsymbol{p}}{m} + \frac{1}{\mathrm{i}\hbar} \underbrace{[\boldsymbol{r}, V]}_{\neq 0}. \tag{2.9}$$

This is an illustration of why (2.3) itself doesn't suffice as the whole light-matter interaction Hamiltonian, even when the field is weak.

Still, in many cases the contribution of the non-local terms in the pseudopotential is small, and (2.3) is still a good approximation. In BerkeleyGW this is known as use\_momentum; the velocity-based, theoretically correct coupling Hamiltonian is known as use\_velocity.

### 2.2 The dielectric constant

### 2.2.1 Local field correction

Local field correction is often demonstrated by the Clausius-Mossotti relation or equivalently the Lorentz-Lorenz equation equation; this correction is absent in any component of the screening of the Coulomb interaction line; instead, it is to be found by integrating out microscopic *photon* modes, not any intrinsic degree of freedom in the condensed matter system.

Let's start with the most generalized theory. Suppose a rather smooth external electric field  $V(\mathbf{r})$  is applied to the material; since it's very smooth, we know that after doing Fourier transform on it and confining the momentum variable into the first Brillouin zone, we have

$$V(\mathbf{q}, \mathbf{G}) = V(\mathbf{q})\delta_{\mathbf{G}=0}, \tag{2.10}$$

as the wave vector  $\mathbf{q}$  is never out of the first Brillouin zone. In practice, this condition is satisfied even for soft X-ray. The screened potential, then, is

$$V^{\text{screened}}(\boldsymbol{q}, \boldsymbol{G}, \omega) = \sum_{\boldsymbol{G}'} \epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{-1}(\boldsymbol{q}, \omega) V(\boldsymbol{q}, \boldsymbol{G}') = \epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'=0}^{-1}(\boldsymbol{q}, \omega) V(\boldsymbol{q}). \tag{2.11}$$

Here in the symbol  $\epsilon_{GG'}^{-1}$  means to first take the inverse of  $\epsilon$  and then find its (G, G') matrix element. So now  $V^{\text{screened}}$  plays the role of E in the material, while V plays the role of D, since the latter is only about "free charges" i.e. charges from outside of the material. But in real experimental measurement what is measured is not  $V^{\text{screened}}(q, G, \omega)$ , but its smoothed version: since we are working with crystal systems, a natural cutoff is the first Brillouin zone, and thus only components with G = 0 contributes to the macroscopic value of  $V^{\text{screened}}$ . Thus we find that the macroscopic potential is

$$\bar{V}^{\text{screened}}(\boldsymbol{r},\omega) = \frac{1}{V} \sum_{\boldsymbol{q}} e^{i\boldsymbol{q}\cdot\boldsymbol{r}} V^{\text{screened}}(\boldsymbol{q},\boldsymbol{G}=0,\omega), 
\bar{V}^{\text{screened}}(\boldsymbol{q},\omega) = \int d^3\boldsymbol{r} e^{-i\boldsymbol{q}\cdot\boldsymbol{r}} \bar{V}^{\text{screened}}(\boldsymbol{r},\omega) = (\epsilon^{-1}(\boldsymbol{q},\omega))_{\boldsymbol{G}=0,\boldsymbol{G}'=0} V(\boldsymbol{q}).$$
(2.12)

Thus, the effective dielectric constant relating the screened potential and the unscreened potential is

$$\bar{\epsilon}(\boldsymbol{q},\omega) = \frac{1}{(\epsilon^{-1}(\boldsymbol{q},\omega))_{\boldsymbol{G}=0,\boldsymbol{G}'=0}}.$$
 (2.13)

Since we first take the inverse of  $\epsilon(\boldsymbol{q},\omega)$  and then take the (0,0) matrix element, in  $\bar{\epsilon}(\boldsymbol{q},\omega)$ , we have not only  $(\epsilon_{00}(\boldsymbol{q},\omega))^{-1}$  but also contributions from matrix elements

with higher G and G'. What we are actually doing here therefore is to integrate out photon modes with non-zero G vectors – or to be accurate, we are integrating over Coulomb interaction lines with non-zero G vectors. Recall that  $\epsilon = 1 - v\chi$ , and v is the bare Coulomb interaction, we find (2.13) indeed comes from the following diagrammatic resummation:

$$\frac{1}{\bar{\epsilon}} = \mathbf{G}' = 0 \qquad \chi \cdots \qquad \chi \qquad \mathbf{G} = 0$$

In an amorphous solid a similar procedure can be performed, but this time the momentum cutoff has to be introduced in a more arbitrary way, since we no longer have first Brillouin zones and hence G vectors.

The next question, then, is in which case we are able to go back to the Clausius-Mossotti relation. [26] says for tightly bound electrons and the cubic lattice, the relation always hold.

# 2.3 Absorption

## 2.3.1 Absorption rate and $\operatorname{Im} \epsilon_{\mathbf{r}}$

Absorption is usually modeled by the imaginary part of  $\epsilon$ , and it's usually calculated by Fermi golden rule. In this section, we assume the incident light has a determined wave length and polarization. The general form of  $\boldsymbol{A}$  is

$$\mathbf{A} = \sum_{\mathbf{k},\sigma} \sqrt{\frac{\hbar}{2\omega_{\mathbf{k}\sigma}\epsilon V}} (a_{\mathbf{k}\sigma}\hat{\mathbf{e}}_{\mathbf{k}\sigma}e^{i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}-i\omega_{\mathbf{k}\sigma}t} + \text{h.c.}), \tag{2.14}$$

and here we are only considering one k,  $\sigma$  mode; from then on we use q to refer to the momentum of the mode, and  $\omega$  becomes a shorthand for  $\omega_{k\sigma}$ . Similarly, n and  $\hat{e}$  mean  $n_{q\sigma}$  and  $\hat{e}_{q\sigma}$ . The reason for us to use a discrete momentum grid is that normalization is more convenient – and a numerical implementation of light-matter interaction of course is most easily carried out on a discrete momentum grid.

We do the usual real and imaginary refractive index decomposition

$$\sqrt{\epsilon_{\rm r}} = n + i\kappa, \tag{2.15}$$

and therefore

$$\epsilon_{\rm r} = n^2 - \kappa^2 + 2{\rm i}n\kappa. \tag{2.16}$$

A beam of light therefore propagates as

$$\mathbf{E} \propto e^{i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}} e^{-i\omega t} \propto e^{i(n+i\kappa)\frac{\omega}{c}r} = e^{i\frac{n\omega}{c}r} e^{-\frac{\kappa\omega}{c}r}.$$
 (2.17)

This means the intensity is like

$$I \propto |\boldsymbol{E}|^2 \propto \mathrm{e}^{-2\kappa \frac{\omega}{c}r}.$$

If we know  $\alpha$  in

$$I = I_0 e^{-\alpha r}, \tag{2.18}$$

then

$$2\kappa \frac{\omega}{c} = \alpha,$$

and therefore

$$\operatorname{Im} \epsilon_{\mathbf{r}} = 2n\kappa = \frac{cn}{\omega}\alpha. \tag{2.19}$$

The next question is what is  $\alpha$ . (2.18) means in the distance of dr, the photon number loss is proportional to

$$I(r) - I(r + dr) = I(r)\alpha dr$$
.

This means

$$\alpha \, dr = \frac{\text{photons absorbed per unit volume per second} \cdot dr}{\text{photons incident per unit area per second}}.$$
 (2.20)

### Box 2.1: Capturing decaying of photon with a continuous theory?

There seems to be a contradiction here: Fermi golden rule looks "discrete": it gives the probability of photon absorption, while  $\operatorname{Im} \epsilon$  gives us a continuous damping.

Recall how we treat spontaneous radiation using a quantum jump formalism: damping here is introduced by two (related) factors, the first being  $\operatorname{Im} H_{\text{eff}}$ , the second being the quantum jump channels, and once the shapes of the two terms in the master equation are determined, the strengths of which are "equal" to some extent.

Now  $\operatorname{Im} \epsilon$  is about  $\operatorname{Im} H_{\operatorname{eff}}$ , while Fermi golden rule is about the quantum jump channels, so it's indeed correct to infer  $\operatorname{Im} \epsilon$  from Fermi golden rule, using a procedure like, say, comparing the amount of light absorbed calculated from  $\operatorname{Im} \epsilon$  and from Fermi golden rule. There is no double counting in this procedure: both  $\operatorname{Im} H_{\operatorname{eff}}$  and  $\Gamma$  are needed for a full account of dissipation.  $H_{\operatorname{eff}}$  continuously reduces the possibility to see the system staying in its original state, while quantum jump channels "confirm" that indeed the system decays to a lower energy state when the norm of the wave function has decreased considerably.

In the phenomenological model of spontaneous radiation, we first write down an  $H_{\rm eff}$ , and then find the correct corresponding quantum jump channels to make the theory unitary, while here, we first calculate quantum jump channels (i.e. scattering) and then fit the  $H_{\rm eff}$  according to the strength of scattering.

The numerator is now given by Fermi golden rule. In the below equation we

use n to refer to the number of photons. We have

photons absorbed per unit volume per second
$$= \frac{1}{V} \cdot \text{photons absorbed per second}$$

$$= \frac{1}{V} \cdot \frac{2\pi}{\hbar} \sum_{S} |\langle S, n - 1| e \boldsymbol{v} \cdot \boldsymbol{A} | 0, n \rangle|^{2} \delta(\omega - \Omega_{S})$$

$$= \frac{1}{V} \frac{2\pi}{\hbar} \sum_{S} \frac{\hbar e^{2}}{2\omega \epsilon V} \cdot |\langle S, n - 1| \boldsymbol{v} \cdot a_{\boldsymbol{k}\sigma} \hat{\boldsymbol{e}} e^{i \boldsymbol{k} \cdot \boldsymbol{r}} | 0, n \rangle|^{2} \delta(\omega - \Omega_{S})$$

$$\approx \frac{1}{V} \frac{2\pi}{\hbar} \sum_{S} \frac{\hbar e^{2}}{2\omega \epsilon V} \cdot |\langle S, n - 1| \boldsymbol{v} \cdot a_{\boldsymbol{k}\sigma} \hat{\boldsymbol{e}} | 0, n \rangle|^{2} \delta(\omega - \Omega_{S})$$

$$= \frac{1}{V} \frac{2\pi}{\hbar} \sum_{S} \frac{\hbar e^{2}}{2\omega \epsilon V} \cdot |\boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}} \sqrt{n} \langle S, n - 1| 0, n - 1 \rangle|^{2} \delta(\omega - \Omega_{S})$$

$$= \frac{\pi e^{2} n}{\omega \epsilon V^{2}} \sum_{S} |\langle S| \boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}} | 0 \rangle|^{2} \delta(\omega - \Omega_{S}),$$

where we have used the condition that the momentum of the incident photon is usually very small compared with the momentum of other excitations in a solid. Here the corrected dielectric constant  $\epsilon = \epsilon_r \epsilon_0$  enters the expression because it appears in (2.14). When absorption is strong, we need to replace  $\epsilon_r$  with  $n^2$ . This can be verified by considering the energy flow in the material: when (2.17) is true (or, to be exact, when the electric field is (2.17) plus its complex conjugate:  $\mathbf{E}$  is a real field and should stay so when we are dealing with energy, etc.; the damping plain wave ansatz (2.17) only works when we solve linear equations), we always have

$$S = E \times H = \frac{1}{\mu_0} E \times \left(\frac{k}{\omega} \times E\right) = \frac{E^2}{\mu_0 \omega} k, \langle S \rangle = \frac{1}{2} \frac{E_0^2}{\mu_0 \omega} k.$$
 (2.21)

The real part of this is the "real" energy flow, which is now proportional to the imaginary part of k, because as is said above, E now is real. We still want this to still be the energy density times the speed of light (c/n), and thus we find the energy density should be

$$w = \frac{1}{2}\epsilon_0 n^2 \mathbf{E}_0^2 = \epsilon_0 n^2 \left\langle \mathbf{E}^2 \right\rangle. \tag{2.22}$$

This means we need to replace  $\epsilon_0$  in (2.14) with  $n^2$ , so that from (2.14) we are able to get (2.22). So we find (below we change the symbol for the photon number back to  $n_{\text{photon}}$ )

photons absorbed per unit volume per second = 
$$\frac{\pi e^2 n_{\text{photon}}}{\omega \epsilon_0 n^2 V^2} \sum_{S} |\langle S | \boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}} | 0 \rangle|^2 \delta(\omega - \Omega_S).$$
(2.23)

The denominator is

photons incident per unit area per second = 
$$\frac{n_{\text{photon}}c/n}{V}$$
.

Here we need to put the refractive index into the expression of energy flow; we can verify this by again explicit evaluating  $\mathbf{E} \times \mathbf{H}$  with an electromagnetic plain wave:

the wave vector enters the expression because  $\mathbf{H}$  is proportional to  $\nabla \times \mathbf{E}$ , and its relation with  $\omega$  contains the speed of light in the material, which is corrected by the refractive index. So putting everything together, we get

$$\alpha = \frac{\pi e^2}{\omega \epsilon_0 ncV} \sum_{S} |\langle S | \boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}} | 0 \rangle|^2 \delta(\omega - \Omega_S), \qquad (2.24)$$

and

$$\epsilon_2 := \operatorname{Im} \epsilon_{\mathrm{r}} = \frac{\pi e^2}{\omega^2 \epsilon_0 V} \sum_{S} |\langle S | \boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}} | 0 \rangle|^2 \delta(\omega - \Omega_S).$$
 (2.25)

It can be seen that the refractive index dependence in  $\alpha$  is mysteriously canceled by (2.19). This shouldn't be surprising because the dielectric constant has the Feynman diagrammatic meaning of "vacuum polarization", and its imaginary part can be obtained via the optical theorem and is directly proportional to the scattering rate and has no refractive index dependence. This means to directly calculate Im  $\epsilon_{\rm r}$  is actually easier than to directly calculate  $\alpha$ , and the former is the usual scheme used in *ab initio* calculations.

The relation (2.25) is derived under SI. In Gaussian system of units, the form of  $\epsilon_r$  remains unchanged. This can be seen by

$$\begin{cases} F = \frac{(e^{\mathrm{I}})^2}{4\pi\epsilon_0 r^2} = \frac{(e^{\mathrm{G}})^2}{r^2}, & \boldsymbol{F} = e^{\mathrm{I}}\boldsymbol{E}^{\mathrm{I}} = e^{\mathrm{G}}\boldsymbol{E}^{\mathrm{G}}, \\ \boldsymbol{D}^{\mathrm{I}} = \boldsymbol{\epsilon}_{\mathrm{r}}^{\mathrm{I}}\boldsymbol{\epsilon}_0 \boldsymbol{E}^{\mathrm{I}}, & \boldsymbol{D}^{\mathrm{G}} = \boldsymbol{\epsilon}_{\mathrm{r}}^{\mathrm{G}}\boldsymbol{E}^{\mathrm{G}}, \\ \boldsymbol{\nabla} \cdot \boldsymbol{D}^{\mathrm{I}} = \boldsymbol{\rho}^{\mathrm{I}}, & \boldsymbol{\nabla} \cdot \boldsymbol{D}^{\mathrm{G}} = 4\pi\boldsymbol{\rho}^{\mathrm{G}} \end{cases} \Rightarrow \boldsymbol{\epsilon}_{\mathrm{r}}^{\mathrm{I}} = \boldsymbol{\epsilon}_{\mathrm{r}}^{\mathrm{G}}.$$

So in Gaussian system of units, we have

$$\operatorname{Im} \epsilon_{\mathbf{r}} = \frac{4\pi^{2}e^{2}}{\omega^{2}V} \sum_{S} |\langle S|\boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}}|0\rangle|^{2} \delta(\omega - \Omega_{S}). \tag{2.26}$$

Here we replace  $e^2/\varepsilon_0$  in SI by  $4\pi e^2$  in Gaussian units, since the two system of units agree with each other in the unit of force, and we have

$$\frac{e_{\rm SI}^2}{4\pi\epsilon_0 r^2} = F_{\rm SI} = F_{\rm Gaussian} = \frac{e_{\rm Gaussian}^2}{r^2}.$$

The expression of  $\operatorname{Im} \epsilon_{\rm r}$  sees great variance in literature. Eq. (8) in [11] is almost the same as (2.26), except it misses the factor 1/V. [12] claims the equation should be

$$\epsilon_2 = \operatorname{Im} \epsilon = \frac{16\pi^2 e^2}{\omega^2} \sum_{S} |\langle S|\boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}}|0\rangle|^2 \delta(\omega - \Omega_S).$$

The LHS here is shown as it is in [12]; since the system of units used is never explicitly mentioned in this article, we don't know the true meaning of  $\epsilon$  here; the origin of the 4 factor is also mysterious. This version of (2.26) seems to have an early origin: it appears in [22], which refers us to [1] which doesn't seem to contain something like (2.26). Some of these variances are typos; others are just notational varieties. The procedure used to calculate  $\epsilon_2$  when electron-hole interaction is ignored (and  $\Omega_S$  is just  $\varepsilon_c - \varepsilon_v$ ) can be found in absp0 in BSE/absp0.f90 in BerkeleyGW's source code; some comments regarding the correct form of  $\epsilon_2$  are

attached before the definition of the subroutine. From the codes and the attached comments, it can be seen that the missing of 1/V is not correct; half of the factor 4 comes from Rydberg atomic units, where  $e^2 = 2$  (and thus the expression  $16\pi^2e^2$  is misleading – it should be  $16\pi^2$ , since  $e^2$  is already absorbed into the 16 factor); half of the factor 4 comes from spin degeneracy, and when the two spins are considered separately (either when the spin index is treated explicitly as a good quantum number, or in spinor calculation where we have SOC), the 16 factor should be reduced to 8 (note that since the light is assumed to be linearly polarized, the spin of an electron remains the same before and after electron-photon scattering, and therefore the degeneracy factor is 2 instead of 4). So the formula used in BerkeleyGW – which also agrees with (2.26) – is

$$\varepsilon_2 = \frac{16\pi^2}{\omega^2 N_{\text{spin-degeneracy}}} \sum_{S} |\langle S | \boldsymbol{v} \cdot \hat{\boldsymbol{e}} | 0 \rangle|^2 \delta(\omega - \Omega_S), \qquad (2.27)$$

where  $N_{\rm spin\text{-}degeneracy}$  is 1 when there is indeed spin degeneracy and only the orbit parts of the wave functions enter the calculation, and is 2 otherwise. TODO: the  $1/\omega^2$  factor

# Chapter 3

# $\mathbf{DFT}$

# 3.1 The discontinuity problem

Several options: [3, 27]

# Chapter 4

# GW and BSE

## 4.1 What is GW

## 4.1.1 GW is screened Hartree-Fock approximation

In short, GW means to consider the Hartree term and the screened Fock term

as self-energy diagrams. Thus, apart from the Hartree term, we have

$$\Sigma = iGW, \tag{4.2}$$

where G is the renormalized Green function, and W is the renormalized (i.e. screened) Coulomb interaction, which is

$$\epsilon = 1 - \cdots$$
 (4.4)

Compared with the exact Hedin equations, no vertex correction is taken into account here in GW.

It should be noted that the  $\epsilon$  here is a matrix, but it contains no index of the ordinary 3-vector: it's a scalar in the real space, because it connects W and v, both of which are scalar potentials. Sometimes it's called the dielectric matrix, for it has two indices, G and G', that go over all G-vectors. The name dielectric matrix is also used to refer to the relation between the vectors vector E and D, which also has two indices, but the two indices are now spatial indices, and this dielectric matrix is a rank-2 tensor. The letter – the  $\epsilon_{ij}$  – is related to  $\epsilon_{GG'}$ , but depending on how much microscopic details are included in E, the two may be different, between which we have so-called local field correction.

## 4.1.2 Infinitesimal displacement of time in GW

Suppose 1 means the output state of an electron and 2 the input state (so that  $\Sigma(1,2)$  is the self-energy for an electron propagating from 2 to 1, and therefore we follow the quantum mechanic convention that the input state is on the right while the output state is on the left), we actually have

$$\Sigma(1,2) = iW(1^+,2)G(1,2), \tag{4.5}$$

instead of the schematic  $\Sigma = iWG$ . This expression can be seen in several places, including Wikipedia and [7, 16]. The necessity of this infinitesimal displacement on  $t_1$  can be found in § 4.2.2.

The question, then, is where this displacement on  $t_1$  comes from. TODO: verify My tentative conclusion is that the most first-principle interpretation of the screened Fock diagram is actually  $iW(1,2)G(1^-,2)$ , where the – superscript comes from (1.15):  $e^{-i\omega t}e^{i\omega 0^+} = e^{-i\omega(t^-)}$ ; since we can leave out the  $e^{i\omega 0^+}$  factor in the self-energy (§ 1.2.2), in the time domain, we can adjust the out time in G from  $1^-$  to 1; but since the relation between the out times of W and G is absolute, we also have to push the out time of W slightly forward, and the resulting expression of the GW self-energy becomes  $iW(1^+, 2)G(1, 2)$ .

In the frequency domain we can see this more clearly. Assuming we have time reversal symmetry so that the order of r and r' doesn't really matter (§ 1.2.4), we have

$$-i\Sigma(\omega, \boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) = \underbrace{\vdots \cdot \cdot \cdot \cdot \cdot \cdot \cdot \cdot}_{\omega + \omega'} \cdot \boldsymbol{r}'$$

$$= \int \frac{d\omega'}{2\pi} iG(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega + \omega') e^{i(\omega + \omega')0^{+}} (-i)W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega'),$$

and since the input and output frequency is  $\omega$  (as can be seen by energy conservation), according to the discussion in § 1.2.2, we remove the  $e^{i\omega 0^+}$  factor on RHS and have

$$\Sigma(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) = i \int \frac{d\omega'}{2\pi} e^{i\omega'0^{+}} G(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega + \omega') W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega'). \tag{4.6}$$

This is exactly Eq. (4a) in [7].

Here is a tricky point: the sign of the exponent in  $e^{i\omega'0^+}$  comes from the sign of  $\omega'$  dependence in the G factor, not the appearance of  $\omega'$  in the W factor. This can be seen in Eq. (10) in [18]. Indeed, we know that replacing  $W(\omega')$  by  $W(-\omega')$  doesn't change the value of any diagram after integrating over all internal variables (§ 1.2.4), so whether there is a minus sign in the W factor makes no difference – thus any sign dependence has to be about the sign of variables involved in the G part instead of the W part. This is consistent with the aforementioned fact that the minus superscript in  $W(1^+, 2)$ , although appearing in the W factor, eventually comes from a rule concerning G.

## 4.1.3 GW compared with the Hartree-Fock approximation

Note that there is screening in self-consistent Hartree-Fock approximation: if we forget about the Fock term, then the Hartree approximation is essentially the same as Thomas-Fermi screening, which considers and only considers screening channels with respect to density of electrons, i.e. ring diagrams. Then we add the Fock term, and in the Fock term, there is still screening in the corrected propagator, but there is no screening in the Coulomb interaction line. (On the other hand, in the Hartree term, there shouldn't be any screening in the Coulomb interaction line, or otherwise we have double counting.)

In this perspective, GW is completely natural: the next level of correction is just to correct the Coulomb interaction line, using the same ring diagrams that appear in the self-consistent Hartree term.

### 4.1.4 From GW to BSE

Suppose we want to find the electromagnetic response of a system. What we want is something looking like  $\delta^n n(\mathbf{r})/\delta V(\mathbf{r}')^n$ . With the influence of  $V(\mathbf{r})$  taken into account,  $n(\mathbf{r},t)$  is given by the following diagram:



Since the coupling Hamiltonian between the external field with electrons is just ordinary Coulomb interaction, the first vertex a line from an external field encounters is a vertex with one interaction line and two electron lines. The nth-order response, therefore, is given by



We can easily see that to find the nth-order response, it's necessary to find the nth-order correlation function. So we have two equivalent ways to deal with electromagnetic response: the first is to use Green function equations of motion and find  $n(\mathbf{r},t)$  explicitly, and then divide it with V; the other is to calculate all correlation functions; note that if we want not only the response, we shouldn't pair incoming and outgoing lines and fix the coordinates of each two of them to the same value: we should wipe out the solid dots in the last diagram.

Now suppose we want to work with the single-electron Green function G only in the first approach, and the GW self-energy plus the electromagnetic coupling are used to build the effective Hamiltonian. In other words, we are doing **time-dependent adiabatic** GW (for the meaning of "adiabatic", see below). The density  $n(\mathbf{r},t)$  is obtained by  $G(\mathbf{r},t;\mathbf{r},t)$ , or in other words, by connecting the incoming and outgoing lines to the  $(\mathbf{r},t)$  point. Note that  $\Sigma^{GW}$  depends on G, and when deciding what happens at  $t + \Delta t$ , we use  $\Sigma^{GW}[G(t)]$ . Here in order to

make the Hamiltonian-based time evolution possible, we actually need to do the static COHSEX approximation or something similar to eliminate the retardation effects in  $\Sigma^{GW}$ , or otherwise  $\Sigma^{GW}$  doesn't lead to a well-defined Hamiltonian, and therefore the screened Coulomb interaction line is no longer simply described by RPA – but anyway it relies on G. Also, the locality of the static COHSEX Hamiltonian in time means we need to approximate  $G(\mathbf{r},t;\mathbf{r}',t')$  by  $G(\mathbf{r},t;\mathbf{r}',t)$ , and therefore we can use an effective single-electron density matrix to replace the Green function. That's why we say the approach is *adiabatic*. The question then is, what's the corresponding first-order response function? What diagrams are included in the latter?

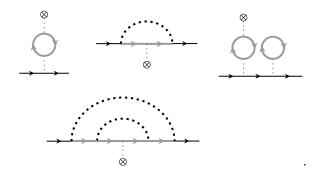
To answer this question, we need to list all diagrams that contain one and only one external field line. For the sake of convenience, below we use grey lines to refer to the electron propagator corrected by  $\Sigma^{GW}$  and use black lines to refer to the electron propagator corrected by both  $\Sigma^{GW}$  and electromagnetic coupling. Thus we have

$$\longrightarrow + \longrightarrow + \cdots$$

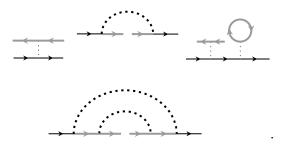
$$\stackrel{:}{\otimes}$$

$$(4.7)$$

In the first-order response theory, we only keep the first two terms. Now the first several terms in the completely corrected Green function are listed below:



We can then wipe out the  $\otimes$  symbol and the interaction line connected to it, and, as is mentioned above, to generalize things a little and separate the two electron lines connected to the interaction line introduced by the external field. The resulting diagrams are listed below:



Collecting the diagrams and summing over them, we find they are simply

The diagrams included here are essentially self-energy diagrams of the two-body Green function; in other words, the diagrams are self-energy diagrams of the electron-hole propagating. The corresponding self-energy diagrams – or, following the more common terminology, **kernel** diagrams – are

$$= \quad \boxed{ } + \quad \rangle \cdots \langle \quad . \tag{4.9}$$

The first term is associated with the screened Fock term in GW, because it comes from erasing one external field line in a Fock diagram; the second term corresponds to the Hartree term in GW. Note that the first term is screened and the second term is not: the reason is the same as the reason in § 4.1.3.

So the conclusion is, if we first do GW correction (without external field) to the electron propagator, and then feed the corrected electron propagator and (4.9) to

$$= + + + \cdots, \qquad (4.10)$$

then the electromagnetic response calculated using this method is the same as the weak-field approximation of the time-dependent GW calculation.

### Box 4.1: The term 'time-dependent'

The term "time-dependent" may be confusing: in a frequency-dependent GW calculation (generalized plasmon model, or full-frequency calculation), the time domain G(t) is also time-dependent, but it can't capture electromagnetic response. On the other hand, in "time-dependent GW", the term "time-dependent" means the Hamiltonian of the system is time-dependent, which is equivalent to say coupling with the external field is taken into account.

(4.10) can be written in a way quite similar to single-electron self-energy correction, called the **Bethe-Salpeter equation (BSE)**, although in the context of *ab initio* study, BSE usually refers to (4.10) *plus* (4.9), not just the analytically correct (4.10): the vertex correction, again, is simply ignored.

The corrected two-body Green function i.e. corrected propagator of the electronhole pair can be seen as generated by an effective two-body Hamiltonian, which
contains the kinetic energy of the electron and the hole, as well as terms in (4.9).
The renormalized electron-hole pair is called the **exciton**, and the effective twobody Hamiltonian is the Hamiltonian of the exciton. BSE – either in the general
meaning or in the meaning of (4.9) – is currently the preferred way for analyzing
excitons. The first term in (4.9) is known as the **direct term**, while the second
term is known as the **exchange term**; note that the terminology may be kind of
confusing, since the exciton exchange term actually comes from the GW Hartree
term, and the exciton direct term comes from the GW screened-Fock term. In
analytic works on excitons, usually only the direct term is considered, which is
probably the reason for the terminology.

The time-dependent GW method can capture exciton effects to electromagnetic response of the system, because in the weak field limit it is equivalent to BSE. Thus the time-dependent GW method outlined above is also sometimes called the **time-dependent BSE**. Both flavors of BSE have been implemented: the exciton Hamiltonian approach is realized by BerkeleyGW; the time-dependent GW

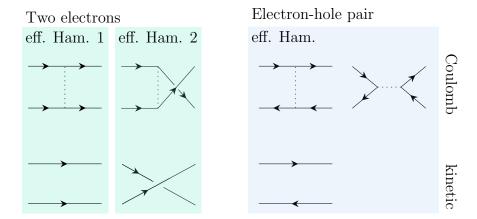


Figure 4.1: Comparison between Feynman diagrams for double electrons and Feynman diagrams for electron-hole pairs. Only the first order perturbation is considered; the interaction line in the direct terms should be screened.

approach doesn't seem to have mature open source realization (TODO: really?), but its accuracy has been verified by comparison with the exciton Hamiltonian approach [5].

Two further remarks are needed on the effective Hamiltonian of excitons. First, we note that (4.9) is only for electron-hole pairs; diagrams for electron-electron pairs are different: there is no exchange term for electron pairs. This is illustrated in Fig. 4.1: in the case of two electrons, after doing the contractions, we get t- and u-channels, while in the case of electron-hole pairs, we get the direct term and the exchange term. This can be explicitly verified by calculating  $\langle 1, 2|H_{\text{Coulomb}}|3, 4\rangle$ by definition. Since in the former case, the two input particles are of the same species, the two Coulomb interaction diagrams have to form a u-and-t pair, and when we write down the effective Hamiltonian, we only consider the u-channel or the t-channel, but never both, and thus in the effective Hamiltonian we only have the direct term. In the latter case, i.e. the case of excitons, we no longer have the u-and-t-pair, and we only have one kinetic term anyway. If we want to model the exciton by an effective potential,  $V_{\text{eff}}(r_1, r_2)$  contains both terms in (4.9). The second remark is that the effective Hamiltonian obtained from (4.9)is a two-body Hamiltonian, not a many-body Hamiltonian, that's to say, not an effective interaction vertex: if we want to find an effective interaction vertex, (a) electron modes appearing at in- and out-lines of (4.9) should not be included in the screened interaction line, and (b) the exchange term should not appear. That's what is done in constrained RPA, but not (4.9). Similar phenomena can be observed in trion calculations, where among the two electrons and one hole, the diagrams depicting interaction between the hole and one of the electrons are the BSE diagrams shown in (4.9), while the diagrams about interaction between the electrons are those in the left column in Fig. 4.1.

### 4.2 The dielectric matrix $\epsilon$

TODO:

• Truncated Coulomb interaction

- Why we say  $\Sigma = V_{xc} + \Sigma V_{xc}$ ? (see [12] p. 1271)
- What should be symmetric? (11) and (12) in [12]???

### 4.2.1 Frequency-dependent form

To build concrete expressions from the above floppy arguments, let's apply the rules in  $\S 1.3.3$ . First, we define

$$q \cdots q = i\chi(q)$$
 (4.11)

Here the dotted lines are dummies: they contribute nothing to the value of the diagram. Note that  $\chi$  is a matrix, with its elements taking the form of  $\chi_{GG'}$ .

Now we have (every letter in the expression below is a matrix, so pay attention to the order)

$$-iW(q) = -iv(q) + (-iv(q))(i\chi(q))(-iv(q)) + \cdots,$$

$$W(q) = v(q) + v(q)\chi(q)v(q) + v(q)\chi(q)v(q)\chi(q)v(q) + \dots = (1 - v(q)\chi(q))^{-1}v(q).$$

Here we choose the convention that includes the 1/V factor into v(q + G) to avoid writing 1/V for too many times – the normalization is important – see the discussion below about [12]. So we get a concrete expression of  $\epsilon$ :

$$\epsilon(q) = 1 - v(q)\chi(q), \quad W(q) = \epsilon(q)^{-1}v(q).$$
 (4.12)

Because

$$(v(q)\chi(q))_{\mathbf{G}\mathbf{G}'} = \sum_{\mathbf{G}''} v(q + \mathbf{G}'') \delta_{\mathbf{G}\mathbf{G}''} \chi_{\mathbf{G}''\mathbf{G}}(q).$$

we have

$$\epsilon_{\mathbf{GG}'}(q) = \delta_{\mathbf{GG}'} - v(q + \mathbf{G})\chi_{\mathbf{GG}'}(q). \tag{4.13}$$

Here the inverse of  $\epsilon$  is matrix inverse, not element-by-element inverse. (13) in [12] is ambiguous: a clearer but more cumbersome notation is

$$[\epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}(q)]_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{-1}v(\boldsymbol{q}+\boldsymbol{G}').$$

Now it comes the evaluation of  $\chi_{GG}(q)$ . Under the quasiparticle assumption, that the renormalized Green function can still be written as (1.40), We have

$$i\chi_{GG'}(\mathbf{q},\omega) = q, G \xrightarrow{n, k+q} q, G'$$

$$= -\int \frac{d\omega'}{2\pi} \sum_{\mathbf{k}} \sum_{n,n'} \frac{i}{\omega' - \xi_{n'\mathbf{k}} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{n'\mathbf{k}})}$$

$$\times \frac{i}{\omega + \omega' - \xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}})}$$

$$\times M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^{*}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}'),$$

$$(4.14)$$

where the minus sign comes from the closed electron loop, and to make the final expression agree with [12], I choose a rather strange direction of the q arrow. The bands and wave functions are all renormalized ones.

The RHS of the equation can be evaluated straightforwardly: when  $\xi_{n'k} < 0$ ,  $\xi_{n,k+q} > 0$ , we have

$$\int \frac{d\omega'}{2\pi} \frac{1}{\omega' - \xi_{n'\boldsymbol{k}} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{n'\boldsymbol{k}})} \frac{1}{\omega + \omega' - \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}})}$$

$$= \int \frac{d\omega'}{2\pi} \frac{1}{\omega' - \xi_{n'\boldsymbol{k}} - i0^{+}} \frac{1}{\omega + \omega' - \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} + i0^{+}}$$

$$= \frac{2\pi i}{2\pi} \frac{1}{\omega + \xi_{n'\boldsymbol{k}} + i0^{+} - \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} + i0^{+}},$$

where in the third line we complete the integral contour in the upper plane. Similarly, when  $\xi_{n'k} > 0$ ,  $\xi_{n,k+q} < 0$ , we have

$$\int \frac{d\omega'}{2\pi} \frac{1}{\omega' - \xi_{n'k} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{n'k})} \frac{1}{\omega + \omega' - \xi_{n,k+q} + i0^{+} \operatorname{sgn}(\xi_{n,k+q})} 
= \int \frac{d\omega'}{2\pi} \frac{1}{\omega' - \xi_{n'k} + i0^{+}} \frac{1}{\omega + \omega' - \xi_{n,k+q} - i0^{+}} 
= \frac{2\pi i}{2\pi} \frac{1}{-\omega + \xi_{n,k+q} + i0^{+} - \xi_{n'k} + i0^{+}}$$

When  $\xi_{n'k}$  and  $\xi_{n,k+q}$  are both positive or negative, the integral is zero. Thus, we find

$$\chi_{GG'}(\boldsymbol{q},\omega) = \sum_{\boldsymbol{k}} \sum_{n,n'} M_{nn'}(\boldsymbol{k},\boldsymbol{q},\boldsymbol{G}) M_{nn'}^{*}(\boldsymbol{k},\boldsymbol{q},\boldsymbol{G}')$$

$$\times \left( \frac{\theta(-\xi_{n'\boldsymbol{k}})\theta(\xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}})}{\omega + \xi_{n'\boldsymbol{k}} - \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} + \mathrm{i}0^{+}} + \frac{\theta(\xi_{n'\boldsymbol{k}})\theta(-\xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}})}{-\omega + \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} - \xi_{n'\boldsymbol{k}} + \mathrm{i}0^{+}} \right). \tag{4.15}$$

When the system has time-reversal symmetry – that's to say, we don't have magnetic fields or magnetic disorders or a ferromagnetic order – the above equation can be further simplified. When the system is spinless (when no SOC exists, the electronic problem can be reduced to this circumstance), we have

$$\mathcal{T}\psi_{n\mathbf{k}} := \psi_{n\mathbf{k}}^* = \sum_{m} U_{nm}(\mathbf{k})\psi_{m,-\mathbf{k}}, \tag{4.16}$$

where  $U_{mn}$  is a unitary matrix; thus we have

$$\mathcal{T}^2 = 1 \Rightarrow U(-\mathbf{k})U(\mathbf{k})^* = 1 \Rightarrow U^{-1}(-\mathbf{k}) = U^*(\mathbf{k}). \tag{4.17}$$

Note that  $\mathcal{T}$  applies to the  $U_{nm}$  factor as well if we apply another  $\mathcal{T}$  to (4.16). So now we have

$$\psi_{n\mathbf{k}} = \sum_{m} U_{nm}^{-1}(-\mathbf{k})\psi_{m,-\mathbf{k}}^{*} = \sum_{m} U_{nm}^{*}(\mathbf{k})\psi_{m,-\mathbf{k}}^{*}.$$
 (4.18)

Now we inspect the structure of the first term in (4.15). We have

$$\sum_{n,n'} M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^{*}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}') \frac{\theta(-\xi_{n'\mathbf{k}})\theta(\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n'\mathbf{k}} - \xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} + i0^{+}}$$

$$= \sum_{n,n'} \int d^{3}\mathbf{r} \, \psi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}}^{*}(\mathbf{r}) e^{i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}} \psi_{n'\mathbf{k}}(\mathbf{r}) \int d^{3}\mathbf{r}' \, \psi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}}(\mathbf{r}') e^{-i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}'} \psi_{n'\mathbf{k}}^{*}(\mathbf{r}')$$

$$\times \frac{\theta(-\xi_{n'\mathbf{k}})\theta(\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n'\mathbf{k}} - \xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} + i0^{+}}$$

$$= \sum_{n,n'} \int d^{3}\mathbf{r} \int d^{3}\mathbf{r}' \, e^{i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}} e^{-i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}'} \frac{\theta(-\xi_{n'\mathbf{k}})\theta(\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n'\mathbf{k}} - \xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} + i0^{+}}$$

$$\times U_{nm}(\mathbf{k}+\mathbf{q})\psi_{m,-\mathbf{k}-\mathbf{q}}(\mathbf{r})U_{n'\mathbf{p}}^{*}(\mathbf{k})\psi_{p,-\mathbf{k}}^{*}(\mathbf{r})$$

$$\times U_{nr}^{*}(\mathbf{k}+\mathbf{q})\psi_{r,-\mathbf{k}-\mathbf{q}}^{*}(\mathbf{r}')U_{n'\mathbf{s}}\psi_{\mathbf{s}}(\mathbf{k})\psi_{s,-\mathbf{k}}(\mathbf{r}').$$

$$(4.19)$$

Recall that the time reversal symmetry is a symmetry of the system, and thus as long as  $U_{mn}$ , etc. are non-zero, we have

$$\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} = \xi_{m,-\mathbf{k}-\mathbf{q}} = \xi_{r,-\mathbf{k}-\mathbf{q}},\tag{4.20}$$

and

$$\xi_{n'\mathbf{k}} = \xi_{s,-\mathbf{k}} = \xi_{p,-\mathbf{k}}.\tag{4.21}$$

Thus, the propagator factor in the summation does not vary when we sum over n, n', etc., and we can change the band indices Thus we can insert the unitary condition

$$U_{mn}(\mathbf{k})U_{mn'}^*(\mathbf{k}) = \delta_{nn'} \tag{4.22}$$

into the equation and change the band indices in the propagator factor accordingly and get

$$\sum_{n,n'} M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^*(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}') \frac{\theta(-\xi_{n'\mathbf{k}})\theta(\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n'\mathbf{k}} - \xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} + i0^+}$$

$$= \sum_{p,m} \int d^3 \mathbf{r} \int d^3 \mathbf{r}' e^{i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}} e^{-i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}'}$$

$$\times \psi_{m,-\mathbf{k}-\mathbf{q}}(\mathbf{r}) \psi_{p,-\mathbf{k}}^*(\mathbf{r}) \psi_{m,-\mathbf{k}-\mathbf{q}}^*(\mathbf{r}') \psi_{p,-\mathbf{k}}(\mathbf{r}')$$

$$\times \frac{\theta(-\xi_{p,-\mathbf{k}})\theta(\xi_{m,-\mathbf{k}-\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{p,-\mathbf{k}} - \xi_{m,-\mathbf{k}-\mathbf{q}} + i0^+}$$

$$= \sum_{n,n'} \int d^3 \mathbf{r} \int d^3 \mathbf{r}' e^{i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}} e^{-i(\mathbf{q}+\mathbf{G})\cdot\mathbf{r}'}$$

$$\times \psi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}}(\mathbf{r}) \psi_{n,-\mathbf{k}}^*(\mathbf{r}) \psi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}}^*(\mathbf{r}') \psi_{n,-\mathbf{k}}(\mathbf{r}')$$

$$\times \frac{\theta(-\xi_{n,-\mathbf{k}})\theta(\xi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n\mathbf{k}} - \xi_{n',\mathbf{k}+\mathbf{q}} + i0^+}$$

$$= \sum_{n,n'} M_{nn'}(-\mathbf{k} - \mathbf{q}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^*(-\mathbf{k} - \mathbf{q}, \mathbf{q}, \mathbf{G}') \times \frac{\theta(-\xi_{n,-\mathbf{k}})\theta(\xi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n,-\mathbf{k}} - \xi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}} + i0^+}.$$
(4.23)

In the last second line we have renamed the dummy indices to let the stepwise function factors look like their counterparts in (4.15). Note that in this step, we actually have swapped n and n': at first n is related to m, but now m is related to n'. The final step is to redefine k + q to -k and make use of the time reversal symmetry of band energies, and we get

$$\sum_{\mathbf{k}} \sum_{n,n'} M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^{*}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}') \times \frac{\theta(-\xi_{n\mathbf{k}})\theta(\xi_{n',\mathbf{k}+\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n\mathbf{k}} - \xi_{n',\mathbf{k}+\mathbf{q}} + \mathrm{i}0^{+}}$$

$$= \sum_{\mathbf{k}} \sum_{n,n'} M_{nn'}(-\mathbf{k} - \mathbf{q}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^{*}(-\mathbf{k} - \mathbf{q}, \mathbf{q}, \mathbf{G}') \times \frac{\theta(-\xi_{n,-\mathbf{k}})\theta(\xi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}})}{\omega + \xi_{n,-\mathbf{k}} - \xi_{n',-\mathbf{k}-\mathbf{q}} + \mathrm{i}0^{+}}$$

$$= \sum_{\mathbf{k}} \sum_{n,n'} M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}) M_{nn'}^{*}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G}') \times \frac{\theta(-\xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}})\theta(\xi_{n',\mathbf{k}})}{\omega + \xi_{n,\mathbf{k}+\mathbf{q}} - \xi_{n',\mathbf{k}} + \mathrm{i}0^{+}}.$$
(4.24)

So now apart from the denominator, this term already looks exactly the same as the second term in (4.15). Thus, we find time reversal symmetry reduces (4.15) into

$$\chi_{GG'}(\boldsymbol{q},\omega) = \sum_{\boldsymbol{k}} \sum_{n}^{\text{occ}} \sum_{n'}^{\text{emp}} M_{nn'}(\boldsymbol{k},\boldsymbol{q},\boldsymbol{G}) M_{nn'}^{*}(\boldsymbol{k},\boldsymbol{q},\boldsymbol{G}') \times \left( \frac{1}{\omega + \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} - \xi_{n'\boldsymbol{k}} + \mathrm{i}0^{+}} + \frac{1}{-\omega + \xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} - \xi_{n'\boldsymbol{k}} + \mathrm{i}0^{+}} \right),$$
(4.25)

where we have recast the stepwise functions into the occupied/empty conditions. For insulators, we can swap the order of the summation over k and the summation over band indices; for metals we can't do this. This form of  $\chi$  can only be obtained by using time reversal symmetry; this fact is also noted by [25] in its derivation of its (1.40). From the positions of the poles (note that  $\xi_{n,k+q} - \xi_{n'k} < 0$ ) we find that poles with positive real parts have negative imaginary parts, and poles with negative real parts have positive imaginary parts, which agrees with the general properties of time-ordered quantities.

When the system is spin-1/2, i.e. when we are in the so-called spinor mode, we have

$$\mathcal{T}\psi_{n\mathbf{k}} := -\mathrm{i}\sigma^y \psi_{n\mathbf{k}}^* = \sum_m U_{nm} \psi_{m\mathbf{k}}, \tag{4.26}$$

and thus we also have

$$\psi_{n\mathbf{k}}^* = \sum_{m} U_{nm} \psi_{m\mathbf{k}}, \tag{4.27}$$

although the definition of  $U_{nm}$  should be changed – but it's still unitary; similarly we can build the relation between  $U(\mathbf{k})$  and  $U(-\mathbf{k})$  from

$$\mathcal{T}^2 = -1 \Rightarrow U(-\mathbf{k})U(\mathbf{k}) = -1 \Rightarrow U(-\mathbf{k}) = -U^{\dagger}(\mathbf{k}). \tag{4.28}$$

So we have an additional minus one factor; but we have four U factors in (4.19) anyway, and thus the minus one factor contributes nothing to the final result, and (4.25) is still correct when the system has time reversal symmetry.

Note that in [12], the normalization of  $\chi$  is the same as here, but the definition of  $v(\mathbf{q})$  doesn't include the 1/V factor. So (8) and (10) in [12] can't be both correct, or as we increase the density of the  $\mathbf{k}$ -grid,  $\epsilon$  becomes larger and larger!

# 4.2.2 The static limit and the generalized plasmon-pole model

In the  $\omega \to 0$  limit, we have

$$\chi_{GG'}(\boldsymbol{q}, \omega = 0) = \sum_{\boldsymbol{k}} \sum_{n,n'} M_{nn'}(\boldsymbol{k}, \boldsymbol{q}, \boldsymbol{G}) M_{nn'}^*(\boldsymbol{k}, \boldsymbol{q}, \boldsymbol{G}') \times \left( \frac{\theta(-\xi_{n'\boldsymbol{k}})\theta(\xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}})}{\varepsilon_{n'\boldsymbol{k}} - \varepsilon_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}}} + \frac{\theta(\xi_{n'\boldsymbol{k}})\theta(-\xi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}})}{\varepsilon_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}} - \varepsilon_{n'\boldsymbol{k}}} \right).$$

$$(4.29)$$

A frequently used way to obtain some degree of frequency dependence is the **generalized plasmon pole model (GPP)**. The logic is like this. We know  $D = \epsilon E$ ; although in this note  $\epsilon$  relates the bare scalar potential and the screened scalar potential, the physical picture is the same. This means  $1/\epsilon$  can be seen as the response (in the Feynman diagrammatic sense; I'm not saying  $1/\epsilon$  is a response function in linear response theory; indeed its pole structure is the same with time-ordered Green function, not a response function) of E to an externally introduced charge, which looks like this:



So of course,  $1/\epsilon$  can also be seen as unity plus the sum of Green functions of electron density modes. We haven't introduce any approximation yet, so now let's introduce a rather strong approximation:  $1/\epsilon - 1$  only contains the plasmon mode, the dispersion relation of which is completely flat. We know this approximation is far from accurate: we always have electron-hole pairs and also excitons besides the plasmon, and the dispersion relation of the plasmon is not strictly flat; but anyway let's just take this as the starting point: in cases where what's important concerning  $\epsilon$  is only a handful of parameters obtained from it (like  $\omega_p$ ), our rather coarse model should work well. In other parts of condensed matter physics, we encounter similar rather coarse models, like the Debye model, which however are (semi-)quantitative.

The structure of  $1/\epsilon$ , therefore, becomes

$$\frac{1}{\epsilon} - 1 = \text{const.} \times \frac{1}{\omega^2 - \omega_0^2 + i0^+},\tag{4.30}$$

where  $\omega_0$  is the "plasmon frequency" which is assumed to be the same when we change the plasmon wave vector  $\boldsymbol{q}$ . This equation can be rewritten into

$$\frac{1}{\epsilon} - 1 = \frac{\Omega^2}{2\tilde{\omega}} \left( \frac{1}{\omega - \tilde{\omega} + i0^+} - \frac{1}{\omega + \tilde{\omega} - i0^+} \right). \tag{4.31}$$

This is just the GPP; we call it *generalized* plasmon pole model, because  $\tilde{\omega}$  isn't necessarily the plasmon frequency obtained with the free-electron approximation:

$$\omega_{\rm p} = \sqrt{\frac{ne^2}{m\epsilon_0}}. (4.32)$$

When  $\tilde{\omega} = \Omega = \omega_p$ , we just get the Drude-like

$$\epsilon = 1 - \frac{\omega_{\rm p}^2}{\omega^2}.\tag{4.33}$$

The next question is how to find  $\Omega$  and  $\tilde{\omega}$ . Of course we need two constraints, and the first is of course obtained from (4.29). The second constraint is the f-sum rule: TODO Putting the two constraints together, we are able to fix  $\epsilon(\omega)$  once  $\epsilon(0)$  is found by calculating (4.29).

The GPP also justifies why we need to write  $G(1,2)W(1^+,2)$ : in the frequency domain, this is equivalent to adding a  $e^{i0^+\omega}$  factor, where  $\omega$  is the frequency on the Coulomb interaction line. Thus the GW self-energy is proportion to the following factor:

$$\int d\omega' e^{i0^+\omega'} \frac{1}{\omega + \omega' - \xi_{n\mathbf{k}} + i0^+ \operatorname{sgn}(\xi_{n\mathbf{k}})} \left( \frac{1}{\omega' - \tilde{\omega} + i0^+} - \frac{1}{\omega' + \tilde{\omega} - i0^+} \right).$$

When  $\xi_{n\mathbf{k}} > 0$ , we find only the pole of the  $1/(\omega' + \tilde{\omega} - i0^+)$  term contributes to the integral, and the result is proportional to

$$\frac{1}{\omega - \tilde{\omega} - \xi_{n\mathbf{k}}},$$

which means the singularity is achieved when  $\xi_{n\mathbf{k}} = \omega - \tilde{\omega}$ . Note that  $\xi_{n\mathbf{k}}$  may be seen as the energy of the inner electron line, and  $\omega$  is the input energy, so this means the energy of the inner electron is the input energy minus  $\tilde{\omega}$ , which is correct according to the physical picture of screening. When  $\xi_{n\mathbf{k}} < 0$ , all terms contribute to the integral, but now the residue of the pole of  $\xi_{n\mathbf{k}} = \omega - \tilde{\omega}$  cancels with the residue of the pole of the electron propagator, and the result is proportional to

$$\frac{1}{\xi_{k} - \omega - \tilde{\omega}}.$$

This means  $\xi_{\mathbf{k}}$  is  $\omega$  – the input energy – plus  $\tilde{\omega}$ . But note that in this case  $\xi_{n\mathbf{k}} < 0$ , so the above expression means  $\xi_{n\mathbf{k}}$  is less negative than the input energy, and thus, the excited hole is closer to the Fermi surface, so the energy of the hole represented by the inner electron propagator is *lower* than  $|\omega| = -\omega$ , which is the energy of the input hole. In both case, the  $e^{i0^+\omega}$  factor gives the correct physical picture. The origin of this factor is discussed in § 4.1.2.

### 4.2.3 The static subspace approach

### 4.2.4 Truncation

# 4.3 The self-energy matrix $\Sigma$

# 4.3.1 COHSEX approximation

One way to simply  $\Sigma^{GW}$  is the **Coulomb hole-screened exchange (COHSEX)** approximation. In this approximation, we assume  $W(\mathbf{r}, t; \mathbf{r}', 0)$  doesn't show

strong retardation, and therefore in the frequency domain,  $W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  shouldn't be far from  $W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', 0)$ . Therefore, (4.6) is approximately

$$\Sigma(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) \approx i \int \frac{d\omega'}{2\pi} \int dt \, e^{i(\omega + \omega')t} G(\boldsymbol{r}, t; \boldsymbol{r}', 0) W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0)$$

$$= i \int e^{i\omega t} \delta(t) G(\boldsymbol{r}, t; \boldsymbol{r}', 0) W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0)$$

$$= i G(\boldsymbol{r}, t = 0; \boldsymbol{r}', 0) W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0).$$

But note that G(t = 0) is not well-defined: at t = 0 there is a stepwise jump (§ 1.2.1). We know Fourier transformation always correct f(t) to  $(f(t + 0^+) + f(t - 0^+))/2$ , and therefore what we get is essentially

$$\Sigma^{GW}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) \approx \Sigma^{\text{COHSEX}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega)$$

$$= \frac{\mathrm{i}}{2} (G(\boldsymbol{r}, t = 0^+; \boldsymbol{r}', 0) + G(\boldsymbol{r}, t = 0^-; \boldsymbol{r}', 0)) W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0),$$
(4.34)

which doesn't really have  $\omega$  dependence. The time domain version is

$$\Sigma^{\text{COHSEX}} = \frac{\mathrm{i}}{2} W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0) G(\boldsymbol{r}, t; \boldsymbol{r}', 0) (\delta(t + 0^+) + \delta(t - 0^+)). \tag{4.35}$$

Until now, we still don't see why we call this Coulomb-hole plus screened exchange. However, note that

$$G(\mathbf{r}, t = 0^+; \mathbf{r}', 0) + G(\mathbf{r}, t = 0^-; \mathbf{r}', 0)$$

$$= -i \langle \Psi | \psi(\mathbf{r}) \psi^{\dagger}(\mathbf{r}) - \psi^{\dagger}(\mathbf{r}') \psi(\mathbf{r}) | \Psi \rangle$$

$$= -i \langle \delta(\mathbf{r} - \mathbf{r}') - 2 \langle \Psi | \psi^{\dagger}(\mathbf{r}') \psi(\mathbf{r}) | \Psi \rangle),$$

and therefore we have

$$\Sigma^{\text{COHSEX}} = \Sigma^{\text{COH}} + \Sigma^{\text{SEX}}, \tag{4.36}$$

$$\Sigma^{\text{COH}} = \frac{1}{2}\delta(\mathbf{r} - \mathbf{r}')W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega = 0), \tag{4.37}$$

$$\Sigma^{\text{SEX}} = -\langle \Psi | \psi^{\dagger}(\mathbf{r}') \psi(\mathbf{r}) | \Psi \rangle W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega = 0). \tag{4.38}$$

# 4.3.2 The COHSEX decomposition of $\Sigma$

In this section I prove that similar to the case in last section, for the generic GW self-energy, we are still able to split  $\Sigma_n^{GW}(\mathbf{k},\omega)$  into two parts, corresponding to the so-called COH and SEX terms above. To make the notation less cumbersome, below I temporarily omit the  $\mathbf{r}$  and  $\mathbf{r}'$  variables. Thus the spectral representation of the time-ordered Green function is

$$G(\omega) = \int d\omega' \frac{A(\omega')}{\omega - \omega' + i \operatorname{sgn}(\omega')}.$$
 (4.39)

Some papers use  $\omega$  to refer to the "absolute energy" of the electron, which is  $\omega + \mu$  in this note; under their convention, we have

$$G(\omega) = \int d\omega' \frac{A(\omega')}{\omega - \omega' + i \operatorname{sgn}(\omega' - \mu)}, \tag{4.40}$$

and the fact that the electron is above the Fermi energy is equivalent to the inequality  $\omega > \mu$ , not  $\omega > 0$ . Note that  $A(\omega')$  is defined on the real axis and is completely analytic; the denominator in the above equation contains all the singularities of  $G(\omega)$ .

The GW self-energy then is

$$\Sigma(\omega) = iGW = i \int \frac{d\omega'}{2\pi} e^{-i0^{+}\omega'} G(\omega - \omega') W(\omega')$$

$$= i \int \frac{d\omega'}{2\pi} e^{-i0^{+}\omega'} W(\omega') \underbrace{\int d\omega'' \frac{A(\omega'')}{\omega - \omega' - \omega'' + i \operatorname{sgn}(\omega'')}}_{G(\omega - \omega')}. \tag{4.41}$$

Now we know there are poles in the factor  $W(\omega')$ ; this can be done by doing a spectral decomposition for  $W(\omega')$ . As for the contribution from the  $(\omega - \omega' - \omega'')$  denominator of the Green function, we have

$$\begin{split} & [\Sigma(\omega)]_{\text{from }G} \\ & = \mathrm{i} \int \mathrm{d}\omega'' \, A(\omega'') \int \frac{\mathrm{d}\omega'}{2\pi} \frac{\mathrm{e}^{-\mathrm{i}0^{+}\omega'} W(\omega')}{\omega - \omega' - \omega'' + \mathrm{i} \, \mathrm{sgn}(\omega'')} \\ & = \mathrm{i} \int \mathrm{d}\omega'' \, A(\omega'') \\ & \quad \times \begin{cases} 0, & \omega'' > 0, \\ \frac{1}{2\pi} \cdot (-2\pi\mathrm{i}) \lim_{\omega' \to \omega - \omega''} (\omega' - \omega - \omega'') \cdot \frac{\mathrm{e}^{-\mathrm{i}0^{+}\omega'} W(\omega')}{\omega - \omega' - \omega'' + \mathrm{i} \, \mathrm{sgn}(\omega'')}, & \omega'' \leq 0 \end{cases} \\ & = \mathrm{i} \int_{-\infty}^{0} \mathrm{d}\omega'' \, A(\omega'') \cdot \mathrm{i} W(\omega - \omega'') \\ & = -\int_{-\infty}^{0} \mathrm{d}\omega'' \, A(\omega'') W(\omega - \omega''). \end{split}$$

Note that the  $e^{-i0^+\omega'}$  factor means if we want to use the residue theorem and contour integration to evaluate this expression, we should go around the lower half plane; when  $\omega'' > \mu$ , we get a pole outside of this integral contour, and thus the integral vanishes.

If we are doing Hartree-Fock approximation, and thus W is actually the bare Coulomb interaction v, then this is all we have: W, in this case, contains no pole, and therefore  $\Sigma$  comes completely from the poles of the Green function part, and is just the whole exchange-correlation energy. So when W is the screened Coulomb potential,  $[\Sigma]_{\text{from }G}$  can be obtained by simply replacing v in Hartree-Fock exchange-correlation energy by  $W(\omega)$ . Thus we name this term the **screened** exchange-correlation energy, or SEX in short.

Now we move to the part of  $\Sigma$  coming from poles in W. The usual spectral expansion like the follows:

$$W(\omega) = v + \int_0^\infty d\omega' \frac{2\omega'}{\omega^2 - (\omega' - i0^+)^2} B(\omega'), \tag{4.42}$$

from which we find

$$\operatorname{Im} W(\omega) = -\pi B(\omega). \tag{4.43}$$

Here we slightly misuse the notation apply the Re and Im operators only to contributions of poles, i.e. real and imaginary parts that come from the analytic structure with respect to the variable  $\omega$ ; thus, in this section, Re  $\Sigma(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  is not really real. In free space, since Re  $\Sigma(\mathbf{k}, \omega)$  is real, and Re  $\Sigma(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  is its Fourier transform, we find Re  $\Sigma(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) \sim \mathrm{e}^{\mathrm{i}\mathbf{k}\cdot(\mathbf{r}-\mathbf{r}')}$  and obligatory has an imaginary part. Also, after GW correction, we actually have possible non-diagonal terms in  $\Sigma_{nn'}(\mathbf{k}, \omega)$ , and these non-diagonal terms are not necessarily real. Since we assume the system to have time reversal symmetry, we have  $W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) = W(\mathbf{r}, \mathbf{r}', -\omega)$ , and therefore  $W(\omega)$  is an even function, and the Kramers–Kronig relation now reads

 $\operatorname{Re} W(\omega) = -\frac{1}{\pi} \int_0^\infty d\omega' \frac{2\omega'}{\omega'^2 - \omega^2} \operatorname{Im} W(\omega),$ 

and since  $W(\omega)$  is to be time-ordered, just like its building blocks, i.e. the time-ordered Green functions, positive poles of  $W(\omega)$  should have negative infinitesimal imaginary parts, while negative poles of  $W(\omega)$  should have positive infinitesimal imaginary parts, and thus we get (4.42). From the spectral representation (4.42) we have

$$\begin{split} & [\Sigma(\omega)]_{\text{from }W} \\ & = \mathrm{i} \int \frac{\mathrm{d}\omega'}{2\pi} W(\omega') \mathrm{e}^{-\mathrm{i}0^+\omega'} \int \mathrm{d}\omega'' \, \frac{A(\omega'')}{\omega - \omega' - \omega'' + \mathrm{i}\,\mathrm{sgn}(\omega'')} \bigg|_{\text{no pole from }G} \\ & = \mathrm{i} \frac{-2\pi\mathrm{i}\,\mathrm{Res}_{\omega'\,\,\mathrm{in \,lower \,plane}}}{2\pi} \int_0^\infty \mathrm{d}\omega''' \, \frac{2\omega''' B(\omega''')}{\omega'^2 - (\omega''' - \mathrm{i}0^+)^2} \times \\ & \int \mathrm{d}\omega'' \, \frac{A(\omega'')}{\omega - \omega' - \omega'' + \mathrm{i}\,\mathrm{sgn}(\omega'')} \\ & = \int_0^\infty \mathrm{d}\omega''' \int \mathrm{d}\omega'' \, \lim_{\omega' \to \omega''' - \mathrm{i}0^+} \frac{(\omega' - \omega''' + \mathrm{i}0^+)}{\omega'^2 - (\omega''' - \mathrm{i}0^+)^2} \frac{2\omega''' A(\omega'') B(\omega''')}{\omega - \omega' - \omega'' + \mathrm{i}\,\mathrm{sgn}(\omega'')} \\ & = \int_0^\infty \mathrm{d}\omega''' \int \mathrm{d}\omega'' \, \frac{A(\omega'') B(\omega''')}{\omega - \omega''' - \omega'' + \mathrm{i}\,\mathrm{sgn}(\omega'')}. \end{split}$$

Here we have omitted the v term in the expression of W, because it contains no pole, and therefore its contribution is already considered in the SEX part. We call the above contribution from poles in W the **Coulomb-hole part**, or COH in short.

In conclusion, we are able to split  $\Sigma^{GW}$  into two parts, namely

$$\Sigma^{GW} = \Sigma^{\text{COH}} + \Sigma^{\text{SEX}}, \tag{4.44}$$

where

$$\Sigma^{\text{SEX}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) = -\int_{-\infty}^{0} d\omega' A(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega') W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega - \omega'), \qquad (4.45)$$

and

$$\Sigma^{\text{COH}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) = \int_0^\infty d\omega'' \int_{-\infty}^\infty d\omega' \frac{A(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega')B(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega'')}{\omega - \omega' - \omega'' + i \operatorname{sgn}(\omega')}.$$
 (4.46)

There is a sign difference in (13b) in [18]; but it seems they made a mistake there, since (17b) in [18] agrees well with my result.

When the behavior of the system is Fermi liquid-like, we can approximately have (1.40) even for interactive Green function, and therefore

$$G(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) = \sum_{n, \mathbf{k}} \frac{\phi_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r})\phi_{n\mathbf{k}}^*(\mathbf{r}')}{\omega - \xi_{n\mathbf{k}} + i0^+ \operatorname{sgn}(\xi_{n\mathbf{k}})},$$
(4.47)

$$A(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega) = \sum_{n,k} \delta(\omega - \xi_{nk}) \phi_{nk}(\mathbf{r}) \phi_{nk}^*(\mathbf{r}'), \qquad (4.48)$$

and hence

$$\Sigma^{\text{SEX}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) = -\sum_{n,\boldsymbol{k}}^{\text{occ}} \phi_{n\boldsymbol{k}}(\boldsymbol{r}) \phi_{n\boldsymbol{k}}^*(\boldsymbol{r}') W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega - \xi_{n\boldsymbol{k}}), \qquad (4.49)$$

$$\Sigma^{\text{COH}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) = \sum_{n, \boldsymbol{k}} \phi_{n\boldsymbol{k}}(\boldsymbol{r}) \phi_{n\boldsymbol{k}}^*(\boldsymbol{r}') \int_0^\infty d\omega' \frac{B(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega')}{\omega - \xi_{n\boldsymbol{k}} - \omega' + i \operatorname{sgn}(\xi_{n\boldsymbol{k}})}.$$
 (4.50)

### 4.3.2.1 Going back to static COHSEX

When we sum over  $n, k, \xi_{nk}$  varies, and so does  $\omega - \xi_{nk}$ . This, of course, means  $\Sigma^{\text{COH}}$  has frequency dependence. However, when the peak frequency of  $B(\omega')$  is much larger than this frequency dependence, we have

$$\Sigma^{\text{COH}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega) = \sum_{n, \boldsymbol{k}} \phi_{n\boldsymbol{k}}(\boldsymbol{r}) \phi_{n\boldsymbol{k}}^*(\boldsymbol{r}') P \int_0^\infty d\omega' \frac{B(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega')}{-\omega'}.$$

The RHS of this equation can be seen by setting  $\omega$  to zero in (4.42): we have

$$W(\omega = 0) = v + \int_0^\infty d\omega' \frac{2\omega'}{-\omega'^2 + i0^+} B(\omega'),$$

and thus

$$\Sigma^{\text{COH}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}') = \sum_{n, \boldsymbol{k}} \phi_{n\boldsymbol{k}}(\boldsymbol{r}) \phi_{n\boldsymbol{k}}^*(\boldsymbol{r}') \cdot \frac{1}{2} \operatorname{Re}(W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0) - v(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}'))$$

$$= \frac{1}{2} \delta(\boldsymbol{r} - \boldsymbol{r}') \operatorname{Re}(W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0) - v(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}')).$$
(4.51)

TODO: why in Louie (19) there is a -v term in the COH term

TODO: the name "Coulomb hole"

Similarly, we can replace  $\omega - \xi_{nk}$  by zero in (4.49), and thus we get

$$\Sigma^{\text{SEX}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}') = -\sum_{n, \boldsymbol{k}}^{\text{occ}} \phi_{n\boldsymbol{k}}(\boldsymbol{r}) \phi_{n\boldsymbol{k}}^*(\boldsymbol{r}') \operatorname{Re} W(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}', \omega = 0).$$
 (4.52)

So now, by replacing  $\omega - \xi_{nk}$  by zero, or in other words, by getting rid of the frequency dependence, which is the approximation used in (4.3.1), we get (4.37) and (4.38) Note that since we can easily prove that

$$\Sigma^{\mathrm{SEX}}(\boldsymbol{r}, \boldsymbol{r}') = (\Sigma^{\mathrm{SEX}}(\boldsymbol{r}', \boldsymbol{r}))^*$$

 $\Sigma^{\text{SEX}}$  is "real" in the sense of being real in the momentum space (see the start of this section), and we also have

$$\langle \Psi | \psi^{\dagger}(\mathbf{r}') \psi(\mathbf{r}) | \Psi \rangle = \phi_{n\mathbf{k}}(\mathbf{r}) \phi_{n\mathbf{k}}^{*}(\mathbf{r}'), \tag{4.53}$$

which is also "real" in this sense, and thus (4.52) is the "real part" of (4.38).

TODO: COHSEX for time-dependent GW can't be obtained using the spectral representation techniques in this section?

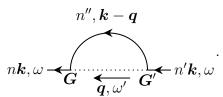
In conclusion, what is done in § 4.3.1 should better be called *static* COHSEX; even the full GW self-energy can be decomposed in this manner. The static COHSEX approximation only makes use of the  $\omega = 0$  component of W, or in other words  $\epsilon$ : it involves no frequency dependence of screening at all, while GPP (§ 4.2.2) takes some frequency dependence into account, although in a rather crude way.

### 4.3.3 From dielectric matrix to self-energy

In the last section there are two problems left. First, we need to find an explicit form of the  $B(\mathbf{r}, \mathbf{r}', \omega)$  function; this actually is already done in (4.43), and is reduced to finding the "imaginary part" of the dielectric constant (note that in (4.43) the symbol Im ignores imaginary parts coming from wave functions, etc., and so-called Im  $\epsilon$  isn't necessarily a real number):

$$B(\omega) = -\frac{1}{\pi} \operatorname{Im} \epsilon^{-1}(\omega) v. \tag{4.54}$$

Second, we need to rewrite the equations in the crystal momentum space. We can do this by definition, but a more intuitive way to do so is to notice the fact that although the decomposition of  $\Sigma$  into the COH and SEX terms means the two terms now have *complex analytic structures* different from that of the original iGW, both the COH term and the SEX term still keep the linear contraction structure shown in (1.48). We label the variables in the screened Fock diagram as the follows:



Then, from (4.49), we can immediately find

$$\langle n\boldsymbol{k}|\Sigma^{\text{SEX}}(\omega)|n'\boldsymbol{k}\rangle = -\sum_{n''}^{\text{occ}} \sum_{\boldsymbol{q},\boldsymbol{G},\boldsymbol{G}'} M_{n''n}^*(\boldsymbol{k},-\boldsymbol{q},-\boldsymbol{G})$$

$$\times \epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{-1}(\boldsymbol{q},\omega-\xi_{n'',\boldsymbol{k}-\boldsymbol{q}})v(\boldsymbol{q}+\boldsymbol{G}')$$

$$\times M_{n''n'}(\boldsymbol{k},-\boldsymbol{q},-\boldsymbol{G}'),$$

$$(4.55)$$

where we have already integrated out the m'', k - q propagator and therefore the frequency on the Coulomb interaction line is  $\omega - \xi_{n'',k-q}$ . Similarly from (4.50),

we have

$$\langle n\boldsymbol{k}|\Sigma^{\text{COH}}(\omega)|n'\boldsymbol{k}\rangle = \sum_{n''} \sum_{\boldsymbol{q},\boldsymbol{G},\boldsymbol{G}'} M_{n''n}^*(\boldsymbol{k}, -\boldsymbol{q}, -\boldsymbol{G})$$

$$\times \int_0^\infty d\omega' \left(-\frac{1}{\pi}\right) \frac{\operatorname{Im} \epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{-1}(\boldsymbol{q}, \omega') v(\boldsymbol{q} + \boldsymbol{G}')}{\omega - \xi_{n\boldsymbol{k}} - \omega' + i \operatorname{sgn}(\xi_{n\boldsymbol{k}})}$$

$$\times M_{n''n'}(\boldsymbol{k}, -\boldsymbol{q}, -\boldsymbol{G}'). \tag{4.56}$$

The "imaginary part" of the time-ordered dielectric function  $\epsilon_{GG'}^{-1}$  can be obtained from the advanced and retarded dielectric functions. First, we notice that the difference between the advanced and retarded dielectric functions is just changing the sign of the imaginary parts of the poles, and by Taylor expansion we can explicitly verify that

$$\frac{1}{a+bi} - \frac{1}{a-bi} = 2i\operatorname{Im}\frac{1}{a+bi},$$

where a, b are considered to be real in the eye of the Im operator. We also know that when  $\omega' > 0$ ,  $\epsilon(\omega')$  should be same as  $\epsilon^{r}(\omega')$ . Thus we find when  $\omega' > 0$ , we always have

$$\operatorname{Im} \epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{-1}(\boldsymbol{q},\omega') = \operatorname{Im} [\epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{\mathrm{r}}]^{-1}(\boldsymbol{q},\omega') = \frac{[\epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{\mathrm{r}}]^{-1}(\boldsymbol{q},\omega') - [\epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{\mathrm{a}}]^{-1}(\boldsymbol{q},\omega')}{2\mathrm{i}}. \quad (4.57)$$

(4.56) thus becomes

$$\langle n\boldsymbol{k}|\Sigma^{\text{COH}}(\omega)|n'\boldsymbol{k}\rangle = \frac{\mathrm{i}}{2\pi} \sum_{\boldsymbol{n}''} \sum_{\boldsymbol{q},\boldsymbol{G},\boldsymbol{G}'} M_{n''n}^*(\boldsymbol{k},-\boldsymbol{q},-\boldsymbol{G}) M_{n''n'}(\boldsymbol{k},-\boldsymbol{q},-\boldsymbol{G}')$$

$$\times \int_0^\infty \mathrm{d}\omega' \frac{[\epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{\mathrm{r}}]^{-1}(\boldsymbol{q},\omega') - [\epsilon_{\boldsymbol{G}\boldsymbol{G}'}^{\mathrm{a}}]^{-1}(\boldsymbol{q},\omega')}{\omega - \xi_{n\boldsymbol{k}} - \omega' + \mathrm{i}0^+ \operatorname{sgn}(\xi_{n\boldsymbol{k}})} v(\boldsymbol{q} + \boldsymbol{G}').$$

$$(4.58)$$

# 4.4 Self-consistency modes

We know in the momentum space, we have

$$E_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{QP}} = E_{n\mathbf{k}}^{0} + \Sigma_{n\mathbf{k}}(E^{\mathrm{QP}}). \tag{4.59}$$

Here since  $\Sigma$  depends on the corrected propagator,  $E_{nk}^{\text{QP}}$  enters its expression. The cost of GW calculation means we need to first do a DFT calculation and feed this as the input of the GW package (the former usually mysteriously called the "mean field" step, though we may also say GW is a mean-field method, although a more elaborated one; on the other hand, in principle – though of course not in practice – DFT is able to decide everything about the system), so (4.59) now is

$$E_{\mathbf{k}}^{\mathrm{QP}} = E_{\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}} + \Sigma_{\mathbf{k}}(E^{\mathrm{QP}}) - \Sigma^{\mathrm{KS}}.$$
 (4.60)

Here  $\Sigma^{\rm KS}$  is the so-called DFT self-energy, i.e. the Hartree potential plus the exchange-correlation potential. Note that here I don't insert band indices into the equation, because  $\Sigma_k$  may mix different bands together, and (4.60) is an equation about matrices, essentially a single-electron Schrodinger equation.

The problem then is how to solve this highly complicated equation. There are two non-trivial aspects: the first is that the RHS depends on  $E^{\rm QP}$ ; the second is that the equation is a matrix equation. We are going to discuss different levels of approximations regarding these aspects.

#### Diagonal $G_0W_0$ 4.4.1

The non-diagonal feature of (4.60) is also what is frequently encountered in singleelectron quantum mechanics: a perturbation remixes several eigenstates of the unperturbed system, and when the perturbation is small, perturbation expansion can be used. In the first order approximation, only the eigenvalues are updated; the wave function remains the same. Thus we have

$$E_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{QP}} = E_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}} + \langle \psi_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}} | \Sigma(E_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{QP}}) - \Sigma^{\mathrm{KS}} | \psi_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}} \rangle. \tag{4.61}$$

The non-diagonal properties are completely ignored here; we still need to deal with the frequency dependence on the RHS. The most naive approximation is

$$E_{n\mathbf{k}}^{\text{QP, 0}} = E_{n\mathbf{k}}^{\text{KS}} + \left\langle \psi_{n\mathbf{k}}^{\text{KS}} \middle| \Sigma(E_{n\mathbf{k}}^{\text{KS}}) - \Sigma^{\text{KS}} \middle| \psi_{n\mathbf{k}}^{\text{KS}} \right\rangle. \tag{4.62}$$

This however is usually not good enough; one way to slightly improve the accuracy is outlined in the follows. We have

$$\begin{split} E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{QP}} &\approx E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}} + \left\langle \psi_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}} \middle| \Sigma(E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}}) + \frac{\partial \Sigma}{\partial E} \middle|_{E_{\mathrm{KS}}} (E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{QP}} - E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}}) - \Sigma^{\mathrm{KS}} \middle| \psi_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}} \right\rangle \\ &= E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{QP},0} + (E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{QP}} - E_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}}) \cdot \frac{\partial}{\partial E} \left\langle \psi_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}} \middle| \Sigma \middle| \psi_{n\boldsymbol{k}}^{\mathrm{KS}} \right\rangle, \end{split}$$

from which we find

$$E_{n\mathbf{k}}^{\text{QP,1}} = E_{n\mathbf{k}}^{\text{QP,0}} + \frac{d\Sigma/dE}{1 - d\Sigma/dE} (E_{n\mathbf{k}}^{\text{QP,0}} - E_{n\mathbf{k}}^{\text{KS}}), \tag{4.63}$$

where  $\mathrm{d}\Sigma/\mathrm{d}E$  means  $\frac{\partial}{\partial E} \langle \psi_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}} | \Sigma | \psi_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}} \rangle$  at  $E = E_{n\mathbf{k}}^{\mathrm{KS}}$ . TODO: when doing iterative calculation,  $V_{\mathrm{H}}$  may no longer be the same between DFT and GW?? So when doing iterative calculation, should we calculate "the  $GW V_{\rm H}$ "?

#### Self-consistent or not 4.4.2

There are three iterative schemes. The first is the eigenvalue self-consistent scheme: It's just a self-consistent solver of (4.61) – self-consistency is needed because the RHS contains E dependence. In this case, we don't need off-diagonal elements, because they are not used in (4.61). This scheme is mentioned in Section 3.3 in [12]. The second scheme takes the change of eigenstates into account, and thus iteratively solves (4.60). In this case we need to take non-diagonal elements seriously [2, 13]. In the third scheme, the form of  $\Sigma$  itself is changed: Recall that we need an epsilon step to calculate  $\epsilon$  and thus the screened interaction potential W, and  $\Sigma = iGW$ . This in general is not recommended, because we know GW tends to widen the band gap, and sometimes as we iteratively update the band gap, it becomes too large. The origin of this overestimation of band gap is that GW neglects the vertex, so iterative GW only leads us towards the more and more inaccurate way.

The non-self-consistent  $G_0W_0$  calculation proves to be a better choice empirically, if the initial DFT input is of good quality – and here there is another empirical observation that sometimes LDA functional together with  $G_0W_0$  provides better results. Still, the argumentation provided above only explains why iterative GW is bad, but doesn't explain why one-shot GW is good. In other words, we need to know how certain factors in the one-shot GW scheme somehow makes up for the missing vertex correction. Indeed, if we capture the vertex effects, the accuracy can be improved [24]. TODO: physical picture

One possible form of the vertex is the electron-hole interaction, which is calculated by solving the BSE. Now an empirical fact is LDA tends to give the same band gap as BSE, leading to a pretty good one-shot approximation.

The question, then, is why LDA in some cases works as well as BSE. The reason for this is because of the relation between the derivative discontinuity in DFT and electron-hole interaction kernel TODO: the relation with [21]

### 4.5 The exciton kernel

### 4.5.1 The Tamm-Damcoff approximation

## 4.6 Accuracy of GW

GW proves to be accurate enough for most weakly-correlated systems. TODO: any counter-examples? Recently, it's also applied successfully to systems like polymers, nano-wires and molecules.

# 4.7 On so-called failure of GW and convergence issues

Some (weak-correlated, of course) materials are claimed to be impossible to be characterized correctly using GW, or at least  $G^0W^0$ . [23] refutes such a claim, at least for ZnO. The root for this seems to be poor convergence test: people often use insufficient number of bands, etc.

See https://www.nersc.gov/assets/Uploads/ConvergenceinBGW.pdf

# 4.8 Building the exciton kernel

One issue surrounding the Tamm-Dancoff approximation is why it is an approximation at all: the fact that we have de-excitation terms in the "exciton wave function" might be surprising, since in Fermi liquid theory we know there is absolutely no electron occupation above the Fermi energy, and thus the Fermi sea is the ground state of the system and it seems we can't expect to see de-excitation terms, since the latter comes from  $\psi(\mathbf{r})\psi^{\dagger}(\mathbf{r}')$  creating an electron-hole pair that happens to be a component of the interactive ground state. The point here is in Fermi liquid theory, the ground state is *not* a Fock state, although in the eyes of single-electron operators, the ground state looks identical to a Fock state (when we are in the  $T \to 0$  limit and the uncertainty of the momentum isn't serious). The clear-cut Fermi energy, above which the expected number of electron is zero,

can be seen by taking the imaginary part of the Lehmann representation of the single-electron Green function; but then this doesn't mean the ground state or excited states is any kind of Fock state with the wave function attached to each state being  $\langle \Omega | \psi(\mathbf{r}) |$  excited state $\rangle$ .

To see this clearly, we first note that the "single-electron wave function" in Lehmann representation of the single-electron Green function also contains contributions from the valence bands, which, if the ground state were a Fock state, would vanish, just like how  $\chi_S(\mathbf{r},\mathbf{r}')$  contains the B terms. In the below expression, which is a part of  $\langle \Omega | \psi(\mathbf{r}) | \text{single-electron} \rangle$  and therefore is a part of the "wave function" of a renormalized single-electron state (not a single-hole state), all energy level diagrams represent Fock states. Since the ground state is interactively renormalized, it of course contains more than one Fock state component, which, intuitively speaking, means it contains spontaneously generated electronhole pairs. So now we can see it's possible that  $\psi$  kills the electron above the Fermi sea in the ket part of the expression, and the resulting state is just the non-interactive Fermi sea state; but it's also possible that the  $\psi$  operator kills one electron in the occupied state, and the resulting state now has to combine with the first term (that's proportional to the strength of interaction g) in the bra part:

$$\left(g\left\langle \begin{array}{c} \bullet \\ \bullet \end{array} \right| + \left\langle \begin{array}{c} \bullet \\ \bullet \end{array} \right| + \cdots \right) \psi \left( \begin{array}{c} \bullet \\ \bullet \end{array} \right) + \cdots \right). \tag{4.64}$$

The first possibility gives us the unrenormalized wave function of the occupied state above the Fermi sea, and the second possibility gives us the unrenormalized wave function of an occupied state in the Fermi sea; so we find that in the so-called interactive single-electron wave function  $\langle \Omega | \psi(\mathbf{r}) |$  single-electron  $\rangle$  we do have contributions from the valence band.

Now we point out an important fact: this contribution from the valence band always exists, even if we use  $\langle \Omega | \psi(\mathbf{r}) |$  single-hole to construct a Fermi sea state: the point here is not how  $\phi_{nk}$ 's (or even  $\phi_n$ 's, since the momentum actually is ill-defined – although this is not a serious problem for Fermi liquid) in a Fock state should be modified, but that either the ground state or the excited states are no longer Fock states any more after Coulomb Interaction is turned on. By treating  $\langle \Omega | \psi(\mathbf{r}) | \text{single-QP} \rangle$  as real single-electron wave functions (found in a Fock state), we won't encounter any real problem when calculating single-electron quantities in a Fermi liquid, since these "single-electron wave functions" appear in the Lehmann representation of the single-electron Green function, which is the source of all single-electron quantities. But the many-body wave functions of a Fermi liquid is still not a Fock state after all, and these "occupations above the Fermi sea", although can't really be seen by single-electron occupation distribution (and we can't really tell whether valence band-like characteristics appearing in renormalized conduction bands are merely band remixing effects or what is shown in (4.64)). This difference can be seen by excitons, and hence the B terms in  $\chi_S(\boldsymbol{r},\boldsymbol{r}').$ 

# Chapter 5

# The QuantumESPRESSO-BerkeleyGW ecosystem

# 5.1 Overview of the pipeline

TODO: whether and how BerkeleyGW supports HSE06. See https://groups.google.com/a/berkeleyg Note that the division of labor is different in the GW step and the BSE step. The sigma program doesn't really do diagonalization, so building  $\Sigma$  and finding quasiparticle energies are done in one step, which is implemented in sigma. On the other hand, diagonalization is needed for BSE: this can be seen from the physical picture of the exciton as a pair of electrons and holes constantly changing their momenta. So building the kernel – counterpart of  $\Sigma$  – is done in one step (kernel), while diagonalizing it is done in another step (absorption). Of course, for "GW for exciton" – where the Coulomb line is replaced by, say, the effective interaction line induced by phonons – the division of labor seen in the GW part of BerkeleyGW should be used; but this is not implemented in BerkeleyGW anyway.

### 5.2 Relativistic effects

BerkeleyGW supports SOC calculation, with the so-called fully relativistic mode and the scalar relativistic mode; I say "so-called" because all the calculations are still done in the framework of Schrodinger equation, with relativistic effects being introduced by adding perturbative terms like  $L \cdot S$  or  $p^4$  [6]. On the other hand, when it comes to calculating the inner structure of atoms (which, in condensed matter physics, is usually seen when we generate our own pseudopotentials), being "fully relativistic" means using *Dirac equation*.

# 5.3 Input and output of pw

# 5.4 The epsilon step

### 5.4.1 Procedure and speed

What epsilon does, as its name implies, is to calculate  $\epsilon$  – and since  $\epsilon$  is used to find W, we need  $\epsilon^{-1}$ . The relative equations are (8-10) in [12]; relative discussions can be found in § 4.2. There are three steps in epsilon:

- 1. Calculate  $M_{nn'}(\boldsymbol{k}, \boldsymbol{q}, \boldsymbol{G})$ ;
- 2. Summing over n, n', k;
- 3. Finding  $\epsilon^{-1}$ .

With a fixed accuracy requirement, the time cost of first step is  $\sim N^3 \log N$ , where N is the number of atoms per unit cell. The k and q points are given by the q-grid given in epsilon.inp and the k-grid in the wave function files, so they are fixed are not a part of the scaling. With the cutoff energy fixed, the size of the G-grid is proportional to V, which is in turn proportional to N (the distance between atoms is roughly fixed, and therefore the more atoms we have, the larger the unit cell is). With a fixed accuracy standard, the required numbers of occupied bands and empty bands are all  $\sim N$ , so the number of matrix elements of  $M_{nn'}(k,q,G)$  scales as  $N^3$ . For each matrix element, we need to calculate  $\langle n, k+q | \mathrm{e}^{\mathrm{i}(q+G)\cdot r} | n'k \rangle$ . Note that the matrix inside contains only r, and the expression therefore can be evaluated as

$$\int \mathrm{d}^3 \boldsymbol{r} \, \phi_{n,\boldsymbol{k}+\boldsymbol{q}}^*(\boldsymbol{r}) \mathrm{e}^{\mathrm{i}(\boldsymbol{q}+\boldsymbol{G})\cdot \boldsymbol{r}} \phi_{n'\boldsymbol{k}}(\boldsymbol{r}),$$

and the scale of the calculation needed is proportional to V and again N. In practice, we use the G representation to calculate the matrix element, and again the time cost is  $\sim N$ . (Note that the two estimations are equivalent: by saying the time cost is proportional to V, we implicitly imply the absolute spatial resolution is fixed, which, in other words, means we fix the cutoff energy.) So naively, the time cost is  $\sim N^4$ . Fortunately the matrix element  $M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G})$  with fixed  $n, n', \mathbf{G}$  can be evaluated by fast Fourier transformation, so eventually, the time cost scales like  $N^3 \log N$ .

The time cost of the second step, in a serial program, scales like  $N^4$ . We sum over n and n', each of which has  $\sim N$  values. And we need to calculate  $\chi_{GG'}$ , where the values of G and G' are all roughly proportional to N. So the final scaling of the time cost is  $N^4$ . This however can be parallelized, and eventually, in a well optimized parallelized package, the time cost scales like  $N^2$ .

The time cost of the third step – the matrix inversion step – scales like  $N^3$ .

### 5.4.2 Divergence problems when $q \to 0$

When calculating  $\epsilon_{GG'}(q, \omega = 0)$ , we notice that when G = G' = 0, the matrix element diverges as  $q \to 0$ . For an insulator, we have

$$\begin{split} \epsilon_{\mathbf{00}}(\boldsymbol{q} \to \boldsymbol{0}, \omega = 0) &\propto -\frac{1}{\boldsymbol{q}^2} \chi_{\mathbf{00}}(\boldsymbol{q} \to \boldsymbol{0}, \omega = 0) \\ &\propto \sum_{n \text{ occupied}, n' \text{ empty}} -\frac{1}{\boldsymbol{q}^2} |\langle n\boldsymbol{k}| 1 + \mathrm{i}(\boldsymbol{q} + \boldsymbol{G}) \cdot \boldsymbol{r} + \cdots |n'\boldsymbol{k}\rangle|^2 \\ &\propto \mathrm{const.} \times \frac{\boldsymbol{q}^2}{\boldsymbol{q}^2}. \end{split} \tag{5.1}$$

Here the first term in the Taylor expansion of  $e^{i(q+G)\cdot r}$  vanishes because of orthogonality conditions. We see  $\epsilon_{00}(q \to 0, \omega = 0)$  has a definite value.

For a metal, some bands are both occupied and empty, so we can no longer use the orthogonality conditions, and  $\epsilon_{00}(q \to 0, \omega = 0)$  scales like  $C/q^2$ . TODO: whether this is a numerical artifact or not To decide the constant C, very find description of the Fermi surface is needed, so we need a very fine k-grid. On the other hand, we don't really need many bands, because for the metal  $\epsilon_{00}(q \to 0, \omega = 0)$ , most of the relevant transitions are inter-band ones.

### 5.4.3 Frequency dependence of $\epsilon$

The  $\epsilon_{GG'}(q,\omega)$  matrix has frequency dependence. The fastest way to handle this is to calculate the  $\omega=0$  case only and then find the plasmon frequency, and then, the  $\epsilon_{GG'}(q,\omega)$  curve can be fitted using sum rules. TODO

The spectral function – used in ARPES simulation – can't be accurately obtained just by the above mentioned method. Thus, **full frequency** treatments are needed. A trick called **static subspace** can speed up the process. TODO

### 5.4.4 Console output

The console output of epsilon has the following structure:

- 1. Initialization
- 2. Iterating over the q-grid. For each q-point,
  - (a) The output starts with something like

```
→

13:59:21 Dealing with q = 0.000000 0.500000

→ 0.000000 5 / 35
```

This is a regular non-zero q-point.

(b) Then we can see lines about Rank of the polarizability matrix, BLACS processor grid, and Number of k-points in the irreducible BZ(q) (nrk). (c) Now we enter the first step mentioned in § 5.4.1. The start line looks like

Started calculation of matrix elements with 324  $\hookrightarrow$  transition(s) at 13:59:21.

(d) TODO: what's the corresponding step of the following line:

Started building polarizability matrix with 320 processor  $\hookrightarrow$  (s) at 13:59:30.

### 5.4.5 Other output files

The epsilon program generates the files mentioned in this page. Note that eps0mat.h5 is  $not \ \epsilon$  from DFT orbitals! In steps after epsilon, screening obtained from DFT orbitals are not used; we only use  $\epsilon$  from GW orbitals. The file eps0mat.h5 is the  $\epsilon$  around the  $\Gamma$  point. Thus, in principle, we can calculate eps0mat.h5 and epsmat.h5 in two runs, and indeed this is the case when we deal with a metallic system (§ 7.2.4).

## 5.5 Absorption

### 5.5.1

# 5.6 Systems of units

There are several system of units used in QuantumESPRESSO-BerkeleyGW ecosystem. The choice is often well-motivated: the cutoff energy, for example, is always in Ry; we note that

$$1 \,\text{Ry} = \frac{\hbar^2}{2ma_0^2},\tag{5.2}$$

and therefore if  $\mathbf{G} = \mathbf{n} \cdot 1/a_0$ , we have

$$\frac{\hbar^2 \mathbf{G}^2}{2m} \le E_{\text{cut}} \Leftrightarrow \left(\frac{2\pi a_0}{a}\right)^2 n_x^2 + \left(\frac{2\pi a_0}{b}\right)^2 n_y^2 + \left(\frac{2\pi a_0}{c}\right)^2 n_z^2 \le E_{\text{cut}}/\text{Ry}. \quad (5.3)$$

# Chapter 6

# Tight-binding models

TODO: from ab initio to models

# 6.1 Wannier functions and tight-binding models

For an insulator, we can construct exponentially decaying Wannier functions if and only if the Chern numbers are zero, and thus all insulators with inversion symmetry have exponentially decaying Wannier functions [8]

[20] introduces **maximally localized Wannier functions**. Although we usually say Wannier functions are Fourier transformations of Bloch functions, the fact that we have a gauge freedom in the global phase of each Bloch state – which may depend on k – means Wannier functions are strongly non-unique. We want Wannier functions to be as localized as possible.

The standard of localization is the localization functional

$$\Omega = \sum_{n} (\langle \boldsymbol{r}^2 \rangle_n - \langle \boldsymbol{r} \rangle_n^2). \tag{6.1}$$

It's possible to use density overlap or Coulomb self-interaction or something else to decide how localized a wave function is. The gauge-dependent part of the functional is

$$\tilde{\Omega} = \sum_{n} \sum_{n} \text{TODO} \tag{6.2}$$

It contains a derivative  $\nabla_k$ , and the usual numerical format is used.

Suppose we choose J bands (**frozen window**) and a set of smooth trial orbitals  $g_n(\mathbf{r})$ . We define

$$|\phi_{n\mathbf{k}}\rangle = \sum_{m=1}^{J} |\psi_{m\mathbf{k}}\rangle \langle \psi_{m\mathbf{k}}|g_n\rangle.$$
 (6.3)

Now the arbitrary phase factors all cancel out. Picking up  $g_n$  requires chemical intuition: if, say, a band mainly consists of electrons from a sp<sup>2</sup> chemical bond, then we should let  $g_n$  to be the sp<sup>2</sup> orbitals.

# 6.2 The cRPA approach to obtain effective models

Suppose we already have identified the bands that cause strongly correlated effects and are now ready to write an effective theory for them. Below, I use the subscript d for the bands considered and r for the rest. Then we have [4]

$$W = (1 - W_r P_d)^{-1} W_r, \quad W_r = (1 - v P_r)^{-1} v, \tag{6.4}$$

where  $P_d$  is the polarization within the d subspace, and  $P_r$  is the polarization involving at least one state in the r space (and may also involve a state in d subspace). The exact form of  $P_d$  is hard to obtain, because the d bands are strongly correlated and therefore usual Feynman diagram resummation schemes fail for them, but r bands are dispersive and extended enough for a diagrammatic resummation scheme like GW to work. Thus, the part concerning only r electrons in  $P_r$  can be reliably obtained using, say, RPA, which can be done using existing ab initio codes; the hopping between d bands and r bands is more tricky, TODO: why RPA for them is acceptable

### 6.3 Interaction channels

Several interaction channels with clear physical pictures can be identified from the tight-binding (screened) Coulomb repulsion TODO: 1/2N or?

$$H = \sum_{\sigma,\sigma'} \sum_{m.n.r.s} U_{mnrs} c_{m\sigma}^{\dagger} c_{n\sigma'}^{\dagger} c_{r\sigma'} c_{s\sigma'}. \tag{6.5}$$

The direct density-density interaction is

$$\sum_{m,n} \underbrace{U_{mnnm}}_{V_{mn}} n_m n_n, \quad n_m = \sum_{\sigma} c_{m\sigma}^{\dagger} c_{n\sigma}. \tag{6.6}$$

Specifically, we have **on-site repulsion** 

$$\sum_{m} U_{mmmm} c_{m\sigma}^{\dagger} c_{m\sigma'}^{\dagger} c_{m\sigma'} c_{m\sigma} = \sum_{m} \underbrace{U_{mmmm}}_{U} n_{m\uparrow} n_{m\downarrow}. \tag{6.7}$$

This is just the Hubbard-U term. If we can attribute the influence of other interaction channels to band structure self-energy correction, we just get the **Hubbard** models

$$H = -\sum_{m,n,\sigma} t_{mn} c_{m\sigma}^{\dagger} c_{n\sigma} + U \sum_{m} n_{m\uparrow} n_{m\downarrow}. \tag{6.8}$$

This deceptively simple model takes people more than half of a century to solve – and probably more, because even today, there is still no generalized way to find its ground state even on a 2D lattice.

The exchange interaction is

$$\sum_{m \neq n, \sigma, \sigma'} U_{mnmn} c_{m\sigma}^{\dagger} c_{n\sigma'}^{\dagger} c_{r\sigma'} c_{s\sigma'} = -2 \sum_{m \neq n} \underbrace{U_{mnmn}}_{J_{mn}} \left( \boldsymbol{S}_m \cdot \boldsymbol{S}_n + \frac{1}{4} n_m n_n \right).$$
 (6.9)

Here we have used the formula

$$\boldsymbol{\sigma}_{\alpha\beta} \cdot \boldsymbol{\sigma}_{\gamma\delta} = 2\delta_{\alpha\beta}\delta_{\beta\gamma} - \delta_{\alpha\beta}\delta_{\delta\gamma}. \tag{6.10}$$

We call this the exchange interaction, because the way we find it is mathematically identical to splitting the expectation of Coulomb interaction into the direct and the exchange terms using first quantization. The exchange interaction supports the first Hund's rule: if spins align with each other, the total energy can be reduced (it's more likely that  $U_{mnmn} > 0$  because Coulomb interaction is repulsive), and therefore the total spin is to be maximized.

# Chapter 7

# Carrying out calculations

List of technical issues:

- Band mode of BerkeleyGW
- Wannier "oscillation"

•

### 7.1 Details in installation

### 7.1.1 QuantumESPRESSO

What I write below is about QuantumESPRESSO 6.7Max; the names of compilation options and tags may change, but the overall idea is the same.

To enable OpenMP, the option --enable-openmp has to be added when we run ./configure. MPI parallelization however can't be obtained with adding this tag only: we need a MPI-wrapped compiler, as well as appropriately linked libraries like ScaLAPACK. The last time I tried this on Cori, the key point is to load module impi (i.e. IntelMPI) before running ./configure. It seems following this documentation page complicates matters (but probably they will update this page, and it then becomes useful; anyway, what to be remembered is we need MPI compilers to get the fully parallelized version).

Whether an MPI compiler is present can be checked by looking at make.inc; alternatively, you may pay attention to whether the message WARNING: parallel and serial compiler are the same appears in the output of make.

# 7.2 Standard operation procedures

### 7.2.1 Avoid data pollution

The follows are strongly recommended whenever modifying files:

- Read out loud the *directory* of the file being modified. Are you mistakenly modify files in another directory?
- When copying file from a folder to another, similarly read out loud the name of the source and the target.

• If a file is going to be overwritten, make sure it's really no longer needed. Whenever you have doubts, make backups.

•

### 7.2.2 Finding the structure

### 7.2.2.1 From open data

Sometimes the atomic positions are given with the help of Wyckoff positions: an example can be found in [19]. In this case, the number of atomic positions given is less than the total numbers of atoms in a primitive unit cell. The difference between the two can be found according to the multiplicity of the Wyckoff positions involved – in the case of [19], all atomic positions given are in the 2a position, the multiplicity of which is two, and 6 atomic positions are given, so we have  $2 \times 6 = 12$  atoms per primitive cell. But then the primitive cell mentioned in the experimental paper may be a primitive cell in the bulk while it's possible that we only want a layer in the bulk material (i.e. we are dealing with the monolayer version), and then we should only pick the atoms that are close enough to each other in the z direction.

### 7.2.2.2 Comparing existing structures for the same material

One good idea is to first find some high symmetry points (the inversion center, the reflection mirror, etc.) and then compare the relative relations of these positions in the two structures.

### 7.2.3 Insulator DFT+GW+BSE

#### 7.2.3.1 The DFT stage

- 1. Do a scf calculation in 1-scf.
- 2. Do a bands calculation in 2.1-wfn. This step includes:
  - (a) Create a the-suffix-you-set.save folder in 2.1-wfn, and link data-file-schema.xml and charge-density.dat from 1-scf into this folder. These are files required for a bands calculation.
  - (b) Run

to create kgrid.inp, which describes how to create a **k**-grid with size nx ny nz. This can't be done with options in QuantumESPRESSO's KPOINTS section because QuantumESPRESSO and BerkeleyGW have different tolerance for symmetry.

(c) Run

```
kgrid.x kgrid.inp kgrid.out kgrid.log
```

to obtain kgrid.out. The content in kgrid.out will be used as the KPOINTS section for the input file of pw.

- (d) Preparing the bands.in file, which is the input file of pw.x. Do the following checklist:
  - Whether calculation is bands.
  - Whether pseudo\_dir is correct.
  - Whether nbnd is set to, say, 1000.
  - Whether lspinorb = .true. and noncolin = .true. are set for an SOC run.
- (e) Run pw2bgw.x in 2.1-wfn. Do the following checklist:
  - This step should be done with *exactly the same* parallelization setting with pw.x.
  - The wfng\_nk1, wfng\_nk2, wfng\_nk3 parameters should be set to nx, ny, nz mentioned above. (This item needs double check especially when pw2bgw.inp comes from another run.)
  - Whether rhog\_flag is .true..
  - Whether vxc\_flag is .true..
  - Whether wfng\_flag is .true..
- 3. Do a bands calculation in 2.2-wfnq. The steps are similar to 2.1-wfn:
  - (a) Linking files from 1-scf.
  - (b) Run

to get the kgrid.inp file. Here qx qy qz is a small displacement used to regularize Coulomb interaction at q=0. A common choice is 0 0 0.001; when dealing with a 2D material, choose 0 0.001 0, because with cell\_slab\_truncation open in the epsilon.x step, non-zero z components of k-points are forbidden.

- (c) Run kgrid.x.
- (d) Preparing the bands.in file.
- (e) Run pw2bgw.x. Do the following checklist:
  - This step should be done with *exactly the same* parallelization setting with pw.x.
  - The wfng\_nk1, wfng\_nk2, wfng\_nk3 parameters should be set to nx, ny, nz mentioned above.
  - The wfng\_dk1, wfng\_dk2, wfng\_dk3 parameters should be set to wfng\_nk1 × qx, etc. (If kshift is used, it also should be added to wfng\_dk1, etc.)

Note that this doesn't mean the displacement imposed to the k-grid is wfng\_nk1  $\times$  qx: the displacement is still qx qy qz. Here the wfng\_dk1, wfng\_dk2, wfng\_dk3 are conventional parameters used in Monkhorst-Pack grids, and wfng\_dk1 = 0.5 means the grid is shifted towards x direction by half a grid step — and therefore the displacement is  $0.5 \times 1$  / wfng\_nk1 in the crystal coordinates. Now we understand why we need to set wfng\_dk1 to wfng\_nk1  $\times$  qx. Indeed, below is a part of the header of a WFN file in 2.2-wfnq:

```
k-grid:
         24 24
                    1
              0.000000
                           0.024000
                                        0.00000
[ifmin = lowest occupied band, ifmax = highest
   → occupied band, for each spin]
                  Coordinates (crystal)
      → Weight
                  Number of G-vectors
                                             ifmin
      \hookrightarrow ifmax
            0.000000
                         0.001000
                                      0.00000
          → 0.001736
                                        36275
                                                       1
                     120
```

It can be seen that the first k-point is displaced 0.001 in the y direction, and the k-shifts parameter corresponding to the y direction is 0.024; since the size of the grid in the y direction is 24, the displacement instructed by the latter is 0.024/24 = 0.001, exactly the displacement recorded in the first k-point.

### 7.2.3.2 The GW stage

- 1. Do a epsilon calculation in 1-epsilon. The steps are listed below:
  - (a) Linking files. Come to 1-epsilon and do the follows:

```
ln -sf ../2.1-wfn/WFN
ln -sf ../2.2-wfnq/WFN ./WFNq
```

- (b) Prepare epsilon.inp. Do the follow checklist:
  - Whether we are setting quoints instead of knoints.
  - Whether there is an end line of the qpoints block.
  - Whether each line of the qpoints block is in the format (see here)

- Especially, whether the line corresponding to the  $\Gamma$  point has is-q0 = 1.
- Don't forget to replace the coordinates of the Γ point with the displaced point in 2.2-wfnq.
- If we are dealing with a 2D material, add cell\_slab\_truncation.
- Set epsilon\_cutoff to, say, 10; the exact value is to be decided by convergence tests.
- Set number\_bands to the highest total number of bands allowed by degeneracy\_check.x (§ 8.6.3).
- 2. Do a sigma calculation in 2-sigma. The steps are listed below:
  - (a) Link necessary files:

```
ln -sf ../2.1-wfn/vxc.dat
ln -sf ../2.1-wfn/RH0
ln -sf ../2.1-wfn/WFN ./WFN_inner
ln -sf ../1-epsilon/epsmat.h5
ln -sf ../1-epsilon/eps0mat.h5
```

- (b) Prepare sigma.inp. Do the following checklist:
  - Whether we are setting kpoints instead of qpoints. (This time it's not qpoints!)

- Whether there is an end line of the kpoints block.
- Whether each line of the kpoints block is in the format

- If we are dealing with a 2D material, add cell\_slab\_truncation.
- Set number\_bands to the same value in epsilon.inp.
- Set band\_index\_min and band\_index\_max. The bands between the two are corrected by (4.59), and others are not.

### 7.2.3.3 The BSE stage, with Q = 0

- 1. Do a kernel calculation in 3-bse. The steps are listed below:
  - (a) Link necessary files.

```
ln -sf ../1-epsilon/WFN ./WFN_co
ln -sf ../1-epsilon/epsmat.h5
ln -sf ../1-epsilon/eps0mat.h5
```

- (b) Prepare kernel.inp. Do the following checklist:
  - Whether the following lines are there:

```
use_symmetries_coarse_grid
```

- Whether number\_val\_bands and number\_cond\_bands are specified.
- If we are dealing with a 2D material, whether cell\_slab\_truncation is added.
- 2. Do an absorption step.
  - (a) Build a denser k-grid and repeat 2.1-wfn and 2.2-wfnq steps.
  - (b) Link necessary files.

```
ln -sf ../2.1-wfn/WFN ./WFN_co
ln -sf ../2.2-wfnq/WFN ./WFNq_co
ln -sf ..2.1-wfn-dense/WFN ./WFN_fi
ln -sf ..2.2-wfnq-dense/WFN ./WFNq_fi
ln -sf ../1-epsilon/epsmat.h5 ./
ln -sf ../1-epsilon/eps0mat.h5 ./
ln -sf ../3-kernel/bsemat.h5 ./
```

The bsedmat and msexmat files are missing if HDF5 format is used to generate the output files – the documentation of BerkeleyGW says we need the files but it's wrong: When bsemat.h5 is present, the program runs well.

- (c) Prepare absorption.inp. Do the following checklist:
  - Whether the following lines are in absorption.inp:

```
use_symmetries_fine_grid use_symmetries_coarse_grid
```

• Whether

```
number_cond_bands_coarse
number_cond_bands_fine
number_val_bands_coarse
number_val_bands_fine
```

are specified.

7.2.3.4 The BSE stage,  $Q \neq 0$ 

### 7.2.4 Metal DFT+GW+BSE

For metals, the q-displacement technique can no longer be used. The working procedure now is

- 1. Do a scf calculation in 1-scf.
- 2. Do a bands calculation in 2.1-wfn.
- 3. Do 2.2-wfn0 with a finer k-grid, still without any qshift displacement.
- 4. Do a epsilon calculation in 1-epsilon. The steps are listed below:
  - (a) Link files according to

```
ln -sf ../2.1-wfn/WFN
ln -sf ../2.1-wfn/WFN ./WFNq
```

The 2.2-wfnq step is not needed, because we are not going to deal with the  $\Gamma$  point in this step.

- (b) Preparing epsilon.inp. Do the following checklist:
  - Whether we are setting eqpoints instead of kpoints.
  - Make sure the  $\Gamma$  point is *not* included in the **qpoints** block.
  - Whether each line of the **qpoints** block is in the format

- 5. Do a epsilon calculation in 1.2-epsilon0.
  - (a) Link files according to

Now the outputs of the 2.1-wfn step is not used.

- (b) Prepare epsilon.inp. Do the following checklist:
  - Whether we are setting eqpoints instead of kpoints.
  - The *only point* included in the **qpoints** block should be the non-zero k-point with smallest length in the k-grid used in 2.2-wfn0.
  - Whether the  $\Gamma$  point is in the format

### 7.2.5 Hartree-Fock calculation

The sigma code can also be used to do Hartree-Fock calculation. No epsilon run is needed for this kind of calculation. The standard operation procedure is like the follows:

1. WFN\_inner, vxc.dat and RHO need to be linked; epsmat.h5 and eps0mat.h5 are not needed.

- 2. The sigma.inp file should be changed in the following way:
  - Add a line: frequency\_dependence -1
  - Copy an insulator-style qpoints to sigma.inp: the is\_q0 flag for the Γ point with displacement should be set to 1; the is\_q0 flag for other points is 0.
  - Add a qgrid line, giving the size of the full first Brillouin zone, like 10 10 1.

### 7.2.6 Band plot

### 7.2.6.1 DFT level: k-path

To plot the bands, just do a bands calculation where the K\_POINTS block is in crystal\_b mode.

The results can be processed by the bands.x utility. An example of the input file:

```
&BANDS

prefix = 'WTe2'

outdir = './'

filband = 'WTe2_bands.dat'

lsigma(1) = .true.

lsigma(2) = .true.

lsigma(3) = .true.

lsym = .false.
```

Here the lsigma options are only available for a full SOC calculation. A script used to read the output file can be found here.

Note that when plotting the band structure, the Fermi energy is to be found in scf.out or in a nscf run. It won't appear in a bands run.

#### **7.2.6.2** *GW* level: integp

The GW level bands can be obtained by the inteqp program. Note that this shouldn't be used for a system considered metallic by DFT (§ 8.9.4). The standard operation procedure is listed here:

- Go to 4-path the folder responsible for the DFT level calculation and perform a pw2bgw run needed to create a WFN file. Note that if we are not dealing with a k-grid, wfng\_nk1, wfng\_nk2, and wfng\_nk3 should be skipped.
- 2. Create a folder within 1-epsilon/, and go into it.
- 3. Link the necessary files:

```
ln -sf ../../2.1-wfn/WFN ./WFN_co
ln -sf ../../4-path/WFN ./WFN_fi
cp ../../1-epsilon/eqp1.dat ./eqp_co.dat
```

4.

### 7.2.6.3 GW level: using WFN\_outer

It's possible to do the same thing in § 7.2.6.1 with BerkeleyGW: we can

#### 7.2.6.4 BSE level

### 7.2.7 Wannier functions and tight-binding models

Tight-binding models are a more compact way to show the band structure.

#### 7.2.7.1 wannier90 for DFT

1. The first step is to perform a fresh QuantumESPRESSO run. wannier90 requires a full Monkhorst—Pack grid, and to create a bands.in file, (don't forget to add the utility folder to the PATH environment variable) just prepare a bands.in file without the K\_POINTS block and run

```
kmesh.pl 20 20 1 >> bands.in
```

Replace 20 20 1 by the k-grid size you want. The number of bands in this DFT run shouldn't be too large, or otherwise pw2wannier90 will be extremely slow.

- 2. Prepare a prefix.win file, where prefix is the QuantumESPRESSO prefix used. Examples of this input file can be found by searching "wannier90 2007 workshop" and downloading the tutorial files coming together with the web page about this event currently it's here. Do the following checklist:
  - Is num\_bands plus the number of excluded bands the same as nbnd in the QuantumESPRESSO run (§ 8.7.1)? If you don't want all valence bands in the DFT run, always decide how many bands to include before doing any wannier90.x run; changing parameters in prefix.win after a wannier90.x run may lead to inconsistencies.
- 3. Run

```
wannier90.x -pp prefix.win
```

to get prefix.nnkp.

4. Run pw2wannier90.x. The input file looks like

```
%inputpp
outdir = './'
prefix = 'WTe2'
seedname = 'WTe2'
scdm_proj = .true.
write_amn = .true.
write_mmn = .true.
write_unk = .true.
```

This step should finish in several minutes. If it takes too long, reduce nbnd in the QuantumESPRESSO step and redo the whole procedure. This step generates an .eig file.

5. Run

```
wannier90.x prefix.win
```

### **7.2.7.2** *GW* level: sig2wan

The sig2wan code can extract a Wannier interpolated band structure from output files of the sigma step. An example can be found here. The routine is almost the same as wannier90 for DFT, except for one thing: after running pw2wannier90.x, we need to replace the perfix.eig file generated by pw2wannier90.x by the prefix.eig file generated by sig2wan.

### 7.2.8 Self-consistent GW

Self-consistent schemes in GW are listed in § 4.4.2. In this section, I talk about how to do them.

### 7.2.8.1 Energy self-consistent calculation in GW

The epsilon code has an option called eqp\_corrections, which takes the

### 7.2.8.2 Eigenstate self-consistent calculation in GW

Eigenstate self-consistent GW — in other words, diagonalizing  $\Sigma$  instead of taking into account only the diagonal elements — is realized by scGWtool.py. The procedure is listed below:

1. Perform a DFT run, with *non-diagonal* VXC in the pw2bgw step. An example of the part of pw2bgw.in concerning VXC:

```
vxcg_flag = .true.
vxc_diag_nmax = 1000
vxc_offdiag_nmax = 1000
```

Note that here we are using VXC instead of vxc.dat as the output format of  $V_{xc}$ . Whenever weird errors occur with the pw2bgw step, redo the bands step and do pw2bgw in exactly the same parallelization environment.

2. Run sigma with the options

```
sigma_matrix -1 0
dont_use_vxcdat
```

and rename the output file sigma\_hp.log to sigma\_hp\_col.log.

3. Run sigma with the options

```
sigma_matrix -2 0
dont_use_vxcdat
```

and rename the output file sigma\_hp.log to sigma\_hp\_row.log. TODO: understand what's going on in this step; the explanation involving "the lower triangle and the upper triangle" doesn't seem to agree with the official documentation

- 4. Rename (or link, or whatever) the WFN\_inner.h5 file used in the last steps as wfn\_old.h5. If the last two steps are not done with the HDF5 format (i.e. they are done with the Fortran binary format), a wfn2hdf.x run is needed.
- 5. Run scGWtools.py to build and diagonalize the quasiparticle Hamiltonian. The output files are vxc\_new.dat and wfn\_new.h5.

6. Rename the output files into vxc.dat and WFN.h5. Run sigma with use\_wfn\_hdf5 and remove the dont\_use\_vxcdat option.

### 7.2.9 Topological invariants with z2pack

The error ValueError: The given WCC are not degenerate Kramers pairs at the edges of the surface occurs because one topological band and a trivial band appear in the bands option of z2pack.tb.System.

### 7.2.10 Band projection

One thing to keep in mind: If you want to do a DOS calculation for all k's in the first Brillouin zone, *never* do band projection after a k-path run; or otherwise the DOS output will be only about states on the k-path. Also, DOS calculation is extremely sensitive to both energy grid and k-grid.

### 7.2.11 Finite momentum BSE

1. Prepare the wave function files. Note that finite Q calculation doesn't support symmetry reduction: the WFN\_co and WFNq\_co files have to contain the full k-grid.

TODO: could epsilon contain reduced k-grid?

2.

### 7.3 Performance tricks

### 7.3.1 Parallelization

When virtual thread is not enabled, we have

```
# of MPI tasks \times # of OpenMP threads = # of nodes \times # of cores per node. (7.1)
```

It's a good idea to have the number of MPI tasks divisible by the number of nodes, since grouping CPUs from different nodes under one MPI task means we need to let threads from different nodes communicate with each other frequently, which is highly .

Increasing the number of OpenMP threads per MPI task gives an MPI task more resources. but if the number of nodes used is fixed, this also means the number of MPI tasks is reduced; problems like insufficient memory usually can't be solved by decreasing the number of MPI tasks and allocate more resource to one MPI task: on the contrary, we need to increase the number of MPI tasks so that the burden on each MPI task is smaller.

QuantumESPRESSO uses a parallelization technique called momentum pool:  $\mathbf{k}$ -points are grouped into "pools" which are parallelized over;  $\mathbf{k}$ -points in the same pool however are evaluated one by one.

### 7.3.2 Choosing cutoff energies wisely

The cutoff energies, especially the one in the GW step, of course should be large enough, but not too large: if in a benchmark test, a smaller cutoff energy gives almost the same result compared to a higher cutoff energy, then the smaller cutoff energy should be used unless we have reasons against this practice.

### 7.3.3 pseudobands

One observation is that the exact dispersion relations of high-energy bands required in GW aren't that important: these bands are there mainly because we need to make the normalization correct (TODO: citation needed). This fact can be exploited to speed up calculation.

Fig. 7.1 shows one way to do this: we need two parameters,  $E_1$  and  $\lambda$ . We leave all bands whose average energies over k points are below  $E_1$  untouched (we say they are protected). Then we divide bands whose average energies are above  $E_1$  according to the following procedure. Bands whose average values are between  $E_1$  and  $E_1 + \lambda E_1$  are placed into block 1; Bands whose average values are between  $E_2 = E_1 + \lambda E_1$  and  $\lambda E_2$  are placed into block 2 ... Repeating this until every band is placed in one block. Then, each block is replaced by an averaged band, whose energy is the average of all bands in that block, and whose wave function is the sum of all bands in that block. Note that  $E_1$  starts from the (quite arbitrary) energy zero-point, instead of the Fermi energy, and therefore it's required to check the magnitude of the Fermi energy and make  $E_1$  much larger than that. Using pseudobands thus breaks the norm conserving condition. Therefore, in espilon.inp, we need to add dont\_check\_norms. This method seems to be mentioned in [10,14], where they mention something called "stochastic pseudobands". The meaning of the term "stochastic" is not clear. Some publications, like [9,17], are cited as the source of this technique, but they never mention a word about pseudobands, let alone why summing over wave functions makes any sense. [15] mention a similar method, but it seems to involve no summation among wave functions.

The usage of pseudobands is shown below:

```
wfn2hdf.x BIN WFN WFN.h5
pseudobands.py WFN.h5 WFNo.h5 0.7 0.02
hdf2wfn.x BIN WFNo.h5 WFNo
```

Here 0.7 is  $E_1$  (in Rydberg), and 0.02 is  $\lambda$ .

Details in the code:

- en\_min and en\_max are not  $E_{\min}$  or  $E_{\max}$ : they are just the average energy of bands with the first spin direction. It seems h5py transposes the input HDF5 file so make it closer to the C/Python convention.
- nb\_fixed: indices of bands that are to be averaged over

## 7.3.4 "Manual parallelization"

Sometimes a complete 2.1-wfn or sigma or epsilon run just takes too much time; one way to overcome the problem is to manually divide the k- or q-points and concatenate the output files. Some utilities have been provided by BerkeleyGW.

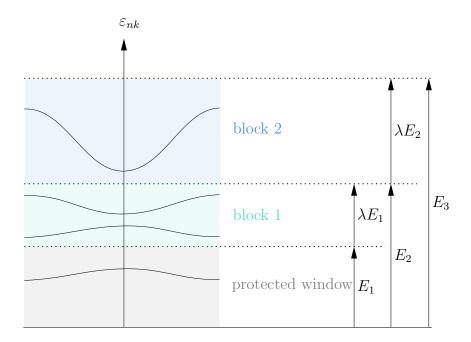


Figure 7.1: One way to average over high-energy bands. Note that the x axis represents the energy zero-point, and not  $\mu$ . Which block a band is in is decided by its average value.

#### 7.3.4.1 2.1-wfn

From § 7.2.3.2, we know that what is needed in the DFT stage is WFN (and WFNq or fine-grained WFN for metallic calculation), RHO and vxc.dat. Each of them can be calculated with manual parallelization over Brillouin zone sample points.

- 1. Do a pw2bgw run in 1-scf folder to get the complete RHO;
- 2. Divide the k-points generated by kgrid.x into several parts, and prepare QuantumESPRESSO input files for each part.
- 3. Run QuantumESPRESSO and pw2bgw for each part in parallel.
- 4. Use wfnmerge.x to merge WFN files. TODO: pw2bgw setting
- 5. Use cat vxc.dat-1 vxc.dat-2 > vxc.dat to create the complete vxc.dat file.

### 7.4 Convergence tests

Here, the term **convergence test** means to make sure the parameters that control the size of the problem are large enough. The parameters included are:

- The k- (and therefore q-)grid this is defined in the 2.1-wfn step, which influences the accuracy of the dielectric matrix;
- The cutoff energy in DFT, which influences the accuracy of DFT, and therefore is relevant in the accuracy of both  $\varepsilon_{n\mathbf{k}}$  and  $c_{n\mathbf{k}}(\mathbf{G}, \sigma)$ , hence the accuracy of  $M_{nn'}(\mathbf{k}, \mathbf{q}, \mathbf{G})$ ;
- The number of empty bands given to epsilon;

- The cutoff energy in epsilon, or in other words the screened cutoff energy;
- The number of bands in CH summation (4.58), i.e. the number of bands in sigma.

TODO: problem: do high bands require more  $\boldsymbol{G}$  vectors, or do low bands require more  $\boldsymbol{G}$  vectors?

List of theoretical problems:

• Wavefunction cutoff only affects bare exchange significantly, can be treated separately; large G's only contribute to bare exchange.

•

More theoretical reading is needed to understand https://www.nersc.gov/assets/Uploads/Conver

### 7.5 Third-party tools

### 7.5.1 Running Python 2 scripts

Some auxiliary scripts are written in Python 2. If you need to run them on a cluster where no NumPy is installed for Python 2, you need to create an Anaconda environment to run these scripts:

```
conda create -n wfn-tools python=2.7
conda activate wfn-tools
conda install numpy==1.15.0
```

### Chapter 8

### Trouble shooting

### 8.1 Unexpected units

### 8.1.1 Band energy output of pw.x

When invoked in the bands or nscf modes, pw.x gives a list of k-points and the corresponding band energies. The unit of the k points is the momentum space version of alat, which is *not* based on the crystal coordinates.

### 8.2 Trouble shooting in MPI

#### 8.2.1 srun: fatal: Can not execute

This error may come from an error in compilation, but it can also occur because the directory to the program is misspelt, or an environment variable involved in the directory is not defined, etc.

### 8.2.2 error parsing parameters

This sometimes occurs because you misspell the name of a program to be mpiruned.

## 8.2.3 Each process is run serially and doesn't communicate with others

A possibility is when compiling the program to be launched in parallel, you choose the serial version (§ 7.1.1).

#### 8.2.4 Insufficient virtual memor

Try to reduce the number of MPI processes per node and increase the number of OpenMP threads per MPI process.

### 8.3 Trouble shooting in Python

## **8.3.1** AttributeError: 'Dataset' object has no attribute 'value'

This error comes from an update of hdf5 which deprecated the .value attribute. To solve the problem, either downgrade the library or change the statements using .value. This error is known in scGWtool.py.

### 8.4 Trouble shooting in QuantumEspresso

### 8.4.1 Fatal error in PMPI\_Comm\_free: Invalid communicator

This happens sometimes when doing 2.1-wfn. It's possible that this comes from some sort of out-of-memory issue. This of course occurs when the resource allocated is not enough, but sometimes it also occurs from wrong settings in input files of softwares being run. One example: calculation is accidentally set to scf in a QuantumESPRESSO run when it should be bands.

# 8.4.2 Intel MKL FATAL ERROR: Cannot load symbol MKLMPI\_- Get\_wrappers.

### 8.4.3 Program frozen

Check whether too much resource is given to a simple task.

### 8.4.4 Electron convergence not achieved

This is related to smearing, TODO

### 8.4.5 Error in routine allocate\_fft (1): wrong ngms

I'm still not quite sure what causes this error, but it seems to be related to parallelization: in a run with 2240 MPI tasks, the error occurred, but when I used 320 MPI tasks, the error disappeared. The error can occur with pw.x or bands.x.

## 8.4.6 Error reading attribute index : expected integer , found \*

This error occurs when we use a pseudopotential that is obtained by converting another pseudopotential in a different format (see here). Usually we don't need to "correct" it.

### 8.4.7 cdiaghg (159): eigenvectors failed to converge

Usually by changing diagonalization to cg, this can be solved; cg is more stable but much slower.

## 8.4.8 Error in routine cdiaghg (1052): problems computing cholesky

This also seems to be a convergence problem that can be solved by changing diagonalization to cg.

## 8.4.9 Error in routine set\_occupations (1): smearing requires a vaklue for gaussian broadening (degauss)

This happens whenever smearing is used but the smearing parameter is not set. Note that this is *not* restricted to Gaussian smearing: all smearing schemes are controlled by the **degauss** parameter, and when this parameter is not set, the error occurs.

## 8.4.10 Error in routine splitwf (36197): wrong size for pwt

Usually this occurs when pw2bgw is redone (pw2bgw deletes intermediate files, making another pw2bgw run impossible). This also appears in cases similar to § 8.4.5. A complete bands-pw2bgw run has to be redone.

### 8.4.11 Error in routine PW2BGW(19):input pw2bow

Usually this occurs when something else happens between a bands run and a pw2bgw run for it. A complete bands-pw2bgw run has to be redone.

### 8.4.12 Error in routine PW2BGW (19): input\_pw2bgw

This can occur when you misspell one option in pw2bgw.in.

### 8.4.13 stress for hybrid functionals not available with pools

As the error message implies, turning tstress to .false. (or simply deleting anything about this option) solves the problem.

## 8.4.14 Error in routine projwave (1): Cannot project on zero atomic wavefunctions!

This occurs when running projwfc.x. It occurs when atomic wave functions are not shipped together with the pseudopotentials used. This is the case for some types of pseudopotentials, including ONCV TODO: full list.

### 8.4.15 Error in routine diropn (3): wrong record length

This sometimes occur when too many MPI processes are located for a small number of k-points.

### 8.4.16 S matrix not positive definite

This usually happens when there are too many empty bands compared with the cutoff energy. The cutoff energy should be increased. If this is what is needed in BerkeleyGW, parabands may be one way to work around it. The k-grid being too dense can also be a reason.

## 8.4.17 Error in routine c\_bands (1): too many bands are not converged

As the error message indicates, there are too many bands not converged. The reasons and solutions may be one or more of the follows:

- The diagonalization algorithm is not numerically stable; try to change diagonalization to cg.
- The parameter nbnd falling below the highest occupation can also lead to the error; this happens when dealing with multilayer materials and forgetting to set nbnd according to the number of layers currently in use.
- The convergence thresholds are too high.

## 8.4.18 Error in routine checkallsym (2): not orthogonal operation

This appears when the

### 8.5 Trouble shooting in parabands

### 8.5.1 failed to find G-vector for k-point

A rather weird origin of this error is using momentum pool in the input QuantumESPRESSO calculation: when momentum pool is used, the error occasionally appears, and it doesn't appear immediately after parabands is started, but after several k points having been successfully finished.

### 8.6 Trouble shooting in epsilon and sigma

### 8.6.1 Floating point exception

This error sometimes occurs because the GPU version is run on CPU nodes.

# 8.6.2 WARNING: checkbz: unfolded BZ from epsilon.inp has missing q-points

In metallic GW this message is bond to appear, because the  $\Gamma$  point is not calculated in 1-epsilon, but in 1-epsilon/epsilon\_0.

### 8.6.3 Selected number of bands breaks degenerate subspace.

Run degeneracy\_check.x WFN to see degeneracy-allowed number of bands. This error occurs when one band in a degeneracy subspace is considered but others are not. Also, the band\_index\_min and band\_index\_max parameters shouldn't be too close to vxc\_diag\_min and vxc\_diag\_max, or the error occurs.

#### 8.6.4 WFN ifmin/ifmax fields are inconsistent

The full message is

```
WFN ifmin/ifmax fields are inconsistent:
 - there is a valence state above the middle energy
 - there is a conduction state below the middle energy
Possible causes are:
(1) Your k-point sampling is too coarse and cannot resolve the

→ Fermi energy.

 Try to carefully inspect your mean-field energies, and

→ consider using a finer

k-grid.
(2) You are using eqp.dat and the QP corrections change the
   \hookrightarrow character of some s
 from valence <-> conduction. In this case, you should use
    \hookrightarrow another mean-field the
ory
 that gives the same ground state as your GW calculation.
(3) You are running inteqp, but you are either shifting the
   → Fermi energy or usi
 restricted transformation.
```

The direct causes of this error are already listed above. But it takes some time to see what is the deeper reason, and how to solve it:

- Sometimes when the occupation option in the 2.1-wfn and 2.2-wfnq steps is not correct. If fixed is used for a metal, for example, some positions that should be a part of a hole Fermi pocket are occupied by electrons, and therefore the highest occupied state has higher energy than the lowest unoccupied state. This usually means the smearing scheme needs to be changed.
- When you shift the occupation in a WFN file (§ 8.9.8), but forget to change the ifmax dataset correspondingly, this error will also occur, regardless of how you change the eqp.dat.
- When you shift the energy levels near the Fermi surface in a WFN file according to, say, self-consistent GW, or equivalently, replace the bands near the Fermi surface by their counterparts in a self-consistent GW calculation, by mindful of the overall energy zero point shift: if the Fermi energies in the self-consistently updated bands and the rest of the bands are not consistent, a higher conduction band may have lower energies in the update WFN or eqp.dat, and when it's even lower than the highest valence band, the error is reported.

### 8.6.5 Segmentation fault: address not mapped to object at address

The root of this error differs from case to case.

If we see

```
q-pt 2: Head of Epsilon = NaN NaN q-pt 2: Epsilon(2,2) = NaN NaN
```

usually this means a "divided-by-zero" error occurs. This may occur when we incorrectly use the insulator procedure to calculate a metallic system (as long as DFT thinks the system is metallic, the error has the potential to occur, regardless of whether the system is metallic after GW correction), often regardless of the smearing type.

#### 8.6.6 eqpcor mean-field energy mismatch

This error happens when we try to do an eigenvalue self-consistent calculation, and epsilon finds the DFT energies given in eqp.dat are different from the energies in WFN.

This sometimes is a technical problem (the Rydberg energy definitions used in QuantumESPRESSO and BerkeleyGW are slightly different), and can be solved by increasing TOL\_eqp in the source code of BerkeleyGW. The error may also be reported when the DFT energies in eqp.dat are mistakenly changed (we should only change the column corresponding to the corrected energy).

A k-point appearing in eqp.dat twice can also cause the problem. In the eqpcor subroutine, once the difference between the DFT energy in eqp.dat is verified to be the same as the DFT energy WFN at given n and k, the GW corrected value in eqp.dat is assigned to the array element eqp(ib,kk,is) recording the DFT energy from WFN in the eqpcor routine at n, k. Now if the same k-point appears in eqp.dat again, when comparing the DFT energy in eqp.dat and the DFT energy in WFN – represented by eqp(ib,kk,is) – we are actually comparing the DFT energy and the GW energy, which are obviously not close to each other. And the error occurs.

## 8.6.7 ERROR: occupations (ifmax field) inconsistent between WFN and WFNq files.

```
ERROR: occupations (ifmax) inconsistent between WFN and WFNq \hookrightarrow files. Remember that you should NOT use WFNq for metals and graphene.
```

## 8.6.8 ERROR: Unexpected characters were found while reading the value for the keyword

```
This usually happens when the input file contains a line like number_bands = 148
```

while the correct format is

number\_bands 148

## 8.6.9 forrtl: severe (24): end-of-file during read, unit -5, file Internal List-Directed Read

This means there is a syntax error in the input file. It usually happens when one of the follows happens:

- We should write quoints but actually write knoints (or the opposite).
- The is\_q0 flag is not set for a qpoints block or is accidentally set for a kpoints block.
- When both qpoints and kpoints are needed (in Hartree-Fock calculation), only the qpoints block is given.

### 8.6.10 ERROR: Inconsistent screening, trunction, or q0 vector

The full error message may be

```
ERROR: the input truncation flag indicates that the Coloumb \hookrightarrow interaction v(q0) diverges for q0->0. However, you have q0 exactly zero. You should always specify a *nonzero* q0->0 vector unless you \hookrightarrow have 0D truncation, i.e., spherical or box truncation.
```

ERROR: Inconsistent screening, trunction, or q0 vector

This arises when we are dealing with a metal but forget to add screening\_metal to sigma.inp.

```
ERROR: cannot use metallic screening with q0 = 0.
You should either specify a nonzero q0 \rightarrow 0 vector or use \hookrightarrow another screening flag.
```

### 8.6.11 cannot use metallic screening with q=0

As the name implies, when doing a metallic calculation, we need to make sure that the  $\mathbf{q} \to 0$  point is the smallest *non-zero* point in the dense  $\mathbf{k}$ -grid (§ 7.2.4). Note that if we accidentally set  $\mathbf{q} = 0$  in the epsilon\_0 step, *no* error will occur in this step (indeed, as long as the  $\mathbf{q}$ -point given is within the  $\mathbf{k}$ -grid of the WFN file, no error will be generated) – but then in the sigma step, the error occurs.

#### 8.6.12 ERROR: genwf mpi: No match for rkq point

#### 8.6.13 ERROR: Missing bands in file eqp\_co.dat

This happens when doing inteqp. The origin of the error is just its name implies. Note that this error sometimes occurs for unnoticed reasons:

When the pseudopotential is changed, the number of bands may change, because the orbitals included in the pseudopotentials change. Now if band\_-index\_max and band\_index\_min are set according to the old pseudopoten-

tials, and the Fermi energy happens to fall outside of the range between the two, the error occurs.

### 8.6.14 forrtl: severe (71): integer divide by zero

If this happens after Calculation parameters: , it may arise from mistakenly setting band\_index\_max to a value smaller than band\_index\_min. In this case, the number of bands considered will be zero, and thus a divide-by-zero error occurs when sigma.x tries to distribute computational loads.

## 8.6.15 ERROR: screened Coulomb cutoff is bigger than epsilon cutoff

This happens in the sigma step. When the cutoff energies of epsmat.h5 and eps0mat.h5 are different (this may happen when you want to reuse existing eps0mat.h5 for a metallic calculation), this may occur.

#### 8.6.16 ERROR: Incorrect kinetic energies in epsmat.

This happens in the sigma step, usually when epsmat.h5 or eps0mat.h5 is not appropriately generated. Note that even when it's esp0mat.h5 is broken, the error message still contains in epsmat instead of in eps0mat.

### 8.6.17 ERROR: Bad Screening Options

In sigma, we may see a warning message like this: You have q0vec=0 but a metal!!, and then the error in the caption occurs. This is due to

# 8.6.18 \_int\_malloc: Assertion '(unsigned long) (size) >= (unsigned long) (nb)' failed.

This occurs when running sigma in the Hartree-Fock mode. The reason seems to be inappropriate setting of number\_bands: it shouldn't be greater than band\_-index\_max. Somehow mysteriously, when such an inappropriate configuration does happen, a warning message like "the number of bands is changed to that is needed for calculating exchange" will be given, but the error still occurs.

#### 8.6.19 IndexError: list index out of range

This happens when running scGWtool.py. When this happens in the Reading  $sigma_hp$  files and constructing Hqp sub-space matrices step, it's likely to be caused by missing lines in  $sigma_hp_row.log$  and/or  $sigma_hp_col.log$ . This could happen when we divide k points into several jobs, and when concatenating  $sigma_hp_cols$  generated, accidentally delete some lines containing data.

For example, readlines in Julia doesn't consider a final, empty line in a file to be a line (and that's self-consistent because saying that there is a final, empty line at the end of a file is equivalent to say that the final ends with n, which however should be regarded as a part of the second last line). But in

ordinary text editors the final, empty line is always displayed. Thus it's very easy to make mistakes when measuring the size of the footer part of  $sigma_hp.log$ , and sometimes the last line of the last k-block in the file is deleted, resulting in the error.

### 8.7 Trouble shooting in wannier90 and pw2wannier90

#### 8.7.1 w90\_wannier90\_readwrite\_read: mismatch in WTe2.eig

When reading a .eig file, wannier90 doesn't really look at the band index and **k**-point index. Rather, it completely relies on num\_bands and mp\_grid. Thus, if the number of nbnd in the QuantumESPRESSO run – which decides the number of bands in the .eig file – isn't num\_bands, wannier90 finds bands in the .eig file messed up, and the error occurs.

#### 8.7.2 WTe2.amn has not the right number of bands

Sometimes the .amn file only contains num\_wann bands, while the .eig file contains num\_bands bands, and when the two values are different, the error occurs. Redoing the whole procedure with a fixed prefix.win file can solve this problem. TODO: what's really going on here

## 8.7.3 forrtl: severe (174): SIGSEGV, segmentation fault occurred

TODO: occurs when num\_bands > num\_wann

## 8.7.4 too many projections to be used without selecting a subset

When there are more projection wave functions specified in the projections block (they can be found in the prefix.nnkp file) than the desired number of Wannier functions, this error occurs. It means you need to tighten the constraint in the projections block, or add a select\_projections statement in the .win file (that's so-called "selecting a subseth").

#### 8.7.5 Direct lattice mismatch

As the error message says, it's due to mismatch between the crystal constants in DFT and in prefix.win. Note that it's possible that the crystal structure in bands.in is correct, but the crystal structure in scf.in is wrong; in that case, the latter overrides the former, and the error message becomes hard to understand.

### 8.8 Trouble shooting in kernel and absorption

- 8.8.1 ERROR: Inconsistent symmetry treatment of the fine and shifted grids with the momentum operator
- 8.8.2 Fatal error in PMPI\_Waitall: Request pending due to failure

This MPI issue is sometimes an indication of too much IO: for example, if it appears after Polarization: b3 Sum rule (BSE), maybe the eigenvector file of all excitons is simply too large for the supercomputer.

### 8.8.3 could not get a validated dataspace from file\_space\_-

The full message looks like this:

This happens when the number of bands given in bsemat.h5 is smaller than the number of bands required in absorption.

#### 8.8.4 ERROR: Momentum and Finite\_q are incompatible

This happens when we are doing a finite Q calculation but is using the use\_momentum option. BerkeleyGW expects use\_velocity whenever finite Q is specified.

### 8.8.5 epscopy: read illegal ng from epsmat

This happens when the DFT G-grid used in calculating epsmat.h5 is not consistent with the G-grid provided in WFN\_co. TODO: is it possible that different ecutrho also lead to the error?

### 8.9 Checklist for unexpected results

Sometimes the calculation ends successfully, but the result seems strange. Below we discuss some frequently encountered cases, together with possible causes and solutions.

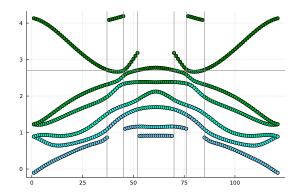


Figure 8.1: Example of how inteqp misidentifies DFT-level bands: the data is from the DFT column of eqp.dat; the colors of points are about the band index.

## 8.9.1 Band symmetry higher than the space group shown at the beginning of bands.out

- Usually this is because of an approximate symmetry, which is ignored by QuantumESPRESSO because its tolerance is very low.
- Are all steps in the DFT calculation using the same crystal structure?

### 8.9.2 Band structure looks very far from the literature

- Check the crystal structure: if it comes from relaxation, does it converges?
- For 2D materials, when we change the vacuum distance and use crystal coordinates for atomic positions at the same time, always double check whether we scale the atomic positions correctly. The formula is

new z coordinate = 
$$\frac{\text{old vacuum distance}}{\text{new vacuum distance}} \times \text{old } z \text{ coordinate.}$$
 (8.1)

- Are all steps in the DFT calculation using the same crystal structure?
- Is the Fermi energy correct? Sometimes we change the band structure but forget to change the Fermi energy used to plot bands.

### 8.9.3 Band plot is empty

- Are there enough bands? If **nbnd** is not set for an insulator, no conduction band will be considered.
- Is the Fermi energy correct? If the Fermi energy is set too high (which may come from, say, wrong unit), then naturally there is no band in the plot.

### 8.9.4 Band plot is not continuous

If the system is metallic in the DFT level (regardless of what GW says about the material, and the screening model used) and inteqp is used, this is expected: somehow, inteqp assumes the system is an insulator, and thus states above the Fermi energy (but not too far from it) has to be in one band. Thus, if, say, the

120th band has more than one intersection points with the Fermi energy level, its part below  $\varphi_F$  will be recognized as the 119th band in the eyes of inteqp. This can be seen by plotting the DFT column of the eqp.dat output of inteqp (Fig. 8.1).

Another type of band plot non-continuity is described in [7] and can be solved by COHSEX??? TODO

A further type of non-continuity comes from mistakenly linking a wrong epsmat.h5 or eps0mat.h5 file. This sometimes displaces some segments of bands below a certain band index downwards or upwards.

### 8.9.5 Band plot is flat

This may happen when the k-path is obtained from a software designed for 3D systems, while we are actually dealing with a monolayer.

### 8.9.6 The size of band gap

DFT is infamous for underestimating the band gap.

- Use hybrid functionals like HSE.
- Let GW correct the band structure. TODO: but how? How to avoid the error in § 8.6.4?

### 8.9.7 SOC effects are too strong

When SOC effects are much stronger than expected:

- Are you using relativistic pseudopotentials for a non-SOC run? This is *not* correct (and unfortunately QuantumESPRESSO never tells us when this happens).
- TODO:

## 8.9.8 When we get a semimetal in the DFT step but it should be an insulator

This is similar to  $\S 8.9.6$ .

Note that naively feeding the semimetal result into BerkeleyGW while still using the insulator procedure may result in errors in § 8.6.5.

One way to solve the problem is to manually move the conduction bands and the valence bands away from each other. Naively using the eqp\_correction option and shifting bands near the Fermi surface away from each other leads to § 8.6.4, precisely because "QP corrections" (i.e. the energy shift manually added by me) change the character of some states from valence to conduction. The mf\_header/kpoints/occ and mf\_header/kpoints/ifmax datasets in the WFN.h5 file have to be modified accordingly. A procedure to do so can be found here. TODO: should this be done in 2-sigma?

The problem with this method is we don't have eqp\_correction in kernel. TODO

## 8.9.9 The band plot seems reasonable but the band gap is strange

When doing convergence tests, you may find changing a parameter somehow leads to a rather large change in the band gap. This may be because you accidentally use WFN with number\_bands set for WFNo in one of the instances. This essentially leads to an under-converged problem: suppose we have 200 bands in WFNo, but there are 1000 bands in WFN, and if we set number\_bands to 200 while using WFN, then of course the calculation is severely under-converged.

#### 8.9.10 The DOS curve is too smooth

This usually can be solved by setting occupations to tetrahedra in the bands step, and using a smaller degauss in the projwfc step. Note that when doing so, the smearing and degauss options should not be set, or otherwise by default the calculation will be done with gaussian smearing.

### 8.9.11 The Wannier-interpolated band structure looks weird

• A denser k-grid always improves the accuracy. 20 20 1 is a safe choice; a smaller k-grid may create wiggles in the band plot.

### 8.9.12 The exciton wave function looks strange

 $A_{cvk}^{SQ}$  can be retrieved from the eigenvalues.h5 file generated by absorption. Sometimes the  $\sum_{c,v} |A_{cvk}^{SQ}|^2$  heatmap looks rather weird: we may get asymmetric signals, or maybe all of the weight falls on several points.

Asymmetric results sometimes are normal: we may have a degeneracy space, and the basis chosen by absorption happens to lose the symmetry we expect. Note that due to numerical errors, it's possible that the energies assigned to the eigenstates have small differences from each other. We need to compare how the energy difference is compared with the energy difference between clearly non-degenerate states to decide whether the states are in one degeneracy space.

Sometimes weird exciton weight heatmap comes from real technical issues. To name a few:

- The bsemat.h5 file used is broken.
- Smearing is used in the DFT step and some conduction states are mistakenly considered to be filled by pw2bgw.x.

### **Bibliography**

- [1] B Adolph, VI Gavrilenko, K Tenelsen, F Bechstedt, and R Del Sole. Non-locality and many-body effects in the optical properties of semiconductors. *Physical Review B*, 53(15):9797, 1996.
- [2] Irene Aguilera, Christoph Friedrich, Gustav Bihlmayer, and Stefan Blügel. G w study of topological insulators bi 2 se 3, bi 2 te 3, and sb 2 te 3: Beyond the perturbative one-shot approach. *Physical Review B*, 88(4):045206, 2013.
- [3] Xavier Andrade and Alán Aspuru-Guzik. Prediction of the derivative discontinuity in density functional theory from an electrostatic description of the exchange and correlation potential. *Physical review letters*, 107(18):183002, 2011.
- [4] F Aryasetiawan, T Miyake, and R Sakuma. 7 the constrained rpa method for calculating the hubbard u from first-principles. The LDA+ DMFT approach to strongly correlated materials, 2011.
- [5] Claudio Attaccalite, M Grüning, and A Marini. Real-time approach to the optical properties of solids and nanostructures: Time-dependent bethe-salpeter equation. *Physical Review B*, 84(24):245110, 2011.
- [6] Bradford A Barker, Jack Deslippe, Johannes Lischner, Manish Jain, Oleg V Yazyev, David A Strubbe, and Steven G Louie. Spinor g w/bethe-salpeter calculations in berkeleygw: Implementation, symmetries, benchmarking, and performance. *Physical Review B*, 106(11):115127, 2022.
- [7] J Arjan Berger, Pierre-François Loos, and Pina Romaniello. Potential energy surfaces without unphysical discontinuities: The coulomb hole plus screened exchange approach. *Journal of Chemical Theory and Computation*, 17(1):191–200, 2020.
- [8] Christian Brouder, Gianluca Panati, Matteo Calandra, Christophe Mourougane, and Nicola Marzari. Exponential localization of wannier functions in insulators. *Physical review letters*, 98(4):046402, 2007.
- [9] Mauro Del Ben, H Felipe, Gabriel Antonius, Tonatiuh Rangel, Steven G Louie, Jack Deslippe, and Andrew Canning. Static subspace approximation for the evaluation of g 0 w 0 quasiparticle energies within a sum-over-bands approach. *Physical Review B*, 99(12):125128, 2019.
- [10] Mauro Del Ben, H Felipe, Andrew Canning, Nathan Wichmann, Karthik Raman, Ruchira Sasanka, Chao Yang, Steven G Louie, and Jack Deslippe.

- Large-scale gw calculations on pre-exascale hpc systems. Computer Physics Communications, 235:187–195, 2019.
- [11] R Del Sole and Raffaello Girlanda. Optical properties of semiconductors within the independent-quasiparticle approximation. *Physical Review B*, 48(16):11789, 1993.
- [12] Jack Deslippe, Georgy Samsonidze, David A. Strubbe, Manish Jain, Marvin L. Cohen, and Steven G. Louie. Berkeleygw: A massively parallel computer package for the calculation of the quasiparticle and optical properties of materials and nanostructures. *Computer Physics Communications*, 183(6):1269–1289, 2012.
- [13] Sergey V Faleev, Mark Van Schilfgaarde, and Takao Kotani. All-electron self-consistent g w approximation: Application to si, mno, and nio. *Physical review letters*, 93(12):126406, 2004.
- [14] Weiwei Gao, H Felipe, Mauro Del Ben, Jack Deslippe, Steven G Louie, and James R Chelikowsky. Quasiparticle energies and optical excitations of 3csic divacancy from g w and g w plus bethe-salpeter equation calculations. *Physical Review Materials*, 6(3):036201, 2022.
- [15] Weiwei Gao, Weiyi Xia, Xiang Gao, and Peihong Zhang. Speeding up GW Calculations to Meet the Challenge of Large Scale Quasiparticle Predictions. *Scientific Reports*, 6(1):36849, 2016.
- [16] Lars Hedin. New method for calculating the one-particle green's function with application to the electron-gas problem. *Physical Review*, 139(3A):A796, 1965.
- [17] Linda Hung, H Felipe, Jaime Souto-Casares, James R Chelikowsky, Steven G Louie, and Serdar Öğüt. Excitation spectra of aromatic molecules within a real-space g w-bse formalism: Role of self-consistency and vertex corrections. *Physical Review B*, 94(8):085125, 2016.
- [18] Mark S Hybertsen and Steven G Louie. Electron correlation in semiconductors and insulators: Band gaps and quasiparticle energies. *Physical Review B*, 34(8):5390, 1986.
- [19] Arthur Mar, Stephane Jobic, and James A Ibers. Metal-metal vs tellurium-tellurium bonding in wte2 and its ternary variants tairte4 and nbirte4. *Journal of the American Chemical Society*, 114(23):8963–8971, 1992.
- [20] Nicola Marzari, Arash A Mostofi, Jonathan R Yates, Ivo Souza, and David Vanderbilt. Maximally localized wannier functions: Theory and applications. *Reviews of Modern Physics*, 84(4):1419, 2012.
- [21] John P Perdew, Robert G Parr, Mel Levy, and Jose L Balduz Jr. Density-functional theory for fractional particle number: derivative discontinuities of the energy. *Physical Review Letters*, 49(23):1691, 1982.
- [22] Michael Rohlfing and Steven G Louie. Electron-hole excitations and optical spectra from first principles. *Physical Review B*, 62(8):4927, 2000.

- [23] Bi-Ching Shih, Yu Xue, Peihong Zhang, Marvin L Cohen, and Steven G Louie. Quasiparticle band gap of zno: High accuracy from the conventional g 0 w 0 approach. *Physical review letters*, 105(14):146401, 2010.
- [24] M. Shishkin, M. Marsman, and G. Kresse. Accurate quasiparticle spectra from self-consistent gw calculations with vertex corrections. *Phys. Rev. Lett.*, 99:246403, Dec 2007.
- [25] Catalin-Dan Spataru. Electron excitations in solids and novel materials. PhD thesis, University of California, Berkeley, 2004.
- [26] Nathan Wiser. Dielectric constant with local field effects included. *Phys. Rev.*, 129:62–69, Jan 1963.
- [27] Xiao Zheng, Aron J Cohen, Paula Mori-Sánchez, Xiangqian Hu, and Weitao Yang. Improving band gap prediction in density functional theory from molecules to solids. *Physical review letters*, 107(2):026403, 2011.